फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 74 संख्याः 256 प्रभात जयपुर, गुरुवार 18 अप्रेल, 2024 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

# राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

**Chronicles of Jaipur's Heritage**

The allure of 'Jaipur Houses' lies in its ability to transform passive scrolling into an immersive journey through time. Each post serves as a window into the past, inviting viewers to rediscover the stories embedded within the city's walls

**Tracing the journey of *Kasuri Methi***

# 19 अप्रैल को 102 संसदीय सीटों पर मतदान होगा

## इस दिन 21 राज्यों व केन्द्र शासित क्षेत्रों में 12 लाख मतदान केन्द्रों पर मतदाता अपने वोटिंग के अधिकार का उपयोग कर सकेंगे

- भाजपा की ओर से नितिन गडकरी, कनीमोई, नकुलनाथ, जतिन प्रसाद, कोयंबटूर से भाजपा अध्यक्ष अन्नामलाई, निशित प्रमाणिक आदि 19 को अपना भाग्य ई.वी.एम. पर आजमायेंगे।
- तमिलनाडू की 39 सीटों व यू.पी. की अस्सी सीटों में से आठ सीटों पर भी मतदान होगा।
- यू.पी. की ये आठ सीटें हैं, सहारनपुर, कैराना, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, नगीना, मुरादाबाद, रामपुर व पीलीभीत।
- ये सभी सीटें वैस्टर्न यू.पी. में हैं।
- इस बार के लोकसभा चुनाव में 97 करोड़ मतदाता वोट देंगे।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 अप्रैल। सात चरणों वाले लोकसभा चुनाव के 19 अप्रैल को हो रहे प्रथम चरण की वोटिंग को लेकर तैयारियां पूर्ण है। देश के 21 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों की 102 लोकसभा सीटों पर 19 अप्रैल को मतदान है। बिहार, उत्तर प्रदेश, अरूणाचल प्रदेश, असम, छत्तीसगढ़, जम्मू एवं कश्मीर, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और पश्चिम बंगाल और केन्द्र शासित प्रदेशों के 1.2 मिलीयन मतदान केन्द्रों पर वोट डाल जाएंगे। लोकसभा की 543 सीटों पर लगभग 97 करोड़ मतदाता वोट डालेंगे।

राजस्थान की 25 लोकसभा सीटों में से 12 सीटों पर प्रथम चरण में वोट डाले जायेंगे, मतदान वाली ये सीटें- गंगानगर, चूरू, बीकानेर, झुंझुनूं, सीकर, जयपुर, जयपुर ग्रामीण, अलवर, भरतपुर, करौली-धौलपुर, दौसा और नागौर है। इन उक्त सीटों में से, चूरू लोकसभा सीट पर रोचक मुकाबला होने की संभावना है क्योंकि कांग्रेस ने इस सीट पर वर्तमान सांसद व भाजपा के पूर्व नेता राहुल कसवां को चुनावी मैदान में उतारा है, इनकी टक्कर भाजपा के उम्मीदवार, भारतीय पैरालंपिक भाला फेंक खिलाड़ी देवेन्द्र झांझड़िया से है। इसी तरह का एक चुनावी मुकाबला नागौर में भाजपा के खिलाफ इंडिया गठबंधन का सामने आया है, जहां पर पूर्व कांग्रेसी सांसद व भाजपा उम्मीदवार ज्योति मिर्धा वर्तमान सांसद व इंडिया ब्लॉक गठबंधन के हनुमान बेनीवाल के खिलाफ चुनाव लड़ रही हैं।

2019 के चुनावों में हुए सूपड़ा साफ को रोकने के उद्देश्य से, ज्ञातव्य है कि पिछले चुनावों में भाजपा ने राजस्थान की सभी पर एकतरफा विजय हासिल की थी, अतः इस बार कांग्रेस ने हनुमान बेनीवाल की पार्टी आर.एल.पी. से राजकुमार रोत की भारत आदिवासी पार्टी तथा लेफ्ट पार्टी से चुनाव पूर्व ही गठबंधन कर लिया है। प्रथम चरण में कई दिग्गज नेता प्रत्याशियों का भाग्य ई.वी.एम. में बंद हो जाएगा। इनमें खास नेता, भाजपा के नेता नितिन गडकरी जो नागपुर से चुनाव लड़ रहे हैं, कोयंबटूर से उम्मीदवार के. अन्नामलाई, जितिन प्रसाद पीलीभीत से, कूच बिहार से निसिथ प्रमाणिक तथा चेन्नई दक्षिण सीट से तमिलसाई सौंदरराजन हैं।

कनिमोई करूणानिधि (डी.एम.के.) से व छिन्दवाड़ा सीट से कांग्रेसी उम्मीदवार नकुल नाथ का भाग्य भी 19 अप्रैल की ई.वी.एम. में बंद हो जाएगा।

प्रथम चरण में तमिलनाडू की समस्त 39 लोकसभा सीटों के लिए वोट डाले जाएंगे। भाजपा दक्षिण के राज्यों में अब तक अपना खाता नहीं खोल पाई है हालांकि, इस बार उसे आशा है कि वह कोयंबटूर सीट को जीतने में कामयाब होगी, क्योंकि इस सीट से पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष व पूर्व आई.पी.एस. अधिकारी के. अन्नामलाई को चुनावी मैदान में उम्मीदवार बनाया है।

उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# भाजपा के खिलाफ राजपूतों का विद्रोह

- पश्चिमी उत्तर प्रदेश, राजस्थान व सौराष्ट्र के राजपूतों ने भाजपा के खिलाफ यू.पी. के मुजफ्फरनगर जिले के एक गांव में एक महापंचायत का आयोजन किया।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 अप्रेल। राजपूत समुदाय ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ कम से कम तीन राज्यों में विद्रोह कर दिया है।

उत्तर प्रदेश और राजस्थान गुजरात का सौराष्ट्र क्षेत्र, जहाँ राजपूतों की पहचान क्षत्रिय के रूप में है। यह समुदाय केन्द्रीय मंत्री पुरूषोत्तम रूपाला द्वारा भरे गए नामांकन को वापिस लिए जाने की मांग कर रहा है। उत्तर प्रदेश के मुज़फ्फरनगर जिले के एक गांव में मंगलवार को आयोजित राजपूतों की एक महापंचायत हुई है, जिसमें स्पष्ट है कि भाजपा इस क्षेत्र में मुश्किल स्थिति का सामना कर सकती है। प्रभावशाली राजपूत समुदाय के "गर्व" एवं "सम्मान" का अचानक से किया गया यह प्रदर्शन वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के पहले चरण के

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# दो बार लगातार 25-0 से हारने के बाद कांग्रेस के लिये हैट ट्रिक रोकना बहुत जरूरी

## कांग्रेस बाड़मेर, दौसा, चूरू, झुंझुनूं की सीटों पर पॉज़िटिव रिज़ल्ट की आशा कर रही है

- कांग्रेस का खुद का आकलन यह भी है कि, जयपुर रूरल, भरतपुर, कोटा तथा टोंक, सवाईमाधोपुर में भी कांटे की टक्कर दे सकती है।
- कांग्रेस का मानना है कि, 10 साल के शासन के बाद, मोदी "एन्टी इन्कम्बैंसी" का शिकार होंगे तथा सचिन पायलट का आक्रामक (अग्रैसिव) प्रचार भी कुछ अच्छे नतीजे की आशा जगाता है। हालांकि यह भी सच है कि, पूर्व मु.मंत्री का फोकस अपने बेटे की सीट पर ही है तथा अन्य सीटों को वो नज़रअंदाज़ कर रहे हैं।
- गहलोत के चुनाव प्रबंधन व प्रचार के कारण ही, उनके पुत्र का चुनाव प्रचार कुछ जीवित सा है, अगर वैभव गहलोत पर ही चुनाव प्रचार की जिम्मेवारी होती तो, शायद चुनाव प्रचार जमने से पहले ही उखड़ जाता।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 अप्रेल। राजस्थान के गत दो लोकसभा चुनावों (2014 और 2019) में कांग्रेस की करारी हार हुई थी, जिनमें पार्टी को एक भी सीट नहीं मिली थी, पर 2024 के लोकसभा चुनाव का माहौल कांग्रेस के पक्ष में बदलता हुआ लग रहा है। बाड़मेर, दौसा, चूरू और झुंझुनूं में कांग्रेस अच्छा कर रही है, वहां उम्मीद है कि भाजपा हार जाएगी।

इसके अलावा जयपुर ग्रामीण, भरतपुर, कोटा और टोंक में भी कांग्रेस अच्छी टक्कर दे रही है और इनमें से कुछ सीटें भाजपा से छीन भी सकती है। इस बार कांग्रेस को कुछ सीटें जीतने की उम्मीद है।

सूत्रों का कहना है कि इन क्षेत्रों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की छवि का असर कम हो रहा है। दस साल के शासन के खिलाफ बनी सरकार विरोधी लहर का असर नरेन्द्र मोदी की छवि पर पड़ रहा है। इसी के साथ राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में सचिन पायलट के धूआंधार प्रचार ने पार्टी को खोया जनाधार पुनः पाने में भारी मदद की है। अशोक गहलोत का पूरा फोकस तो अपने बेटे के चुनाव प्रचार पर है जो जालोर-सिरोही से चुनाव लड़ रहे

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# तृणमूल कांग्रेस ने अपना चुनाव घोषणा पत्र जारी किया

- इस घोषणा पत्र में ममता बनर्जी की राष्ट्रीय नेता बनने की महत्वकांक्षा का ज्यादा पुट नज़र आया बनिस्पत तृणमूल पार्टी के प्रदेश स्तर की पार्टी होने की सच्चाई के।
- ममता की समस्या यह है कि, वे किसी भी पार्टी से कांग्रेस या मार्क्सवादी पार्टी से कोई सीटों के बंटवारे के बारे में कोई समझौता करने को तैयार नहीं।
- इसी कारण ममता बनर्जी, इण्डिया गठबंधन से लगभग बाहर सी ही हैं।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 अप्रेल। तृणमूल कांग्रेस ने आज अपना चुनाव घोषणा पत्र जारी किया। यह तृणमूल को एक क्षेत्रीय पार्टी के बजाए, उसकी राष्ट्रीय प्रासंगिकता साबित करने की एक विस्तृत कवायद है।

पार्टी का घोषणा पत्र न्यूनतम समर्थन मूल्य को लेकर दिल्ली में आंदोलन कर रहे किसानों को समर्थन देने का वादा करता है। पार्टी ने सत्ता में आने की स्थिति में पैट्रोलियम पदार्थों की स्थिर कीमतों, देश में गरीबी की सीमा रेखा से नीचे के प्रत्येक परिवार को 10 निःशुल्क एल.पी.जी. गैस सिलैण्डर और सी.ए.ए. के उन्मूलन का भी वादा कर रही है।

आश्चर्य की बात यह है कि ममता बनर्जी ने एक स्थानीय टी.वी. चैनल को दिए एक साक्षात्कार में पराजय जैसी बात की। उन्होंने कहा कि यदि उन्हें जेल भेज दिया जाए तो उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ेगा। इससे उन्हें बढ़त ही मिलेगी।

पार्टी की समस्या यह है कि उसने इण्डिया गठबंधन के साथ सीट शेयरिंग फॉर्मूला करने या बंगाल में सी.पी.आई. (एम.) और कांग्रेस के लिए कोई भी सीट छोड़ने से इन्कार कर दिया था। राष्ट्रीय स्तर पर तो तृणमूल कांग्रेस, इण्डिया गठबंधन से एक तरह से बाहर ही है।

तृणमूल की एक राष्ट्रीय पार्टी बनने की आकांक्षाएं बढ़ रही है, लेकिन इसके बावजूद उसने राष्ट्रीय स्तर पर गठबंधन का खेल खेलने से इन्कार कर दिया। तृणमूल के बंगाल से बाहर चुनाव लड़ने वाले नाम मात्र के प्रत्याशी हैं। इनमें से एक असम के सिलचर से एक और दूसरा उत्तर प्रदेश में है, वह भी अखिलेश यादव की मदद से।

ममता की राष्ट्रीय प्रतिबद्धता का एकमात्र संकेत यह है कि जिस दिन तृणमूल का घोषणा पत्र जारी किया गया, वह स्वयं असम में चुनाव प्रचार कर रही थीं।

इस बीच, इण्डिया गठबंधन की एक अन्य सहयोगी पार्टी ने पूरे देश में विवादित स्थिति पैदा कर दी है कि यदि वह सत्ता में आयी तो भारत के परमाणु अस्त्रों और सारे परमाणु संस्थानों को समाप्त कर देगी।

घोषणा पत्र के अलग घटक सी.पी.आई. (एम.) और कांग्रेस की तर्ज पर ही है, जिनसे बंगाल के लिए चुनाव घोषणा पत्र आधारभूत काम की कमी दिखाई पड़ती है।

दूसरी ओर, पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी.बी. आनन्द बोस ने शुक्रवार को उत्तरी बंगाल में स्वयं उपस्थित रहना प्रस्तावित किया है। चुनाव आयोग ने राज्यपाल से कहा है कि वह उत्तर बंगाल के निर्वाचन क्षेत्रों में ना जाए क्योंकि ऐसा करना आदर्श चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन होगा।

## विचार बिन्दु

**कोई भी भाषा अपने साथ एक संस्कार, एक सोच, एक पहचान और प्रवृत्ति को लेकर चलती है। – भरत प्रसाद**

# बानी ऐसी बोलिये, मन का आपा खोय औरन को सीतल करै, आपहु सीतल होय

देश में चुनाव आते ही कटु वचनों की बाढ़ सी आ जाती है। कटु वचन एक ऐसे जहर के सामान है जो भले ही पिया न जाये लेकिन वह असर जहर से भी तेजी से करता है। कटु वचन मित्र को भी शत्रु बनाते देर नहीं करता। देश में चुनावों के दौरान कटुता का जैसा सियासी वातावरण बन रहा है वह निश्चय ही हमारी एकता, अखंडता, भाईचारे और सहिष्णुता पर गहरी चोट पहुँचाने वाला है। इसके लिए कौन दोषी है और कौन निर्दोष है उस पर देशवासियों को गहनता से मंथन करने की जरुरत है। जो लोग कटु वचन बोलते हैं और अपने वचनों से अन्य लोगों का मन दुखाते हैं। ऐसे लोगों के लिए रहीम दास जी ने अपने दोहे में बड़ी सीख दी है। रहीम दास जी ने कहा है, "**बानी ऐसी बोलिये, मन का आपा खोय। औरन को सीतल करै, आपहु सीतल होय।**"

देश को अमूमन हर साल कोई न कोई चुनाव का सामना करना ही पड़ता है । जैसे ही चुनाव आते है नेताओं के बांछे खिल जाती है । गंदे और कटु बोलों से चुनावी बिसात बिछ जाती है। पिछले दो दशक से गंदे और विवादित बोल बोले जा रहे है। नेताओं के बयानों से गाहे बगाहे राजनीति की मर्यादाएं भंग होती रहती है। अमर्यादित बयानों की जैसे झड़ी लग जाती है। राजनीति में बयानबाजी का स्तर इस तरह नीचे गिरता जा रहा है उसे देखकर लगता है हमारा लोकतंत्र तार तार हो रहा है।

नेता लोग अक्सर चर्चा में रहने के लिए ऊल-जलूल और समाज में कटुता फैलाने वाले बयान देते रहते है। विशेषकर चुनावों के दौरान गंदे बोलों से चुनावी बिसात बिछ जाती है। कुछ सियासी नेताओं ने तो लगता है विवादित बयानों का ठेका ले रखा है। कई नेताओं पर विवादित बयानों पर मुक़दमे भी दर्ज हुए। कुछ को न्यायालय से सजा भी मिली। मगर इसका उनपर कोई फर्क नहीं पड़ा। विवादित बयानबाजी के कारण सुर्खियों में रहना नेताओं को शायद आनंद देने लगा है। पिछले दो दशक से गंदे और विवादित बोल बोले जा रहे है। नेताओं के बयानों से गाहे बगाहे राजनीति की मर्यादाएं भंग होती रहती है। अमर्यादित बयानों की जैसे झड़ी लग जाती है। राजनीति में बयानबाजी का स्तर इस तरह नीचे गिरता जा रहा है उसे देखकर लगता है हमारा लोकतंत्र तार तार हो रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने भी नफरत फैलाने वाले भाषण को देश के धर्मनिरपेक्ष ताने-बाने को प्रभावित करने वाला गंभीर अपराध करार दिया है। अदालत ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की पुलिस को निर्देश दिया कि वे स्वत: संज्ञान लेकर कार्रवाई करें। शीर्ष अदालत ने कहा कि ऐसे भाषण देने वालों के खिलाफ मामला दर्ज करें, भले ही उनका धर्म कुछ भी हो। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा कि राज्य सरकारें नफरत भरे भाषणों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए बाध्य हैं।

लोकसभा चुनाव के चलते नेताओं के बीच विवादित बयानबाजी का दौर जारी है। जिस तरह से एक के बाद एक नेता विवादित बयान दे रहे हैं, उसकी वजह से चुनावी माहौल में सरगर्मी बढ़ गई है। विवादित बयान देने में

**चुनाव जीतने के लिए वातावरण को कटु और विषैले वचनों से जहरीला बनाया जाता है। फिर चुनाव जीतने के बाद नेता अपनी झोली भरने में लग जाते है। जितने पैसे चुनाव में लगाए है उनके पुनर्भरण की जुगत बैठाते है। गरीब की भलाई के स्थान पर अपने कुनबे को आगे बढ़ाने में लग जाते है। असल में चुनाव ही नेताओं की अग्नि परीक्षा है। जनता को खूब सोच समझ कर अपने मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए अन्यथा पांच साल के लिए फिर भैंस गई पानी में।**

कांग्रेस और भाजपा सहित कोई भी नेता पीछे नहीं है। कहते है राजनीति के हमाम में सब नंगे है। यहाँ तक तो ठीक है मगर यह नंगापन हमाम से निकलकर बाजार में आजाये तो फिर भगवान ही मालिक है। सियासत में विवादास्पद बयान को नेता भले अपने पॉपुलर होने का जरिया मानें, लेकिन ऐसे बयान राजनीति की स्वस्थ परंपरा के लिए ठीक नहीं होते। हमारे माननीय नेता आजकल अक्सर ऐसी भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं, जिससे हमारा सिर शर्म से झुक जाता है। देश के नामी-गिरामी नेता और मंत्री भी मौके-बेमौके कुछ न कुछ ऐसा बोल ही देते हैं, जिसे सुनकर कान बंद करने का जी करता है।

भारत सदा सर्वदा से प्यार और मोहब्बत से आगे बढ़ा है। हमारा इतिहास इस बात का गवाह है हमने कभी असहिष्णुता को नहीं अपनाया। हमने सदा सहिष्णुता के मार्ग का अनुसरण कर देश को मजबूत बनाया। सहिष्णुता का अर्थ है सहन करना और असहिष्णुता का अर्थ है सहन न करना। सब लोग जानते हैं कि सहिष्णुता आवश्यक है और चाहते हैं कि सहिष्णुता का विकास हो। सहिष्णुता केवल उपदेश या भाषण देने मात्र से नहीं बढ़ेगी। सहिष्णुता भारतीय जनजीवन का मूलमंत्र है। मगर देखा जा रहा है कि समाज में सहिष्णुता समाप्त होती जा रही है और लोग एक दूसरे के खिलाफ विषाक्त वातावरण बना रहे है जिससे हमारी गौरवशाली परम्पराओं के नष्ट होने का खतरा मंडराने लगा है। जीवन में आगे बढ़ने के लिए सहनशील होना आवश्यक है। सहनशीलता व्यक्ति को मजबूत बनाती है, जिससे वह बड़ी से बड़ी परेशानी का डटकर मुकाबला कर सकता है। अक्सर देखा जाता है हम छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा कर देते हैं, जिससे बात आगे बढ़ जाती है और अनिष्ट भी हो जाता है। ऐसी ही छोटी-छोटी बातों को मुस्कुराते हुए सुनने वाला व्यक्ति ही सहनशील है। सहनशीलता का शब्दिक अर्थ है शरीर और मन की अनुकूलता और प्रतिकूलता को सहन करना।

मानव व्यक्तित्व के विकास और उन्नयन का मुख्य आधार तत्व सहिष्णुता है। स्वयं के विरूद्ध किसी भी आलोचना को स्वीकार नहीं करना मोटे रूप में असहिष्णुता है। सहिष्णुता मनुष्य को दयालु और सहनशील बनाती है वहीं असहिष्णुता मनुष्य को अहंकारी बनाती है। अहंकार अंधकार का मार्ग है जो मनुष्य और समाज का सर्वनाश कर देती है।

आम आदमी से जुड़े मुद्दों जैसे बेहतर आधारभूत सुविधाएँ, सामाजिक न्याय, सब के लिए शिक्षा और रोजगार, भ्रष्टाचार से मुक्ति, शासन प्रशासन में पारदर्शिता इत्यादि से देश के हर नागरिक को जूझना ही पड़ता है। आम आदमी की परेशानियों से किसी को कोई मतलब नहीं है। महंगाई से आम आदमी को जूझना पड़ेगा। चुनाव मे करोड़ों अरबों की धनराशि स्वाहा हो जाती है। चुनाव लोकतंत्र की परीक्षा होती है और इस परीक्षा में राजनीतिक दलों को यह साबित करना होता है कि जनता के बीच उनकी स्वीकार्यता और लोकप्रियता कितनी है। लोकतंत्र की परीक्षा पास करने के लिए राजनीतिक दल चुनाव में जनता के बीच जाते है। अपने मुद्दे रखते है और बताते है कि चुनाव जीतने के बाद वे जनता की भलाई के लिए क्या कदम उठाएंगे। मगर वास्तविकता इससे ठीक विपरीत है। चुनाव जीतने के लिए वातावरण को कटु और विषैले वचनों से जहरीला बनाया जाता है। फिर चुनाव जीतने के बाद नेता अपनी झोली भरने में लग जाते है। जितने पैसे चुनाव में लगाए है उनके पुनर्भरण की जुगत बैठाते है। गरीब की भलाई के स्थान पर अपने कुनबे को आगे बढ़ाने में लग जाते है। असल में चुनाव ही नेताओं की अग्नि परीक्षा है। जनता को खूब सोच समझ कर अपने मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए अन्यथा पांच साल के लिए फिर भैंस गई पानी में। नेता जाति, धर्म और पैसे की राजनीति से खेलते है मगर मतदाता को इन प्रलोभनों से हट कर अपना मत डालना है। उसे उसी को चुनना है जो उसका सही मददगार है अन्यथा फिर पांच साल पछताना पड़ेगा और इसके लिए कोई दूसरा दोषी नहीं होगा।

**–अतिथि संपादक,**
**बाल मुकुन्द ओझा**
**वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार**

## राशिफल गुरूवार 18 अप्रेल, 2024



पंडित अनिल शर्मा

चैत्र मास, शुक्ल पक्ष, दशमी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2081, आश्लेषा नक्षत्र प्रात: 7:57 तक, गंड योग रात्रि 12:43 तक, गर करण सांय 5:32 तक, चन्द्रमा आज प्रात: 7:57 से सिंह राशि में संचार करेगा।

**ग्रह स्थिति:** सूर्य-मेष, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-कुम्भ, बुध-मीन, गुरू-मेष, शुक्र-मीन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज ज्वालामुखी योग प्रात: 7:57 तक है। रवियोग आज सम्पूर्ण दिन-रात रहेगा। आज नवरात्रौत्थान्पन, नवरात्र व्रत पारणा और धर्मराज दशमी है।

**श्रेष्ठ चौघड़िया:** शुभ सूर्योदय से 7:39 तक, चर 10:51 से 12:26 तक, लाभ-अमृत 12:26 से 3:37 तक, शुभ 5:13 से सूर्यास्त तक।

**राहूकाल:** 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:04, सूर्यास्त 6:49

### मेष

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

### वृष

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। धार्मिक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

### मिथुन

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। व्यक्तिगत प्रयासों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। आर्थिक मामलों में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

### कर्क

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ बनी रहेगी। धार्मिक स्थान की संभव है।

### सिंह

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

### कन्या

आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। धन हानि हो सकती है। आज घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा।

### तुला

मन में असंतोष बना रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

### वृश्चिक

व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

### धनु

धार्मिक स्थान की यात्रा हो सकती है। शुभ-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

### मकर

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

### कुंभ

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

### मीन

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। आज विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा।

# नरेन्द्र मोदी व सिख समुदाय- एक अनूठा रिश्ता



जसबीर सिंह

गत 10 वर्षों के शासन काल में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा एक समावेशी व एकजुट समाज के निर्माण हेतु प्रयास किये गये हैं जिससे एक विकसित व विश्वगुरू भारत के सपने को यथाशीघ्र यथार्थ में बदला जा सके। इस हेतु लालकिले की प्राचीर से 15 अगस्त 2022 में दिये गये पंच प्रणों को यथा 'अमृतकाल' में विकसित भारत, गुलामी की हर सोच से मुक्ति, विरासत पर गर्व, एकता और एकजुटता व नागरिकों द्वारा अपने कर्त्तव्यों का पालन समाज के सभी वर्गों द्वारा पूरी तरह अपने जीवन में लागू करना आवश्यक है।

श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देश की सभी धार्मिक, सांस्कृतिक व आध्यात्मिक परम्पराओं के प्रति आदर व गर्व का भाव रहा है जो उनके द्वारा कराये गये कार्यों उद्बोधनों में परिलक्षित होता है। इसी कड़ी में सिख समुदाय के प्रति भी उनका संवेदनशीलता व सम्मान का भाव रहा है जिसके दो प्रमुख कारण हैं। पहला, गुरूनानक देवजी से लेकर गुरू गोबिन्द सिंह जी तक सभी दस गुरूओं ने भारत की आध्यात्मिक, धार्मिक, सामाजिक व सांस्कृतिक एकता को एक माला में पिरोने का अद्भुत कार्य किया था। सिखों के 11वें गुरू गुरूग्रन्थ साहिब में 6 सिख गुरूओं के साथ-साथ उस समय तक के 30 अन्य महान् संतों यथा कबीर जी, मीरा के गुरू रविदास जी, धन्ना जी, नामदेव जी, शेख फरीद जी, त्रिलोचन जी, पीपा जी आदि की वाणी सम्मिलित है जो देश की अलग-अलग जातियों व क्षेत्रों के थे। प्रत्येक सिख, गुरूओं जैसा ही अदब व सम्मान का भाव इन संतों व महापुरूषों के प्रति रखता है। दूसरा, सिख गुरूओं ने अपने जीवन सहित अपना सब कुछ इस महान् राष्ट्र व धर्मरक्षा हेतु बलिदान व न्यौछावर कर दिया था। उपरोक्त दो कारणों से श्री नरेन्द्र मोदी का सिख गुरूओं के प्रति अगाध श्रद्धा व सम्मान का भाव रहा है। जून 1975 से जनवरी 1977 के आपातकाल के दौर में जब तत्कालीन शासकों द्वारा कवि दुष्यन्त कुमार के शब्दों में पूरे देश को अंधेरी कोठरी में तब्दील कर दिया था उस काल में श्री नरेन्द्र मोदी ने सिख वेशभूषा में ही भय व लोकतंत्र हनन के खिलाफ संघर्ष किया था।

इस नाते वर्तमान प्रधानमंत्री का बपचन से ही सिख समुदाय के प्रति संवेदनशील भाव रहा है जो उनके द्वारा गत 10 वर्षों में किये गये अनेक कार्यों से परिलक्षित होता है।

1984 में सिख विरोधी दंगे व कत्लेआम भारत के स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद का सबसे काला अध्याय है जिसमें तत्कालीन सरकार की आंखों के सामने देश की राजधानी दिल्ली व अनेक शहरों में दंगे हुये जिनमें हजारों निरपराध सिखों की निर्मम हत्या हुयी। दंगों के बाद 30 वर्षों तक दंगा प्रभावित परिवार न्याय का इंतजार करते रहे। वर्तमान सरकार ने 2014 में आने के बाद स्पेशल इंवेस्टीगेशन टीम (एष्ऊ) का गठन किया जिससे कई नामी गिरामी व्यक्ति जेलों के सींखचों के पीछे हैं।

करतारपुर साहिब के साथ प्रत्येक सिख का भावनात्मक जुड़ाव है जहाँ पर गुरूनानक देवजी ने अपने जीवन के अन्तिम 22 वर्ष गुजारे थे तथा वहां 'नाम जपो किरत करो वंड छको' के वचन अनुसार खेती करते थे। यह क्षेत्र 1947 के पश्चात् पाकिस्तान में चला गया था व गत कई सरकारों ने सिखों की अनेक अपीलों के बावजूद कोई ठोस पहल नहीं की। वर्तमान केन्द्र सरकार ने ठोस पहल करके करतारपुर कोरिडोर का निर्माण करके देश को समर्पित किया। लाखों श्रद्धालु आज बिना रोक-टोक व पूरी सुविधाओं के साथ करतारपुर साहिब गुरूद्वारे के दर्शन कर रहे हैं।

2016 में सर्वंशदानी साहिबे कमाल गुरू गोबिन्दसिंह जी का 350वाँ प्रकाश पर्व मनाने की घोषणा वर्तमान केन्द्र सरकार द्वारा की गयी व 100 करोड़ रुपये का फण्ड इसके लिये घोषित किया गया। इस राशि में से 4 करोड़ की ग्रान्ट द्वारा राजस्थान विश्वविद्यालय में भी श्री गुरूगोबिन्द सिंह चेयर फॉर नेशनल इंटिग्रेशन एण्ड सिख स्टडीज की स्थापना की गयी। इस 100 करोड़ के फण्ड द्वारा देश के प्रमुख स्थानों पर गुरू गोबिन्द सिंह जी के शौर्य व बलिदान की गाथा को चिरस्थायी बनाया गया जिससे हमारी युवा पीढ़ी निरन्तर प्रेरित होती रहे।

2019 में गुरूनानक देवजी के 550 वाँ प्रकाश पर्व पर केन्द्र सरकार के निर्देशों के परिणामस्वरूप उनकी जीवनी व संदेश पर दुनियां में स्थित सभी भारतीय दूतावासों में आयोजन किये गये जो पहली बार हुआ तथा गुरूनानक देवजी की महिमा व उनके संदेश का गुणगान हुआ। 550वें प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में केन्द्र सरकार द्वारा अमृतसर विश्वविद्यालय में विश्व स्तर के 'गुरूनानक देव सेन्टर फार इंटरफेथ डायलॉग' की स्थापना की गयी जिसका निर्माण कार्य जारी है। इस बेहतरीन सेन्टर के निर्माण, क्रिया-कलापों हेतु लगभग 400 करोड़ की राशि का व्यय होने की संभावना है। इसी तरह हिन्द की चादर व जनेऊ तथा तिलक की रक्षा हेतु चांदनी चौक दिल्ली में सीसगंज पर अपना बलिदान देने वाले गुरू तेग बहादुर जी का 400वाँ प्रकाशपर्व केन्द्र सरकार की घोषणा के अनुरूप मनाया गया वह उल्लेखनीय है। लाल किले (जहां से 1675 में तत्कालीन शासक द्वारा उनको शहीद करने का आदेश दिया गया था) के परिसर में 400 रागी जत्थों का शबद कीर्तन कराया गया जिसमें वर्तमान प्रधानमंत्री जी स्वयं काफी समय तक मौजूद रहे तथा गुरूजी के बलिदान व शहादत को नमन किया।

हम सभी को मालूम है कि गुरू गोबिन्द सिंह जी ने धर्म व देश की रक्षा के लिये वंदनीय बलिदान दिये थे। उनके दो साहिबजादे युद्ध के मैदान में तथा दो साहिबजादे तत्कालीन शासकों के निर्दयी आदेशों से जिन्दा दीवार में चिनवा दिये गये थे। यह इतिहास आजादी के बाद के शासकों को भी पता था लेकिन पूरी सजगता के साथ वर्तमान प्रधानमंत्री जी ने ही 26 दिसम्बर को प्रत्येक वर्ष 'वीर बाल दिवस' मनाने की घोषणा की जिससे समाज के युवाओं व बच्चों सहित सभी वर्ग साहिबजादों की शहादत को जाने सकें व नमन कर सकें। सीबीएसई के देश में सभी विद्यालयों में यह दिवस पूरी शिद्दत व अदब के साथ मनाया जा रहा है।

अर्द्धसैनिक बलों जैसे केन्द्रीय इण्डस्ट्रीयल सुरक्षा बल (CISF), 'सीमा सुरक्षा बल' (BSF), 'केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल' (CRPF) जैसी भर्तियों की परीक्षा के लिये गुरूमुखी भाषा में भी परीक्षा देने का निर्देश केन्द्र सरकार द्वारा दिये गये जिससे पंजाब व देश के अन्य भागों में रह रहे पंजाबी भाषी युवाओं को रोजगार व देशसेवा का लाभ मिलेगा।

इसी तरह बद्रीनाथ, केदारनाथ के मार्ग पर सिखों का बहुत बड़ा तीर्थस्थल श्री हेमकुण्ट साहिब है जहाँ पर विशाल संख्या में सिख श्रद्धालु प्रत्येक वर्ष दुर्गम मार्ग से जाते हैं व इस तीर्थ यात्रा में काफी समय लगता है। केन्द्र सरकार लगभग 1200 करोड़ रूपए खर्च करके वहां गोबिन्द घाट से **हेमकुण्ट साहिब** तक रोपवे का निर्माण कर रही है जिससे वहां जाने वालों को बहुत बड़ी सौगात मिल जायेगी। रोपवे बनाने के कार्य का उद्घाटन सितम्बर 2022 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किया गया।

अफगानिस्तान, पाकिस्तान व बांग्लादेश से आने वाले शरणार्थी सिखों को देश की नागरिकता देने का काम भी जिसे सी ए ए के माध्यम से वर्तमान केन्द्र सरकार ने किया। अफ़गानिस्तान में तालिबान का शासन पुन: आने के बाद वहाँ असुरक्षित हो गये श्री गुरूग्रन्थ साहिब को पूरे अदब व मर्यादा के साथ देश में सुरक्षित लेकर आने के लिये विशेष विमानों की व्यवस्था करायी गयी। उनके द्वारा समय-समय पर प्रधानमंत्री निवास पर सिख समुदाय के सभी वर्गों के प्रभावी नेतृत्वकर्ताओं व प्रबुद्धजनों को आमंत्रित किया जाता है तथा संवेदनशील मुद्दों व समस्याओं पर खुलकर संवाद किया जाता है जो प्रशंसनीय है।

**–जसबीर सिंह,**
**पूर्व अध्यक्ष राजस्थान अल्प संख्यक आयोग व अध्यक्ष सलाहकार समिति, गुरू गोबिन्द सिंह चेयर फार नेशनल इंटिग्रेशन एण्ड सिख स्टडीज, राजस्थान विश्वविद्यालय**

# कृत्रिम बुद्धिमत्ता के निर्वाचन पर संभावित प्रभाव



प्रो. अशोक कुमार

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जेनेरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (उँघ) से आर्टिफिशियल जनरल इंटेलिजेंस (ॅउघ) की ओर बढ़ने के साथ, निर्वाचन पर इसके संभावित प्रभाव को संबोधित करना महत्त्वपूर्ण होता जा रहा है। निर्वाचन पर इसका प्रभाव, जिसका उदाहरण भारत के आगामी चुनावों से मिलता है, जो इसके संभावित प्रभाव को संबोधित करने की अनिवार्यता को रेखांकित करता है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ॅघ) चुनावों पर प्रभाव डाल सकता है, निर्णय लेने में मदद कर सकता है, और राजनीतिक प्रक्रिया को परिचालित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

अभियान रणनीति और लक्ष्यीकरण: राजनीतिक दल और उम्मीदवार अपने अभियान संदेशों को अनुकूलित करने तथा विशिष्ट मतदाता समूहों को अधिक प्रभावी ढंग से लक्षित करने के लिये जनसांख्यिकी, सोशल मीडिया गतिविधि एवं पूर्व मतदान व्यवहार सहित मतदाताओं के बारे में अधिक डेटा का विश्लेषण करने के लिये कृत्रिम बुद्धिमत्ता एल्गोरिदम का उपयोग कर सकते हैं। पूर्वानुमानित विश्लेषण: कृत्रिम बुद्धिमत्ता-संचालित पूर्वानुमानित विश्लेषण मतदान डेटा, आर्थिक संकेतक और सोशल मीडिया से लोगों के रुख का विश्लेषण जैसे विभिन्न कारकों का विश्लेषण करके निर्वाचन परिणामों की पूर्वानुमान लगा सकता है। इससे दलों को रणनीतिक रूप से संसाधन आवंटित करने और प्रमुख चुनाव क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने में मदद मिल सकती है। मतदाता सहभागिता: चैटबॉट व वर्चुअल असिस्टेंट सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर मतदाताओं के साथ जुड़ सकते हैं, सवालों के जवाब दे सकते हैं, उम्मीदवारों तथा नीतियों के बारे में जानकारी प्रदान कर सकते हैं तथा यहाँ तक कि मतदाता मतदान को प्रोत्साहित भी कर सकते हैं। इससे मतदाताओं की भागीदारी और चुनावी प्रक्रिया में भागीदारी बढ़ सकती है। सुरक्षा और अखंडता: मतदाता दमन, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग सिस्टम के साथ छेड़छाड़ और दुष्प्रचार के प्रसार सहित चुनावी धोखाधड़ी का पता लगाने तथा रोकने के लिये -संचालित उपकरणों का उपयोग किया जा सकता है। डेटा में पैटर्न और विसंगतियों का विश्लेषण करके एल्गोरिदम चुनावी प्रक्रिया की अखंडता सुनिश्चित करने में मदद कर सकते हैं। डेटा विश्लेषण: डेटा को विश्लेषण करके मतदाताओं के विचारों और अभिप्रायों का समर्थन करने में मदद कर सकता है। यह पारंपरिक रूप से संभावित चुनावी परिणामों को पूर्वानुमानित करने में मदद कर सकता है।समाज और मीडिया की निगरानी: सोशल मीडिया और अन्य ऑनलाइन स्त्रोतों को मॉनिटर करके व्यक्तियों के विचारों, अभिप्रायों, और रुझानों का अध्ययन कर सकता है। इससे राजनीतिक मुद्दों और ट्रेंडों का पता लगाना और उसका विश्लेषण करना संभव होता है। चुनावी योजना और संगठन: राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को चुनावी योजनाओं को अनुकूलित करने में मदद कर सकता है। यह डेटा विश्लेषण, चुनावी प्रचार, और मतगणना में सहायक हो सकता है। मतदान की सुविधा: मतदान प्रक्रिया को सुधारने और इसे अधिक उपयोगी और अधिक सुरक्षित बनाने में मदद कर सकता है। इसमें वोटर आईडेंटिटी की प्रमाणित करने, वोटिंग के लिए आवश्यक दस्तावेज़ों को जांचने, और वोटिंग प्रक्रिया को सुरक्षित रखने जैसे काम शामिल हो सकते हैं। लेकिन, का इस प्रकार का प्रयोग भी निरंतर विवाद का विषय रहता है। कुछ लोग इसे निजी और सामाजिक न्याय के मामलों में हस्तक्षेप करने का संदेश देते हैं। इसलिए, अधिकांश राष्ट्रों में के उपयोग के लिए सख्त नियम और नियंत्रण होते हैं।

का उपयोग मतदान प्रक्रिया को सुधारने और सुरक्षित बनाने में कई तरीकों से किया जा सकता है। यहाँ कुछ महत्वपूर्ण कदम हैं: वोटर आईडेंटिटी की प्रमाणित करना: सुरक्षित बायोमेट्रिक्स तकनीकों का उपयोग करके वोटरों की पहचान को सुनिश्चित कर सकता है, जैसे कि आईरिस स्कैनिंग या फेस रिकग्निशन। यह गलत या अनुचित वोटिंग को रोक सकता है। सिस्टम में डिजिटल सुरक्षा को मजबूत करना: सिस्टमों को हैकिंग और अनधिकृत पहुंच से बचाने में मदद कर सकता है। इसमें डेटा एन्क्रिप्शन, साइबर सिक्योरिटी सॉफ़्टवेयर, और एंटी-फिशिंग तकनीकों का उपयोग शामिल हो सकता है।डेटा एनालिटिक्स का उपयोग: विश्लेषण क्षमताओं का उपयोग करके वोटरों के अभिप्रायों का विश्लेषण कर सकता है, जिससे राजनीतिक दल और चुनावी अधिकारी वोटरों के मुद्दों और आवश्यकताओं को समझ सकते हैं। वोटिंग प्रक्रिया में ऑटोमेशन: वोटिंग प्रक्रिया को ऑटोमेट करके मतदान की सुविधा बढ़ा सकता है। इसमें स्वचालित वोटिंग मशीनों और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग के तंत्रों का उपयोग शामिल हो सकता है। वोटिंग प्रक्रिया में नेतृत्व: राजनीतिक प्रशासन और वोटिंग प्रक्रिया में नेतृत्व की भूमिका निभा सकता है, जिससे सुनिश्चित हो सकता है कि प्रक्रिया संवेदनशील और निष्पक्ष हो।

ये सभी कदम मिलकर मतदान प्रक्रिया को सुरक्षित, सुविधाजनक, और निष्पक्ष बनाने में मदद कर सकते हैं। लेकिन, इस प्रकार की प्रौद्योगिकी का उपयोग करने से पहले नियमों, नियंत्रणों, और गोपनीयता के मामले पर विचार किया जाना चाहिए

**–प्रो. अशोक कुमार,**
**पूर्व कुलपति कानपुर, गोरखपुर विश्वविद्यालय**

# भ्रमित और बिखरे हुए विपक्ष का हारा हुआ चुनाव



सुरेन्द्र चतुर्वेदी, जयपुर

2024 के आम चुनाव प्रारम्भ होने वाले हैं, पहले चरण का चुनाव 19 अप्रेल को होगा और अब जबकि मतदान होने में तीन दिन बाकी बचे हैं, भाजपा के विपक्षी दल मतदाताओं को यह बता पाने में विफल रहे हैं कि उन्हें वोट क्यों दिया जाए और भाजपा को क्यों नहीं ? दस साल सत्ता से बाहर रहने के बाद भी ये दल भाजपा के खिलाफ एक वैकल्पिक नेतृत्व और कार्ययोजना तक नहीं बना सके। इससे तो यह ही सिद्ध हो रहा है कि विपक्ष सिर्फ खानापूर्ति के लिए ही चुनाव मैदान में है।

इन चुनावों का सबसे मजेदार और रोचक तथ्य यह है कि कथित इंडिया एलांयस में जितने भी दल हैं, सबके अपने अपने घोषणा पत्र हैं। सबकी अपनी अपनी दुनिया है, सबके अपने-अपने सपने और वादे हैं। ऐसा कहीं से नहीं लगता कि विपक्ष एकजुट है और वो भाजपा सरकार के कामकाज के विरोध में एक मजबूत कार्ययोजना को मतदाता के सामने प्रस्तुत कर रहे हैं। वे केवल जातीय वैमनस्यतायुक्त समीकरण, मुस्लिम वोट बैंक के तुष्टिकरण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आलोचना, विदेशों में बैठे भारत विरोधियों की मदद और जांच ऐजेसियों की भ्रष्ट नेताओं के खिलाफ की जा रही कार्यवाही के विरोध में जनता से वोट मांगने जा रहे हैं। इसमें एक रोचक तथ्य यह भी है कि इंडिया एलाएंस अपनी कमजोरी, बौनेपन और नाकामी का श्रेय भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को देते हुए आरोपित कर रहे हैं कि उनके कारण विपक्ष सशक्त नहीं हो पा रहा है।

हां, एक बात जरूर है कि ये सभी दल भारत के मुस्लिम मतदाताओं पर निर्भर हैं, उनका यह मानना है कि भारत के मुस्लिम मतदाता किसी भी और कैसी भी हालत में भारतीय जनता पार्टी के विरोध में उनको ही अपना वोट देंगें। इसी लालच में इन दलों में ना केवल सनातन धर्म परम्परा का मजाक उडाया है अपितु राम जन्मभूमि पर बने मंदिर के लोकार्पण में जाने से भी मना कर दिया।

यह भी रोचक तथ्य है कि भाजपा के दस साल के राज से सर्वाधिक दुखी और त्रस्त कांग्रेस जो स्वयंभू रूप से इस विपक्षी एकजुटता का नेतृत्व कर रही है, वो स्वय भारत के इतिहास में सबसे कम सीटों पर चुनाव लड़ रही है। भारत की संसद में बहुमत के लिए 272 का आंकड़ा जरूरी है और कांग्रेस 278 सीटों पर ही चुनाव लड़ रही है। केवल इसी एक तथ्य से समझा जा सकता है कि भाजपा को सत्ता से बाहर कर देने की विपक्ष की इच्छा कितनी बलवती और प्रभावी है ? इसमें भी विचार करने लायक तथ्य यह है कि उत्तर प्रदेश (80), बिहार (40), पश्चिम बंगाल (42), तमिलनाडू (39) और महाराष्ट्र (48) की 249 सीटों पर कांग्रेस सिर्फ 65 सीटों पर ही चुनाव लड़ रही है। तो क्या कांग्रेस की इस स्थिति को सहयोगी दलों के लिए उसका समर्पण माना जा सकता है? या ये स्थिति यह बता रही है कि कांग्रेस की राजनीतिक जमीन इन राज्यों में खत्म होने की ओर है और यह संभव है कि अगले लोकसभा चुनावों में कांग्रेस इस स्थिति में भी नहीं रहेगी कि उसे कोई अन्य राजनीतिक दल अपने बड़े और प्रभावी राजनीतिक साझीदार के रूप में स्वीकार करे।

राजस्थान जैसे राज्य में जहां कांग्रेस चार महिने पहले तक सत्ता में थी वहां उन्होंने तीन सीटें सीकर, नागौर और बांसवाड़ा समझौते में अन्य दलों को दे दी। इसका अर्थ यह है कि कांग्रेस में वह नैतिक साहस भी नहीं बचा है कि जहां वह अपने बूते चुनाव लड़ सकती थी, वहां पूरी ताकत के साथ चुनाव लड़ती। तो एक नैतिक रूप से पलायन कर चुके विपक्ष के सामने यदि भारतीय जनता पार्टी 370 और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन 400 से अधिक सीटें जीतने का लक्ष्य रखता है तो इसमें किसी आश्चर्य की बात करना राजनीतिक रूप से नासमझी ही कहा जाएगा।

समस्या यह है कि वर्तमान विपक्ष मोदी सरकार की सत्यनिष्ठा, प्रतिबद्धता और प्रमाणिकता की आलोचना भले ही कर ले, पर वो मोदी सरकार को दागदार बता पाने में विफल रहा है। राफेल से लेकर इलैक्ट्रॉल बांड तक जितने भी मुद्दों को लेकर विपक्ष हमलावर हुआ है, वे सब विपक्ष के लिए ही नुकसानदेह साबित हुए हैं। इससे जनता में मोदी सरकार के प्रति ही विश्वास में बढ़ोतरी हुई है।

विपक्ष की यह स्थिति तब तक रहेगी, जब तक अन्य विपक्षी दल कांग्रेस से और कांग्रेस अंतत: गांधी परिवार से अपने आपको मुक्त नहीं कर लेती। असल में गांधी परिवार युक्त कांग्रेस एक अघोषित राजवंश में चापलूसों, राग दरबारियों और षडयंत्रकारियों का समूह भर है, जो बिना सत्ता के रह नहीं पा रहा और उसको किसी भी हालत में सत्ता में वापसी चाहिए। लेकिन उस राजवंश में उन लोगों का कोई स्थान नहीं है, जो राजनीतिक रूप से योग्य और समझदार हों। जो जनता की संवेदनाओं के साथ एकात्म हों। भारतीय राजनीति का यह दौर नए और प्रभावी नेतृत्व के उभार का है। जनता हर उस नेता को मान सम्मान देने के लिए आतुर है, जो उनके बीच का है, उन जैसा है और उनको समझता है। चाहे वो रेवंत रेडडी हों, के अन्नामलाई हों, सचिन पायलेट हों या हेमंत विश्व सरमा ।

यह लेखक के अपने निजी विचार हैं।

**–सुरेन्द्र चतुर्वेदी, जयपुर,**
**सेंटर फॉर मीडिया रिसर्च एंड डवलपमेंट**

## फगड़ा घुड़ला का मेला आज

**जोधपुर,** (कासं)। फगड़ा घुड़ला कमेटी सिटी पुलिस के तत्वावधान में 18 अप्रैल को भोळावणी के दिन फगडा घुड़ला मेला निकाला जाएगा। कमेटी के अध्यक्ष भगवतीलाल शर्मा व सचिव रमेश गांधी ने बताया कि पूर्व की भांति इस बार भी मेला 18 अप्रैल को ओलंपिक रोड से रवाना होकर जालोरी गेट, पुष्टिकर स्कूल, खाण्डा फलसा, आडा बाजार, डागा बाजार, सर्राफा बाजार, मिर्ची बाजार, कपड़ा बाजार, सिटी पुलिस, कटला बाजार होते हुए देर रात्रि में घंटाघर पर विसर्जित होगा। मेले का मुख्य आकर्षण सबसे पीछे कमेटी सदस्य श्लील गायन करते हुए चलेंगे तथा घुड़ला स्त्री के वेश में गहनों से लकदक श्रृंगार करके पुरुष बीच में चलेगा। देर रात्रि में तूरजी के झालरे में घुड़ला विसर्जित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि केवल जोधपुर शहर में गत 57 वर्षो से फगड़ा घुड़ला कमेटी के तत्वावधान में प्रति वर्ष फगड़ा घुड़ला मेला शहर के भीतरी भागों में निकाला जाता रहा है। इस मेले में लोग विभिन्न स्वांग रचकर ट्रैक्टर, जीप, घोड़े व पैदल चलेंगे। साथ ही बैण्ड बाजे विभिन्न गानों पर अपनी स्वर लहरियां बिखेरते हुए साथ चलेंगे।

# 500 साल बाद यह पहली रामनवमी जब रामलला राममंदिर में विराजे : मंजू शर्मा

**जयपुर**, (का.सं.)। भाजपा प्रत्याशी मंजू शर्मा ने आज जयपुर शहर लोकसभा क्षेत्र में विभिन्न समाजों की बैठकों में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने आमजन को रामनवमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि 500 साल बाद यह पहली रामनवमी है जब रामलला अपनी जन्मस्थली अयोध्या में बनाए गए भव्य राममंदिर में विराजे हैं।

प्रदेश प्रवक्ता लक्ष्मीकांत पारीक और मीडिया समन्वयक मुकेश भारद्वाज ने बताया कि भाजपा प्रत्याशी मंजू शर्मा का आज सुबह सांगानेर विधानसभा के मानसरोवर क्षेत्र में विप्र फाउण्डेशन की ओर से आयोजित बैठक में भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा प्रत्याशी मंजू शर्मा ने कहा कि देश को विकसित राष्ट्र बनाने और आने वाले समय में विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को कंधों को मजबूत करना जरूरी है। ब्राह्मण समाज भाजपा की नींव रहा है और समाज का जुडाव पार्टी के साथ ही रहा है। केन्द्र सरकार ने आर्थिक रूप से पिछडों को 10 फीसदी आरक्षण देकर बडी पहल की है। इससे समाज के युवाओं का जीवन स्तर सुधारने में मदद मिलेगी। भाजपा प्रत्याशी मंजू शर्मा ने खोले के हनुमानजी मंदिर में धोबी समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन में शिरकत की और नवविवाहित जोडों को आशीर्वाद दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा ही ऐसी पार्टी है जो समाज के सभी वर्गो को साथ लेकर चलती है। मानसरोवर में आयोजित विप्र फाउण्डेशन की बैठक में सांसद रामचरण बोहरा ने कहा कि राजस्थान में इस बार भी बीजेपी प्रदेश की सभी 25 सीटें भारी मतों से जीतेगी और नरेन्द्र मोदी 400 से ज्यादा सीटों के साथ फिर से प्रधानमंत्री बनेंगे। राजस्थान में डबल इंजन की सरकार लोगों की मंशा के अनुसार काम करेगी। पीएम मोदी की गारंटी ने लोगों को कई सुविधाएं दी हैं। देश विकसित भारत की ओर अग्रसर है। राम मंदिर मोदी के नेतृत्व में संभव हुआ है।

उन्होंने समाज के लोगों से आह्वान किया कि जिस प्रकार पिछले दो चुनावों में भाजपा को प्रचण्ड समर्थन देकर विजयी बनाया है उसी तर्ज पर इस बार भी भाजपा प्रत्याशी मंजू शर्मा को जीत दिलाकर केन्द्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथ मजबूत करने हैं।

इन कार्यक्रमो में भाजपा के शहर पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष व कार्यकारिणी के साथ ही संगठन के मोर्चों विभागों और प्रकोष्ठों के पदाधिकारी व कार्यकर्ता उनके साथ रहे।

रामनवमी के अवसर पर गुरूवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने परिवार सहित कन्याओं का पूजन किया और उन्हें भोज करवाया।

# गाजे-बाजे के साथ नगर भ्रमण को निकले रामलला

श्रीराम कृष्ण जयंती महोत्सव समिति की ओर से रामनवमी पर बुधवार को निकाली गई भगवान श्रीरामचन्द्र जी शोभायात्रा के स्वागत के लिये परकोटे में हजारों लोग उमड़े।

**जयपुर**। चैत्र शुक्ल नवमी को राम लला का प्राकट्योत्सव दोपहर को अभिजीत मुहूर्त में भक्तिभाव से मनाया गया। छोटीकाशी के सभी राम मंदिरों में जन्माभिषेक, पलना झांकी, बधाईगान, महाआरती, भजन संध्या सहित अनेक धार्मिक आयोजन हुए। इसमें बडी संख्या में श्रद्धालओं ने हाजिरी लगाई।

चांदपोल बाजार स्थित मंदिर श्री रामचन्द्रजी में 101 हवाई गर्जना के साथ रामलला की जन्म महाआरती हुई। इससे पूर्व राम दरबार का पंचामृत अभिषेक किया गया। अभिषेक के बाद भक्त समाज ने बधाई के पदों का गान किया। जन्म आरती के बाद बधाई के लड्डू बांटे गए। महंत नरेंद्र तिवाडी ने बताया कि सुबह मंगला आरती से ही ठाकुरजी के मनोरथ शुरू हो गए। मंगला दर्शन में ठाकुरजी को मखमली सुनहरी पोशाक धारण करवाई गई। पंचामृत अभिषेक कर षोडशोपचार पूजन किया गया। अभिषेक के बाद रजवाडी जरदोजी की पोशाक धारण कराकर मोती-माणक के आभूषण से श्री रामलला का शृंगार किया गया। इसमें बलेवारा, मोती कंठी, भुजबंद, तुस्सी, सिरपेच, नथ बेसर, कड़े, तुर्रे, हीरे की माला प्रमुख थे।

वहीं दूसरी ओर श्रीराम कृष्ण जयंती महोत्सव समिति की ओर से निकाली गई भगवान श्रीरामचन्द्र जी शोभायात्रा से छोटीकाशी की चारदीवारी राममय हो गई। भगवान श्रीराम की विभिन्न लीलाओं और रूप की जीवंत और रथ झांकी देखकर श्रद्धालु गदगद हो गए। शोभायात्रा जिधर से गुजरी उधर ही बड़ी संख्या में लोग श्रीराम प्रभु के दर्शनों के लिए उतावले दिखे। जगह-जगह पुष्प वर्षा और आरती कर शोभायात्रा का स्वागत किया गया।

# खाचरियावास ने जयपुर में निकाली राम रथ यात्रा

**जयपुर**, (का.प्र.)। राजस्थान में पहले दौर के 19 अप्रैल को होने वाले मतदान से पहले प्रचार का शोर बुधवार की शाम 6 बजे थम गया। इससे पहले जयपुर शहर लोकसभा में कांग्रेस उम्मीदवार प्रताप सिंह खाचरियावास ने चारदीवारी क्षेत्र में वाहन रैली निकालने के साथ शक्ति प्रदर्शन तो किया ही, साथ ही कांग्रेस की एकता का प्रदर्शन भी किया गया। जहां दोनों विधायकों के साथ सभी विधानसभा क्षेत्र के उम्मीदवार भी वाहन रैली में शामिल हुए। खाचरियावास के समर्थन में निकाली गई यह वाहन रैली, जिसे राम रथ यात्रा का नाम दिया गया, क्योंकि रामनवमी का मौका देते हुए खाचरियावास के इस काफिले में दो रथ बनाए गए थे।

# बारह सीटों पर प्रचार थमा

**जयपुर**, (का.प्र.)। राजस्थान की 12 लोकसभा सीटों पर होने वाले पहले चरण के चुनाव के लिए प्रचार का शोर थम गया है। शाम 6 बजने के साथ ही अब प्रत्याशी सिर्फ दो टू डोर ही प्रचार कर सकेंगे। राज्य निर्वाचन विभाग ने मतदान के अंतिम 48 घंटे के लिए दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। जिसके अनुरूप प्रत्याशी किसी भी तरह के लाउडस्पीकर के साथ में प्रचार नहीं कर सकेंगे। साथ ही जुलूस भी नहीं निकाल सकेंगे। इतना ही नहीं निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन के अनुसार स्टार प्रचारकों को भी लोकसभा क्षेत्र की सीमाओं को छोड़ना होगा।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि राजस्थान में लोकसभा चुनाव 2024 के पहले चरण में मतदान के अंतिम 48 घंटे के लिए चुनाव प्रचार गतिविधियां शाम 6 बजे से थम गई। पहले चरण में गंगानगर, बीकानेर, चूरू, झुंझुनू, सीकर, जयपुर ग्रामीण, जयपुर, अलवर, भरतपुर, करौली-धौलपुर, दौसा और नागौर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में 19 अप्रैल को मतदान होगा। गुप्ता ने बताया कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 126 के अनुसार, इन लोकसभा क्षेत्रों में मतदान की समाप्ति के लिए नियत समय से 48 घंटों की अवधि आज शाम 6 बजे से आरंभ हो गई. ये मतदान समाप्ति अवधि 19 अप्रैल को शाम 6 बजे तक प्रभावी रहेगी।

# नाबालिग का देह शोषण करने वाले अभियुक्त को 20 साल की सजा

**जयपुर**, (का.सं.)। जिले की पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत में 17 साल की नाबालिग पीड़िता को ब्लैकमेल कर उसके साथ करीब सवा दो साल तक देह शोषण करने वाले अभियुक्त राजेंद्र को 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत में 32 वर्षीय इस अभियुक्त पर एक लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक विजया पारीक ने अदालत को बताया कि पीड़िता ने 22 नवंबर 2020 को रेनवाल पुलिस थाने में फिर दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि उसके पापा अक्सर बाहर रहते हैं और मां मजदूरी करने जाती है। ऐसे में वह घर पर अकेली रहती है। इस दौरान पड़ोस में रहने वाला ठेकेदार अभियुक्त उसके घर आता जाता था। अभियुक्त पिछले 2 साल से उससे दोस्ती करने का प्रयास कर रहा था। अप्रैल 2018 में जब वह घर पर अकेली थी तो अभियुक्त उसके घर आया और उसे बड़ा ठेका मिलने की बात कह कर कोल्ड ड्रिंक पिलाई। इसके बाद वह बेहोश हो गई जब उसे होश आया तो अभियुक्त और वह नग्न अवस्था में थे। अभियुक्त ने उसके साथ दुष्कर्म किया था। इस दौरान अभियुक्त ने उसे धमकी दी कि यदि उसने घटना की जानकारी किसी को दी तो वह उसकी अश्लील फोटो वायरल कर देगा। इसके बाद अभियुक्त कई बार उसके घर आया और धमकी देकर दुष्कर्म किया। अंतिम बार अभियुक्त ने 1 अगस्त 2020 को उससे दुष्कर्म किया था।


# BANASTHALI VIDYAPITH

(Notified as Deemed to be University Under Section 3 of the UGC Act)

University for women: University with a difference

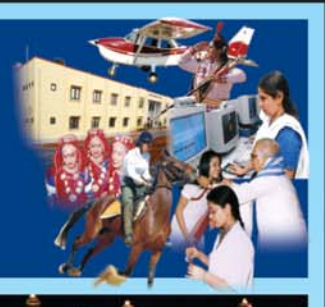

**Banasthali Vidyapith, the world's largest fully residential university for women is NAAC 'A++', the second highest ranked women's university in the world** having more than 15000 students on its 850-acre campus situated amidst rural setting in Rajasthan, having a distinct educational ideology and offering a variety of programmes from nursery up to doctoral level across a wide spectrum of disciplines to prepare enlightened citizens with strong value-base.

## Programmes offered

**ENGINEERING & TECHNOLOGY**
**B.Tech.*** (Comp. Sc.& Engg./Comp. Sc.-Artificial Intelligence/Electronics & Comm./ Electronics & Instru./Electrical & Electronics/Mechatronics/ IT/Biotech./Chemical Engg./Electronics Engg.-VLSI Design and Technology)
**M.Tech.** (Artificial Intelligence)
**M.Tech.** (Computer Science/IT)
**M.Tech.** (Robotics & Automation)
**M.Tech.** (VLSI Design)
**M.Tech.** (Remote Sensing)
**M.Tech.** (Biotechnology)
**M.Tech.** (Chemical Engineering)

**MATHEMATICAL & PHYSICAL SCIENCES**
**B.Sc./B.Sc. Hons./B.Sc. Hons. with Research** (Phy./Chem./Maths/Comp.Sc./Elect./Stats)
**BCA/BCA Hons./BCA Hons. with Research**
**M.Sc.** (Computer Science)
**M.Sc.** (Data Science)
**M.Sc.** (Electronics)
**M.Sc.** (Mathematics/Statistics/Operations Research)
**M.Sc.** (Physics)
**MCA/PGDCA**

**ARCHITECTURE & PLANNING**
**B.Arch.+**

**LAW**
**B.A./BBA/B.Com. LL.B.** (Integrated)
**LL.M.*** (Constitution Law)

**AVIATION**
**B.Sc./B.Sc. Hons.** (Aviation Science)

**LIFE SCIENCES**
**B.Sc./B.Sc. Hons./B.Sc. Hons. with Research** (Chemistry, Zoology, Botany & Microbiology#)
**B.Sc./B.Sc. Hons./B.Sc. Hons. with Research** (Biotechnology)
**B.Pharm.***
**M.Pharm.** (Pharmaceutical Chemistry, Pharmaceutics, Pharmacology)
**M.Sc.** (Chemistry)
**M.Sc.** (Botany) | **M.Sc.** (Zoology)
**M.Sc.** (Biotechnology) | **M.Sc.** (Bioinformatics)
**M.Sc.** (Applied Microbiology & Biotechnology)
**M.Sc.** (Microbiology)#

**EARTH SCIENCES**
**B.Sc./B.Sc. Hons./B.Sc. Hons. with Research** (Geology/Geography)
**M.Sc.** (Geography) | **M.Sc.** (Geology)
**M.Sc.** (Environmental Science)

**MANAGEMENT STUDIES**
**B.Com./B.Com. Hons./B.Com. Hons. with Research**
**BBA/BBA Hons./BBA Hons. with Research**
**M.Com.**
**MBA*** (Business Analytics/Entrepreneurship/HR/ Finance/Marketing/Aviation/Public Policy/Banking and Finance Management)

**FINE ARTS**
**M.A.** Music (Vocal/Sitar), Dance (Kathak/Bharatnatyam), Dramatic Art (Theatre), Drawing and Painting

**DESIGN**
**B.Des.** (Fashion & Lifestyle Design/ Communication Design/Industrial Design)
**M.A.** (Textile Designing) | **M.Des.**

**JOURNALISM & MASS COMMUNICATION**
**B.A./B.A. Hons./B.A. Hons. with Research** (Journalism and Mass Communication)
**M.A.** (Journalism and Mass Communication)

**HUMANITIES & SOCIAL SCIENCES**
**B.A./B.A. Hons./B.A. Hons. with Research** (Hindi, Sanskrit, English, Sociology, History, Maths, Statistics, Applied Statistics, Political Sc., Public Adm., Economics, Management, Music, Dance, Drama & Theatre Art, Drawing & Painting, Home Science, Textile Designing, Computer Application, Geography, Psychology, French#)
**M.A.** (Economics, History, Sociology, Political Sc., Psychology, Geography, Mathematics, Statistics, Operations Research, Hindi, English & Sanskrit)
**Master of Social Work**

**EDUCATION**
**B.A.B.Ed.*, B.Sc.B.Ed.*** (Integrated), **B.Ed., M.Ed.**

**HOME SCIENCE**
**B.Sc./B.Sc. Hons./B.Sc. Hons. with Research** (Home Science)
**B.Sc./B.Sc. Hons./B.Sc. Hons. with Research** (Home Science) Food Science & Nutrition
**M.Sc.** (Home Science) (Human Development/Food Science & Nutrition/Clothing & Textile)

**NURSING**
**B.Sc. Nursing***

*Admission to this course shall be based on merit-cum-aptitude test.

**Foreign/NRI Admissions :** A limited number of seats are available for direct admission of Foreign/NRI students in select courses.
**Ph.D. :** Visit the University website for further details.

Toll Free 1800-270-5855

Admission 2024-25
Scan to explore for detailed information

#Subject to approval
+JEE-2 & NATA qualified

LAST DATE FOR APPLICATION
**30 April, 2024**

## SCHOOL EDUCATION DIVISION

New admissions shall be made only to classes VI*, IX* & XI Arts/Science(Maths/Bio)/Commerce.

For admission enquiry: 9116624101, 9352878388
Email: school_admissions@banasthali.in

**Enquiries can be made at**
- **For general enquiry:** 9352879844, 9352879855, 9352879866
- **For UG/PG Admissions:**

9116624102 (Engineering & Technology)
9116624103 (Mathematical & Physical Sciences)
9116624104 (Life Science, Aviation, Earth Sc.)
9116624105 (Law & Management Studies)
9352879847 (Humanities, Social Sc., Home Sc.)
9352803156 (Design, Architecture, Fine Arts, Education & Nursing)
Email: ug_admissions@banasthali.in; pg_admissions@banasthali.in

**How to Apply**

For each programme a separate application is required through either:

**Option 1 :** Online submission of application at the University's website:
**http://www.banasthali.org**
**or**
**Option 2 :** Send a DD for Pre-application fee of Rs. 1000/- in favour of **"Banasthali Vidyapith"** Payable at Banasthali/Jaipur to: **Secretary-Banasthali Vidyapith, P.O. Banasthali Vidyapith-304022 (Raj.)**

Scan to explore

**BANASTHALI VIDYAPITH**
P.O. Banasthali Vidyapith (Raj.) 304022 • Phone : 01438-228384, 228990
Mob.: +91-9352879844, 9352879855, 9352879866 • Email : admissions@banasthali.in
Visit us at **http://www.banasthali.org**
Connect with us on www.facebook.com/banasthali.org
Connect with us on www.instagram.com/banasthali_vidyapith_official

NAAC 'A++' 3.63
THE WORLD UNIVERSITY RANKINGS 2024
nirf All India Rank
QS UNIVERSITY RANKINGS ASIA

# श्रीराम की शोभायात्रा में सीएम भजनलाल शर्मा ने पुष्पवर्षा की

## मुख्यमंत्री ने सरदारशहर में रामनवमी शोभायात्रा में शिरकत की

**जयपुर/सरदारशहर,** (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बुधवार को चुरू जिले के सरदारशहर में भव्य विशाल रामनवमी शोभायात्रा में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने भव्य झांकियों के दर्शन किए और केसरिया पहने श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा कर रामनवमी की शुभकामनाएं दीं। शर्मा ने जय राम के नारे लगाकर भगवा रैली में शामिल हजारों श्रद्धालुओं का उत्साहवर्धन भी किया।

मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 500 साल बाद यह पहली रामनवमी आई है, जब रामलला अयोध्या में भव्य एवं दिव्य राममंदिर में विराजमान हैं। उन्होंने कहा कि इस बार भी बीजेपी प्रदेश की सभी 25 सीटें भारी मतों से जीतेगी और नरेन्द्र मोदी 400 से ज्यादा सीटों के साथ फिर से प्रधानमंत्री बनेंगे।

इससे पूर्व मुख्यमंत्री ने जयपुर स्थित निजी आवास पर चैत्र नवरात्रि के नवम दिवस महानवमी के शुभ अवसर पर कन्या पूजन कर आशीर्वाद लिया। उन्होंने कहा कि मां भगवती के नवरूपों की आराधना का यह पर्व नारी शक्ति और कन्याओं के सम्मान का भी पर्व है। उन्होंने शक्ति स्वरूपा जगदम्बा का आशीर्वाद प्रदेश के सभी परिवारजनों पर बने रहने की कामना की। गांधीचौक में शोभायात्रा का मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया व राम भक्तों का अभिवादन किया। पूरे बाजार में जगह-जगह तोरण द्वार बनाकर शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया गया वहीं व्यापारियों द्वारा पुष्प वर्षा की गई व जगह-जगह पर ठंडे पेय जल पदार्थ की व्यवस्था भी सामाजिक संस्थाओं द्वारा की गई। राम स्तुति एवं प्रभु श्रीराम की महाआरती के बाद कार्यक्रम का समापन हुआ। शोभायात्रा में प्रभु श्रीराम लला की झांकी, राम मंदिर की प्रतिकृति की झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। साथ ही सभी श्रद्धालुओं को धाम से आया हुआ प्रसाद का वितरण किया गया। महिलाओं की एक विशेष गणवेश का दल भी शोभायात्रा का आकर्षण था।

शोभायात्रा में शौर्य चक्र विजेता मेजर पवनकुमार खीचड़, लोकसभा भाजपा प्रत्याशी देवेंद्र झाझरिया ,कांग्रेस लोकसभा प्रत्याशी राहुल कस्वां, पूर्व मंत्री राजकुमार रिणवां, विधायक पंडित अनिल भंवरलाल शर्मा, प्रधान प्रतिनिधि मधुसूदन राजपुरोहित, युवा नेता विकास रिणवां, सभापति राजकरण चोधरी, पूर्व पालिका अध्यक्ष रतनगढ़ लिटू कल्पनाकांत, पूर्वपालिका उपाअध्यक्ष मुरलीधर सैनी, डॉक्टर बनवारीलाल शर्मा, सुरेश वर्मा, ओमप्रकाश जोशी, मदन ओझा ,सुभाष सोनगरा, राकेश इंदोरिया ,अशोक केशरा,प्रतिपक्ष नेता राजेश पारीक, सुबोध सेठिया, हंसराज सिद्ध, मुकेश सैनी, एडवोकेट पवन सैनी, सहित अनेकों राम भक्त उपस्थित थे।

सरदारशहर में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा रामनवमी शोभायात्रा में शामिल हुए। इस अवसर पर भाजपा प्रत्याशी देवेन्द्र झाझरिया, विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड के अध्यक्ष रामगोपाल सुथार, पूर्व मंत्री राजकुमार रिणवां, पूर्व विधायक अशोक पींचा सहित गणमान्य एवं प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

## फोटो वायरल करने की धमकी देकर पैसे मांगे

**सादुलपुर,** (निसं)। फोन से डाटा चोरी कर उसकी एडिटिंग कर वायरल करने की धमकी देकर पैसे मांगने तथा बार-बार फोन कर सैनिक की पत्नी को प्रताड़ित करने के आरोप में राजगढ थाना पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

थाना अधिकारी पुष्पेंद्र सिंह झाझडिया ने बताया कि गांव राजगढ थानान्तर्गत एक गांव निवासी एक सैनिक ने मामला दर्ज करवाकर बताया कि वह सेना में नौकरी करता है। तथा उसकी पत्नी ने भैंस को बेचने के लिए अपने मोबाइल नंबर से अपनी भैंस की एनिमल ऐप पर फोटो डाली थी। तब उसकी पत्नी के फोन पर मनीष गोस्वामी नाम के लड़के का फोन आया और कहा कि मुझे भैंस पसंद है मुझे आपकी भैंस खरीदनी है। यह बात कहकर दो-तीन दिन बाद आरोपी मनीष उसके घर आया तथा उसकी पत्नी को कहा कि उसके फोन का कैमरा खराब है, आप अपना फोन दे दे, मुझे भैंस की वीडियो बनाकर घर भेजनी है। तब उसकी पत्नी ने अपना फोन आरोपी मनीष को दे दिया। मनीष ने वीडियो बनाने के बहाने से उसकी पत्नी के मोबाइल से सारा डाटा, वीडियो, फोटो व कांटेक्ट नंबर आदि अपने फोन में ट्रांसफर कर लिए तथा उसकी पत्नी की फोटो एडिट कर अश्लील फोटो बनाया तथा उसकी पत्नी को भेजकर कहा कि मैं इनको वायरल कर दूंगा नहीं तो मुझे पैसा भेजो या मेरे से बात करो, मेरे से संबंध बनाओ, जिस पर उसकी पत्नी ने बदनामी के डर से एक बार दस हजार रुपए प्रमोद नामक व्यक्ति के नंबर पर डलवाए। बार-बार फोन करके बुलाने की बात कहने लगा, तब उसकी पत्नी ने उसके नंबर को ब्लॉक कर दिया तो मनीष ने उसे फोन करके कहा कि मेरे पास तेरी पत्नी की एडिटिंग की हुई अश्लील फोटो है, मुझे पैसे भेजो वरना मैं तेरी पत्नी की फोटो वायरल कर दूंगा। राजगढ़ थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

# 5 साल की बच्ची के पेट से निकाले 400 ग्राम बाल

जिला चिकित्सालय में एक बच्ची के पेट से बालों का गुच्छा निकाल जीवनदान दिया।

**डूंगरपुर,** (निसं)। पांच साल की मासूम के पेट से डॉक्टरों ने बालों का गुच्छा निकाला है। ट्राइको बेजार बीमारी से पीड़ित बच्ची खुद के बाल खा रही थी। इससे उसके पेट में बालों का गुच्छा बन गया था। पेट दर्द और भूख नहीं लगने की शिकायत पर परिजन उसे डूंगरपुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाए। बुधवार को 9 डॉक्टरों की टीम ने 40 मिनट तक ऑपरेशन कर बच्ची के पेट से 350 से 400 ग्राम बालों का गुच्छा निकालकर उसकी जान बचाई।

- आंतों तक फैला था गुच्छा, 9 डॉक्टरों की टीम ने किया ऑपरेशन
- ट्राइको बेजार बीमारी से पीड़ित बच्ची खुद के बाल खा रही थी

मेडिकल कॉलेज अस्पताल के अधीक्षक डॉ. महेंद्र डामोर ने बताया, 16 अप्रेल की रात के समय खडगदा गांव की एक 5 साल की बच्ची को लेकर उसके माता-पिता अस्पताल पहुंचे। माता-पिता ने बताया कि बच्ची को भूख नहीं लगती है। पेट में सूजन है और खाने-पीने में तकलीफ होती है। वरिष्ठ सर्जन डॉ. सुषमा यादव ने बच्ची की जांच करवाई, जिसमें बच्ची के पेट में बालों का गुच्छा होने का पता लगा। इस पर बच्ची को भर्ती कर लिया। बुधवार को ऑपरेशन करना तय किया।

डॉ. महेंद्र डामोर, डॉ. सुषमा, डॉ. अर्जुन खराडी, डॉ. रजत यादव, डॉ. सुहानी गडिया, डॉ. विनिता गोदा, डॉ. अमित जैन, डॉ. कुश, डॉ. कमला के साथ पुष्पा कटारा, जावेद, माया की टीम ने बुधवार को ऑपरेशन किया।

डॉ. सुषमा ने बताया बाल खाने की आदत खासकर यूथ महिलाओं में होती है। छोटे बच्चों में ये आदत बहुत कम होती है। इसे ट्राइकोबेजार बीमारी कहते हैं। इसके बाद पेट में ये बाल गुच्छे की तरह जमा हो जाते हैं। इससे खाने-पीने की क्षमता खत्म हो जाती है। ऑपरेशन के बाद बच्ची की तबीयत अब ठीक है।

# श्रद्धालुओं पर टूट पड़ी मधुमक्खियां, एक दर्जन घायल

## कुलोदय दुर्गा माता मंदिर में मधुमक्खियों का हमला

**झुंझुनूं,** (निसं)। जिला मुख्यालय के साथ लगते कुलोद कलां गांव में स्थित श्री कुलोदय दुर्गा मंदिर में श्रद्धालुओं पर मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। जिसमें सोती गांव के एक ही परिवार के सदस्यों के साथ-साथ एक दर्जन के करीब श्रद्धालु घायल हो गए।

सोती निवासी नंदकुमार का परिवार बुधवार दोपहर में अपने गांव से कुलोद कलां स्थित श्रीकुलोदय दुर्गा माता मंदिर में जात लगाने गए थे। जैसे ही मंदिर के मुख्य द्वार पर पहुंचे तो मधुमक्खियां उन पर टूट पड़ी। सोती परिवार के इन सदस्यों के अलावा अन्य मौजूद श्रद्धालुओं ने बचने की कोशिश की और इधर-उधर भागकर अपनी जान बचाई। फिर भी मधुमक्खियों के हमले से एक दर्जन श्रद्धालु चपेट में आ गए। इनमें से सोती से गए परिवार के चार सदस्यों को झुंझुनूं के बीडीके अस्पताल भर्ती करवाया गया है। इनमें सोती निवासी विक्रम सिंह, अंकिता, मितांश के अलावा नरसिंहपुरा निवासी कुलदीप शामिल है। घायलों को एंबुलेंस द्वारा बीडीके अस्पताल पहुंचाया गया। इधर बीडीके अस्पताल में चिकित्सकों ने घायलों का इलाज शुरू कर दिया गया हैं।

# जमीन धंसने से 150 फीट चौड़ा गड्ढा बना

**लूणकरनसर,** (निसं)। तहसील के सहजरासर गांव की रोही में रात को अचानक जमीन धंसने से एक बड़ा गहरा गड्ढा बन गया है। मौके पर पहुंचे पुलिस व प्रशासन के अधिकारियों ने जायजा लेते हुए सुरक्षा की दृष्टि से इस क्षेत्र में आवागमन को रोक दिया है। जमीन धंसने से 150 से 200 फीट लम्बा-चौड़ा तथा 70-80 फीट गहरा गड्ढा हो गया। जमीन धंसने के साथ ही करीब 50-60 फीट तक सड़क भी जमींदोज हो गई है। इससे सड़क से आवागमन बाधित हो गया है।

ढाणी भोपालाराम से सहजरासर धंसने के मामले को लेकर भूगर्भ विभाग की टीम ने भी मौके पर पहुंचकर जायजा लिया, लेकिन जमीन धंसने का कारण पता नहीं चला है।

जानकारी के मुताबिक देर रात करीब तीन बजे ढाणी भोपालाराम से सहजरासर गांव जाने वाली सड़क पर सहजरासर गांव की रोही में जगूनाथ के खेत में अचानक जमीन धंस गई। जमीन धंसने से बने गड्ढे से सड़क गायब हो गई। इस दौरान रात करीब तीन बजे खारड़ा गांव के लोग जीप में लूणकरनसर से अपने गांव जा रहे थे। जीप एकदम गहरे गड्ढे के किनारे ही रुकने से हादसा टल गया। इसके बाद ग्रामीणों ने पास के गांव के लोगों को बुलाकर जीप को गड्ढे से दूर किया। हालांकि इससे पहले रात ढाई बजे एक ट्रक इस रोड से आया था। तब जमीन धंसी हुई नहीं थी।

- भूगर्भ विभाग की टीम ने भी मौके पर पहुंचकर जायजा लिया

जमीन धंसने की सूचना मिलने पर उपखण्ड अधिकारी राजेन्द्र कुमार, पुलिस वृत्ताधिकारी नरेन्द्र पूनिया, कालू थानाधिकारी धर्मवीर, एएसआइ रामनिवास मीणा समेत जनप्रतिनिधि मौके पर पहुंचे। जमीन धंसने से कौतूहल की स्थिति बनी हुई है तथा बड़ी तादाद में लोग गढ्डे को देखने के लिए दिनभर पहुंच रहे थे। लोगों को रोकने के लिए पुलिस जाब्ता लगाया गया।

सहजरासर गांव की रोही में जमीन धंसने की सूचना मिलने के बाद भूगर्भ विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची है। वरिष्ठ भू-वैज्ञानिक मनोहरलाल राठौड़, वरिष्ठ भू-वैज्ञानिक हकीम व सार्वजनिक निर्माण विभाग के कनिष्ठ अभियंता सौरभ भाटी ने घटना स्थल पर जायजा लिया है। टीम को अभी तक जमीन धंसने का पता नहीं चला है। जांच के बाद स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। प्रशासन के अनुसार प्रथम दृष्टया भू-वैज्ञानिकों ने इस जगह को करीब 100 साल से ज्यादा गैर आबाद बताया है तथा जमीन नीचे से खोखली होने या पानी का बहाव क्षेत्र होने से धंसने का अनुमान लगाया जा रहा है। जमीन धंसने से खेत में खड़े खेजड़ी के पेड़ जमींदोज हो गए है तथा कई पेड़ टेडे-मेढ़े खड़े दिखाई दे रहे है।

सहजरासर गांव के पास एक खेत में जमीन धंसने के मामले को लेकर ग्रामीणों ने बताया कि इस जगह करीब सौ साल पहले आकाशीय बिजली गिरी थी। इसी कारण इस जगह को लेकर आम बोचचाल में बिजल खाड के नाम से पुकारते है। ग्रामीणों ने बताया कि इस जगह पिछले कई साल से एक-दो फीट जगह धीरे-धीरे धंसती आ रही है। इससे इस जगह सड़क भी हर साल क्षतिग्रस्त होती थी।

# 107 वर्षीया राधीबाई ने मतदान किया

**उदयपुर,** (निसं)। लोकसभा आम चुनाव-2024 के दूसरे चरण के तहत चल रही होम वोटिंग में वरिष्ठ नागरिक और दिव्यांगजन पूरे उत्साह से सहभागिता निभा रहे हैं। होम वोटिंग टीमें भी भीषण गर्मी और भौगोलिक विषमता सहित तमाम चुनौतियों को पार कर अपने दायित्वों का पूर्ण मनोयोग से निर्वहन कर रहे हैं।

होम वोटिंग का प्रथम चरण 14 अप्रेल से प्रारंभ हुआ। जिले में गठित 70 मतदान दल प्रतिनिधि अपने आवंटित क्षेत्र में चिन्हित मतदाताओं के घर-घर पहुंच कर मतदान करा रहे हैं। इसी क्रम में बुधवार को मावली विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत मांगथला में मतदान दल ने 107 वर्षीया राधीबाई पत्नी प्यारचंद के घर पहुंच कर उनसे डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान कराया। घर बैठे वोट करने की सुविधा मिलने पर राधीबाई के चेहरे पर खुशा झलक रही थी।

उन्होंने जिला प्रशासन और चुनाव आयोग का आभार व्यक्त किया। राधीबाई ने मतदान दल को बताया कि देश की आजादी के बाद हुए पहले चुनाव में भी उसे मताधिकार का उपयोग किया था। वहीं इसके बाद जब-जब भी चुनाव हुए उसने हमेशा वोटिंग की है। उम्र के इस पड़ाव पर आने के बावजूद मतदान के प्रति उनके उत्साह को देखकर मतदान दल भी आश्चर्यचकित हुआ और लोकतंत्र के प्रति आस्था की प्रशंसा की।

107 वर्ष की आयु में राधीबाई को होम वोटिंग के तहत मतदान कराने पहुंची टीम।

## किसान की मौत

**भीलवाड़ा,** (निसं)। खेत पर दवा छिड़काव के दौरान दवाई शरीर में जाने से किसान की हालत बिगड़ गई। किसान की तबीयत बिगड़ने का पता उसके छोटे भाई को दोपहर बाद लगा जब वो अपने बड़े भाई को ढूंढने के लिए उसे खेत पर गया और वहां उसे बेहोश हालत में देखा। भाई उसे पहले कस्बे के हॉस्पिटल में इलाज के लिए लेकर आया और यहां से उसे भीलवाड़ा महात्मा गांधी हॉस्पिटल में रेफर किया गया जहां आज सुबह इलाज के दौरान किसान की मौत हो गई। मामला बीगोद थाना क्षेत्र का है। थाना क्षेत्र में किरों की झोपड़िया में रहने वाला शंकर पिता भोजा भील (35) मंगलवार को मिर्ची की फसल में दवा का छिड़काव करने गया था । दोपहर बाद तक भी जब वो घर नहीं लौटा तो उसका छोटा भाई मदन उसे ढूंढने खेतों की ओर गया, वहां उसे शंकर बेहोश हालत में मिला। मदन बेहोश भाई को तुरंत इलाज के लिए बीगोद हॉस्पिटल लेकर पहुंचा और यहां हालत बिगड़ने के बाद उसे भीलवाड़ा महात्मा गांधी हॉस्पिटल में रेफर किया गया , जहां आज सुबह इलाज के दौरान शंकर की मौत हो गई।

# आईएएस बनकर जोधपुर लौटने पर कृष्णा का जोरदार स्वागत

**जोधपुर,** (कासं)। सिर्फ 22 साल की उम्र में पूरे देश में सूर्यनगरी का नाम रोशन करने वाली कृष्णा जोशी आज दिल्ली से जोधपुर लौटी। इस दौरान उनके परिजनों, समाज व अन्य लोगों ने जोरदार स्वागत किया। कृष्णा पहले प्रयास में ही 73वीं रैंक के साथ आईएएस बनीं है। इस साल के यूपीएससी के परिणाम में छात्राओं में कृष्णा संभवत: सबसे कम उम्र की आईएएस हैं।

बचपन से ही आईएएस बनने का ख्वाब संजोए कृष्णा ने जुनून के साथ लगातार 18 घंटे की पढ़ाई कर पहले प्रयास में ही सफलता हासिल की है। कृष्णा ने तैयारी के दौरान सोशल मीडिया से तो दूरी बनाए ही रखी, दो साल से माता-पिता व परिवारजनों से भी दिनभर में केवल खाने के समय 15 मिनट बातचीत करती थी। कृष्णा की 12वीं तक की पढ़ाई जोधपुर के एक निजी स्कूल में हुई थी। कृष्णा बचपन से ही आईएएस बनना चाहती थी। वो पढ़ाई में हमेशा से मेधावी थी। दिल्ली के लेडी श्रीराम कॉलेज से अंग्रेजी में ऑनर्स किया। यहां उसने गोल्ड मैडल हासिल किया था। वह दो साल से तो घर ही नहीं आई और ना ही किसी फंक्शन में हिस्सा लिया।

आईएएस बनकर लौटी कृष्णा जोशी का लोगों ने स्वागत किया।

# अमित शाह कल उदयपुर में रोड शो करेंगे

**उदयपुर,** (निसं)। भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह शुक्रवार को उदयपुर में आएंगे। वे यहां भाजपा प्रत्याशी मन्नालाल रावत के समर्थन में रोड़ शो करेंगे। शाह के कार्यक्रम को लेकर व्यवस्थाओं के निमित्त बुधवार को जिला अध्यक्ष रवीन्द्र श्रीमाली की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई जिसमें रोड़ शो की रूपरेखा तैयार की गई।

लोकसभा संयोजक प्रमोद सामर ने प्राथमिक जानकारी देते हुए बताया कि अमित शाह 19 अप्रेल शाम 6 बजे उदयपुर में अपना रोड़ शो करेंगे। यह रोड़ शो देहलीगेट से शुरू होकर बापूबाजार, सूरजपोल होते हुए अस्थल मंदिर पर सम्पन्न होगा।

जिलाध्यक्ष रवींद्र श्रीमाली ने बताया कि उन्होंने स्वयं प्रशासनिक अधिकारियों से चर्चा कर मार्ग तय किया वह सभी पदाधिकारियों को बताया।

- भाजपा प्रत्याशी मन्नालाल रावत के समर्थन में रोड शो करेंगे

उन्होंने प्रदेश जिला एवं मंडल व मोर्चा के पदाधिकारी को रोड शो की व्यवस्था के संबंध में दायित्व दिए। रोड़ शो के मार्ग में संस्कृतिक व सामाजिक झांकियां, पारंपरिक नृत्य एवम अन्य आकर्षक प्रस्तुतियों की भी व्यवस्था की जाएगी ताकि रोड शो का जनमानस में अनुकूल प्रभाव पड़े। बैठक को शहर विधायक ताराचंद जैन, उप महापौर पारस सिंघवी ने भी संबोधित किया। भाजपा मीडिया संभाग प्रभारी चंचल अग्रवाल ने बताया कि बैठक में छोगालाल भोई, प्रेम सिंह शक्तावत, अशोक आमेटा, भरत जोशी ने भी सुझाव प्रदान किये।

# अबकी बार 400 पार के नारे से बौखलाया इंडी गठबंधन जमानत बचाने के लिए फैला रहा झूठ : कैलाश मेघवाल

**जयपुर,** (कासं)। भाजपा एससी मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष कैलाश मेघवाल ने प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि इंडी गठबंधन पूरी तरह हताश निराश होकर अंतर्कलह से झूझ रहा है। देश के सबसे लोकप्रिय नेता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अबकी बार 400 पार वाले नारे से घबराकर इंडी गठबंधन ने एक झूठ फैलाना शुरू कर दिया कि भाजपा सत्ता में आने के बाद संविधान को बदलकर आरक्षण खत्म करेगी।

इंडी गठबंधन अपनी जमानत बचाने के चक्कर में एससी-एसटी वर्ग को गुमराह कर रहा है। देश की जनता को पता है पिछले दस सालों में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में दलितों के हित में ऐतिहासिक कार्य हुए हैं। वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद में खुद यह कहा था कि जब तक भाजपा सत्ता में है आरक्षण से किसी प्रकार की छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं होगी। एससी मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष कैलाश मेघवाल ने कहा कि कांग्रेस हमेशा दलित विरोधी और बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के खिलाफ रही है।

संविधान निर्माण के समय जब बाबा साहब ने आरक्षण का प्रावधान लागू किया तो कांग्रेस ने आरक्षण का विरोध किया। वहीं आरक्षण में दस साल बाद समाप्त करने और समीक्षा करने जैसे अडंगे लगाए। 27 जून 1961 को तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने देश के सभी मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखकर सरकारी भर्तियों में आरक्षण समाप्त करने की बात कही थी। मुख्यमंत्रियों द्वारा विरोध करने पर उन्हे अपनी गलती का पता चला। इंदिरा साहनी बनाम भारत संघ के लीडिंग केस के माध्यम से आरक्षण को कमजोर करने का प्रयास कांग्रेस सरकार के समय किया गया था, लेकिन अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने तीन नये संसोधन करके एससी-एसटी और ओबीसी वर्ग के आरक्षण को मजबूत करने का काम किया।

- 'आरक्षण और संविधान खत्म करने के नाम पर अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग को गुमराह करने वाली कांग्रेस ने हमेशा आरक्षण का विरोध किया'
- 'प्रधानमंत्री मोदी ने बाबा साहब की स्मृति में पंच तीर्थ नाम से लंदन और भारत में भव्य स्मारक बनवाए'

एससी मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष कैलाश मेघवाल ने कहा कि देश में पहली बार जब आम चुनाव हुए तो कांग्रेस ने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के खिलाफ प्रचार किया था। वहीं 1954 में महाराष्ट्र के भंडारा में हुए उपचुनाव में भी कांग्रेस के नेताओं ने बाबा साहब को हराने के लिए पूरी ताकत लगाई और उन्हे चुनाव हरा दिया। इससे आहत होकर बाबा साहब अवसाद में चले गये और 06 दिसंबर 1956 को उनका निधन हो गया। डॉ. भीमराव अंबेडकर के जीते जी कांग्रेस ने उन्हे भारत रतन नहीं देने दिया, इसके बाद वीपी सिंह की सरकार आने के बाद अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवानी की सिफारिश पर बाबा साहब को भारत रतन से नवाजा गया।

कांग्रेस ने कभी भी बाबा साहब की स्मृतियों से जुड़े स्थानों को महत्व नहीं दिया। वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पंच तीर्थ नाम से बाबा साहब के जन्म स्थान महु पर भव्य स्मारक निर्माण कराया, शिक्षा स्थल10 किंग्स हेनरी रोड लंदन, नागपुर, 26 अलीपुर रोड दिल्ली पर राष्ट्रीय स्मारक और दादर मुंबई पर बाबा साहब का भव्य स्मारक बनाया है। 200 करोड की लागत से जनपथ दिल्ली में विशाल इंटरनेशनल एक्सीलेंस सेटर निर्माणाधीन है। इसके साथ ही 400 करोड की लागत से मुंबई में 7.04 हैक्टेयर जमीन पर बाबा साहब का भव्य स्मारक बनाया जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2014 में शपथ लेते समय कहा था कि समाज कें अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति का सर्वांगीण विकास ही मोदी की जिम्मेदारी है। विकसित भारत 2047 के लिए भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का यही विजन है। प्रेसवार्ता के दौरान मंच पर एससी मोर्चा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सतीश चंदेल, मोर्चा के महामंत्री मुकेश गर्ग और प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ मौजूद रहे।

# इंजीनियर्स व ठेकेदार की मनमानी के कारण करधनी में 2 साल बेवजह अटकी रही सड़क

## टैंडर की शर्तों के मुताबिक दिसंबर 2021 में सड़क निर्माण शुरू कर जून-2022 तक काम पूरा करना था, दो वर्ष की इस लेटलतीफी का खामियाजा जनता ने भुगता

-कार्यालय संवाददाता-

**जयपुर** । करधनी क्षेत्र में सड़क निर्माण को लेकर मजेदार तथ्य सामने आये हैं। जयपुर विकास प्राधिकरण ने करीब 2 करोड़ रु. की लागत से सड़क बनाने का कम वर्ष 2021 में ही मैसर्स गोकुलनाथ कंस्ट्रक्शंस कंपनी को दे दिया था। ठेकेदार को 18 दिसंबर 2021 को सड़क निर्माण कार्य शुरू करवाकर उसे 17 जून 2022 तक पूरा करना था। इसके बाद 3 वर्ष तक सड़क का मेंटीनेंस करना था।

सूत्रों की मानें तो ठेकेदार फर्म ने करधनी क्षेत्र में यह सड़क बिना वजह करीब 2 वर्ष तक अटकाये रखी, इसके बावजूद जे.डी.ए. के इंजीनियर्स ने ना तो ठेकेदार को कोई नोटिस थमाया और ना ही ब्लैक लिस्टेड करने जैसी कार्रवाई की। अब करीब सवा 2 साल बाद उसी पुराने वर्क ऑर्डर पर करधनी क्षेत्र में डामर की सड़कें बनाई गई है। हालांकि दो वर्ष में डामर की कीमतों में वृद्धि के कारण जे.डी.ए. को करीब एक करोड़ रु. का एक्सलेशन चार्ज भी देना पड़ेगा। जो कि डामर की कीमत में अंतर के कारण आया है।

उधर जे.डी.ए. के इंजीनियर्स का कहना है कि करधनी क्षेत्र में गत वर्ष जलदाय विभाग और टोरेंट गैस कंपनी ने रोड कट किया था, इस कारण यह सड़क हमने अब बनाई है। जबकि हकीकत यह है कि सड़क निर्माण का कार्य तो मैसर्स गोकुलनाथ कंस्ट्रक्शंस को दिसंबर-2021 में ही शुरू करना था। ऐसे में गत वर्ष के रोड कट का तो इस पर कोई प्रभाव ही नहीं पडना था।

सूत्रों की मानें तो जे.डी.ए. के इंजीनियर्स और ठेकेदार फर्म ने जान-बूझकर सवा 2 साल बाद सड़क निर्माण इसलिए शुरू किया है, ताकि उसे 3 वर्ष के लंबे मेंटीनेंस की जिम्मेदारी नहीं लेनी पड़े। क्योंकि जे.डी.ए. प्रशासन ने करधनी क्षेत्र में इस सड़क निर्माण प्रोजेक्ट को लेकर जो सूचना बोर्ड लगाए हैं, उस पर साफ अंकित है कि करधनी क्षेत्र में सड़कों के नवीनीकरण का काम 18 दिसंबर 2021 को शुरू होना है और 17 जून 2022 को सड़क निर्माण का कार्य पूर्ण होगा। सड़क बनने के बाद 3 वर्ष तक यानि कि जून-2022 से लकर जून-2025 तक ठेकेदार फर्म इस सड़क में होने वाली टूट-फूट का रखरखाव करेगा। चूंकि अब यह सड़क मार्च-अप्रैल 2024 में बनी है तो इसके रखरखाव का जिम्मा वर्ष 2027 तक का होना चाहिए। चूंकि जे.डी.ए. ने करधनी क्षेत्र में 2 वर्ष पुरानी तारीख में ही सड़क निर्माण प्रोजेक्ट के बोर्ड लगवा दिए, ताकि लोगों को लगे कि सड़क का मेंटीनेंस वर्क सिर्फ जून-2025 तक का ही रहेगा।

स्थानीय लोगों की मानें तो करधनी क्षेत्र में हाल ही में बनाई गई सड़क की गुणवत्ता भी सही नहीं है। डामर की मोटाई भी कम है। डामर की मोटाई कम होने से सड़क फिर से बिखरने का खतरा बना हुआ है।

वहीं दूसरी ओर जोन-7 के सहायक अभियंता का कहना है कि हमने सड़क की जांच की है, उसकी गुणवत्ता ठीक है। एम.एन.आई.टी. से थर्ड पार्टी जांच भी करायी है।

- इंजीनियर्स ने करीब सवा 2 वर्ष पुराने वर्क ऑर्डर पर मैसर्स गोकुलनाथ कंस्ट्रक्शन कंपनी से सड़क अब बनवाई हैं, लेटलतीफी पर ना तो फर्म को नोटिस थमाया और ना ही ब्लैकलिस्टेड किया
- अब इंजीनियर्स अपनी गलती पर पर्दा डालने के लिए कह रहे हैं कि, गत वर्ष करधनी में जलदाय विभाग और टोरेंट गैस कंपनी ने रोड कट ले लिया था, इस कारण हमने सड़क नहीं बनाई
- सूत्रों की मानें तो करधनी क्षेत्र में जे.डी.ए. ने बाकायदा बोर्ड लगाकर सड़क निर्माण कार्य शुरू और खत्म करने की तारीख दो वर्ष पूर्व की लगा रखी है, ठेकेदार को 3 वर्ष सड़क का मेंटीनेंस करना है, इसलिए जानबूझकर यह काम देरी से शुरू हुआ

# भांकरोटा थाने के पुलिसकर्मियों ने बेटे के सामने उसके सी.ए. पिता को पीटा

## बुजुर्ग महिला के साथ भी की हाथापाई; 4 लोगों को किया गिरफ्तार

**जयपुर** (कासं)। राजधानी जयपुर में पुलिसकर्मियों का अमानवीय चेहरा सामने आया है। पुलिसकर्मियों ने एक सीए को उसके बेटे के सामने बुरी तरह से पीटा। पिता को छुडाने के लिए बच्चे ने पुलिसकर्मियों के पैर तक पकड़ लिए, लेकिन पुलिसकर्मियों का दिल नहीं पसीजा और सीए को बुरी तरह पीटते रहे। घटना भांकटरोटा क्षेत्र के जयसिंहपुरा की है। पुलिसकर्मियों की मारपीट में सीए गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस परिवार के 4 लोगों को गिरफ्तार कर थाने ले गई। यहां तक कि परिवार की महिलाओं से भी हाथापाई की गई है।

जानकारी के अनुसार जयसिंहपुरा निवासी चिरंजीलाल (35) सीए है। एक प्राइवेट कंपनी में काम करता है। चिरंजीलाल की शादी 9 साल पहले डिंपल के साथ हुई थी। दंपती के बीच 1 साल से विवाद चल रहा है। मंगलवार को डिंपल भांकरोटा थाना पुलिस के साथ अपने ससुराल पहुंची। परिवार के लोग घर पर नहीं थे। डिंपल ने मकान का ताला तोड़ने की कोशिश की। पडौसियों ने इसकी सूचना चिरंजीलाल को दी। चिरंजीलाल मौके पर पहुंचा। पुलिस और अपनी पत्नी से ताला तोड़ने का कारण पूछा तो पुलिसकर्मियों ने चिरंजीलाल के साथ मारपीट शुरू कर दी। पीड़ित के परिजनों ने बताया कि पिता के साथ मारपीट होने पर बेटे गौरांश शर्मा (7) ने एक पुलिसकर्मी का पैर पकड़कर पिता को छुडाने की कोशिश की, लेकिन पुलिसकर्मियों का दिल नहीं पसीजा। मारपीट करते हुए पुलिसकर्मी चिरंजीलाल को अपनी गाड़ी तक लेकर आए। परिवार की महिलाओं ने पुलिसकर्मियों को रोका तो महिला पुलिसकर्मी ने बुजुर्ग महिला के साथ हाथापाई कर दी। यही नहीं पुलिसकर्मी चिरंजीलाल के पिता शंकर लाल शर्मा, चाचा रमेश शर्मा और भाई बाबूलाल शर्मा को गिरफ्तार कर थाने ले आई। पुलिसकर्मियों की मारपीट से चिरंजीलाल के हाथ पर गंभीर चोट लगी और उसकी आंख सूज गई है। घटना गंभीर, विभागीय जांच के दिए आदेश डीसीपी वेस्ट अमित कुमार ने बताया कि घटना बहुत गंभीर है। पुलिसकर्मियों का कृत्य गलत है। इसकी विभागीय जांच के आदेश कर दिए है। बताया जा रहा है कि भांकरोटा थाने के हैड कांस्टेबल सुनील और कांस्टेबल राजपाल को इस मामले में सस्पैंड कर दिया गया है। मामले की जांच एडिशनल डीसीपी गुरुशरण राव को सौंपी गई है।

- पति-पत्नी के बीच विवाद में महिला के साथ उसके ससुराल पहुंची थी पुलिस
- बताया जा रहा है कि युवक को पीटने वाले भांकरोटा थाने के हैडकांस्टेबल और कांस्टेबल को सस्पैंड कर दिया गया है

## राज्यपाल ने महायज्ञ पूर्णाहुति में भाग लिया

**जयपुर** । राज्यपाल कलराज मिश्र ने बुधवार को सीतापुरा में आयोजित जनकल्याणार्थ पंचकुंडीय श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ की पूर्णाहुति में भाग लिया। मिश्र ने कहा कि यज्ञ "वसुधैव कुटुंबकम्" की भारतीय संस्कृति की वह जीवंतता है, जिसमें अपने लिए ही नहीं सबके कल्याण का भाव रखते कार्य करने का भाव समाया हुआ है।

# युवक की हत्या कर शव प्लॉट में फेंका

**जयपुर** (कासं)। विधायकपुरी थाना इलाके में स्थित एम.आई. रोड पर आकाशवाणी के सामने बुधवार सुबह एक युवक की हत्या कर शव फेंकने का मामला सामने आया है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लिया।

पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि मृतक का गला मफलर से बंधा हुआ था। जिस पर पुलिस ने फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की टीम के साथ-साथ डॉग स्क्वायड की टीम को भी मौके पर बुलाया। दोनों ही टीम ने पुलिस के साथ मिल कर मौके से साक्ष्य लिये। साथ ही पुलिस ने आसपास के लोगों से मृतक की शिनाख्त कराने का प्रयास किया लेकिन कोई जानकारी सामने नहीं आई। पुलिस ने शव को एसएमएस अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया कर जांच में जुट गई। पुलिस ने बताया कि आकाशवाणी के सामने खाली प्लाट में यह शव मिला था। जिस पर लोगों ने पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी थी। जिस पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। वहीं मृतक की उम्र करीब 40-45 के करीब है और मृतक के गले में मफलर बंधा हुआ है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मौत गला घुटने से हुई हैं। पुलिस ने आसपास के इलाकों में मृतक की फोटो को भेज कर थानों में दर्ज गुमशुदगियों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही हैं।

- एम.आई. रोड पर आकाशवाणी के सामने बुधवार सुबह मिला शव
- मृतक के गले पर मफलर बंधा था, प्रारंभिक जांच में मौत गला घुटने से होना सामने आया

# श्री राजपूत सभा के सम्मेलन में 13 जोड़ों का पाणिग्रहण

**जयपुर,** (का.सं.)। श्री राजपूत सभा ने रामनवमीं के अवसर पर 13 जोडों के विवाह "श्री राजपूत सभा जगतपुरा छात्रावास" महल योजना, "ए" ब्लॉक विस्तार, जगतपुरा (जयपुर) में परम्परागत राजपूती रीति रिवाज से सम्पन्न करवाये गये। राजपूत सभा अध्यक्ष राम सिंह चन्दलाई एवं कार्यकारिणी समिति पदाधिकारियों-सदस्यों ने इस मांगलिक वैवाहिक आयोजन में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, खाटू श्याम मंदिर समिति अध्यक्ष प्रताप सिंह चौहान, महामण्डलेश्वर बालमुकुन्द आचार्य महाराज, (बालाजी धाम हाथोज,) एवं मौरिसिस से पधारे गहलोत राजपूत महासभा अध्यक्ष केविन रघुनाथ का साफे, शॉल, स्मृति चिन्ह, बुके देकर स्वागत किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं मंचस्थ अतिथियों ने संक्षिप्त उद्बोधन में नव विवाहित दम्पतियों को आशीर्वचन और उज्ज्वल एवं सुखद गृहस्थ जीवन के लिए शुभकामनायें प्रदान की। सभाध्यक्ष राम सिंह चन्दलाई ने बताया कि उक्त सामूहिक विवाह सम्मेलन में आर्थिक दृष्टि से अक्षम, बीपीएल, विधवा-विकलांग अभिभावकों के बच्चों के निःशुल्क विवाह करवाये गये (इनमें एक दुल्हा दिव्यांग था) और सभा व दानदाताओं के सहयोग से लगभग 2 लाख राशि का साजो सामान (उपहार / स्त्रीधन) जैसे दुल्हनों को सोनें की नाक की लोंग, कान की लोंग, राखडी, गले का पैण्डल, चांदी की पाजेब जोडी, बिछिया जोडी आभूषण एवं कुल 44 प्रकार के घरेलू आवश्यक समान प्रत्येक जोडे को प्रदान किये गये।

इस मांगलिक अवसर पर सभाध्यक्ष राम सिंह चन्दलाई, उपाध्यक्ष प्रताप सिंह राणावत, संगठन मंत्री धीर सिंह शेखावत, सहमंत्री मोहन सिंह बगड, कोषाध्यक्ष प्रधुमन सिंह मूंडरू, कार्यकारिणी सदस्य हेमेन्द्रकुमारी दूदू पृथ्वी सिंह कालीपहाडी, विरेन्द्र पाल सिंह, जोगेन्द्र सिंह सावरदा, एडवोकेट गजराज सिंह कैलाई, जितेन्द्र सिंह शेखावत, लोकेन्द्र सिंह लोटवाडा, हर्षवर्धन सिंह शेखावत, मूल सिंह शेखावत, महेन्द्र सिंह भंवरथला, श्रवण सिंह चौहान, जयपुर सांसद रामचरण बोहरा, श्रवण सिंह बगड़ी भाजपा प्रदेश महामंत्री मौजूद थे।

## वालमार्ट मार्केट प्लेस ने लॉन्च किया "लैंडिंग पेज"

**जयपुर,** (का.सं.)। वालमार्ट ने आज भारतीय विक्रेताओं के लिए कंपनी की मार्केटप्लेस वेबसाइट वालमार्ट डॉट कॉम पर एक समर्पित लैंडिंग पेज लॉन्च करने की घोषणा की, जिसके माध्यम से वे साइट पर पंजीकरण एवं बिक्री कर सकेंगे। साथ ही, वालमार्ट ने क्षेत्रीय स्तर पर सम्मेलनों की श्रृंखला शुरू करते हुए आज जयपुर, राजस्थान में पहले वैश्विक विक्रेता सम्मेलन का आयोजन भी किया। इन सम्मेलनों के माध्यम से संभावित विक्रेताओं को उपभोक्ताओं एवं कैटेगरी ट्रेंड्स से जुड़ी इनसाइट्स एवं जानकारी प्रदान करते हुए मदद की जाएगी और ऑनबोर्डिंग सपोर्ट व कैटलॉग सेटअप में सहयोग किया जाएगा। सालभर पूरे देश में वैश्विक विक्रेता सम्मेलन आयोजित करने की योजना है। वालमार्ट की इमर्जिंग मार्केट्स एंड बिजनेस डेवलपमेंट वाइस प्रेसिडेंट मिशेल मी ने कहा, 'वालमार्ट के लिए भारत प्राथमिकता वाला बाजार है और समर्पित लैंडिंग पेज लॉन्च करना भारतीय विक्रेताओं के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। वालमार्ट मार्केटप्लेस विक्रेताओं को दुनियाभर के ग्राहकों तक पहुंच प्रदान करते हुए भारतीय कंपनियों की क्षमता को अनलॉक करने के लिए प्रयासरत है।

# राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में नाटक "12 एंग्री मैन" का प्रभावी मंचन

## कलाकारों के कसावट भरे अभिनय से बंधे रहे दर्शक

**जयपुर,** (का.सं.)। फोर्थ वॉल नाट्य संस्था की ओर से बुधवार को यहां राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर के मुख्य सभागार में दुनिया के सर्वाधिक खेले जाने वाले नाटक 12 एंग्रीमैन का प्रभावी मंचन हुआ। तमाम कलाकारों के कसावट भरे अभिनय व दमदार कथानक और अच्छी टाइमिंग के साथ सटीक संवाद अदायगी से दर्शक इस बहुचर्चित नाटक के अंत तक बंधे रहे।

अमरीकी नाटककार रेजीनॉल्ड रोज लिखित और रंजीत कपूर रूपांतरित इस नाटक का निर्देशन एनएसडीएन विशाल विजय ने किया। गौरतलब है कि राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर के एक साल पूरा होने के उपलक्ष में 17 से 19 अप्रैल तक यहां फाउंडेशन डे सेलिब्रेशन के तहत पहले दिन इस नाटक का मंचन किया गया। नाटक निर्देशक विशाल विजय ने बताया कि फोर्थ वॉल नाट्यय संस्था इस नाटक को साल 2019 से अब तक निरंतर प्रस्तुत कर रही है। नाटक के मुख्य भूमिका निभाने वाले प्रमुख कलाकारों में कुछ पहली प्रस्तुति से जुड़े हैं और कुछ कलाकारों का यह चौथा शो है। इसके अलावा ओम मीणा, राहुल जांगिड़ और मोहित भट्ट जैसे कलाकार इस नाटक में अभिनय के लिए मुंबई से आए।

इस नाटक का ताना-बाना एक मर्डर केस की बहस के इर्द-गिर्द बुना गया। इस यथार्थवादी नाटक में 12 प्रतिबद्ध कलाकारों ने अपने-अपने किरदारों को मूत्तरूप देकर कमाल की अभिनय जुगलबंदी दर्शायी। कलाकारों ने उम्दा अभिनय से कथानक के अंदरुनी तहों को छूने की पुरजोर कोशिश की। दर्शकों से खचाखच भरे आरआईसी के मुख्य सभागार में फोर्थ वॉल ड्रामेटिक सोसायटी जयपुर की इस बहुचर्चित प्रस्तुति में संचित जैन, अंकित शर्मा, योगेन्द्र सिंह परमार, चित्रार्थ मिश्रा, कमलेश बैरवा, मोहित भट्ट, ऋतिक शर्मा, संदीप मिश्रा, विपिन चौधरी, ओम मीणा, दीपक गुर्जर, राहुल जांगिड़ ने अपने शानदार अभिनय की छाप छोड़ी। जज की आवाज में रुचि भार्गव और गार्ड के रूप में विनय सैनी को दर्शकों की सराहना मिली।

इस नाटक के मुताबिक एक खून के अपराध पर विचार-विमर्श करने और दोषी को सर्वसम्मति से कसूरवार या बेकसूर के फैसले पर पहुंचने के लिए एक 12 सदस्यों की ज्यूरी का गठन किया जाता है, लेकिन ज्यूरी सदस्यों का अहम और उनके निजी पूर्वाग्रह उनके निष्पक्ष निर्णय की भावना में बाधा डालते हैं।

पूरी कार्यवाही के दौरान ज्यूरी सदस्य एक-दूसरे को ज्यूरी नंबर से संबोधित करते हैं, लेकिन अपनी पहचान उजागर नहीं करते हैं। नाटक में प्रकाश संयोजन देशराज गुर्जर, ध्वनि संयोजन विमल मीणा, रूप सज्जा असलम पठान की रही। ध्वनि विन्यास आलोक शर्मा, विहेक, वस्त्र एसए अल्वी, आर्ट ईशाना पारीक की रही। मंच संचालन सिद्धार्थ कुमावत ने किया।

फोर्थ वॉल नाट्य संस्था की ओर से बुधवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर के मुख्य सभागार में नाटक 12 एंग्रीमैन का प्रभावी मंचन हुआ।

## नाहरगढ़ किले पर पहुंचा लेपर्ड

**जयपुर।** नाहरगढ़ किले पर मंगलवार को लेपर्ड पहुंच गया। इस दौरान लेपर्ड करीब 15 से 20 मिनट तक किले की दीवार पर घूमता रहा, बाद में झाड़ियों में घुस गया। इसके बाद वहां जाने वाले लोगों में दहशत का माहौल है।

# ऑनलाइन ठग गिरोह पकड़ा

**जयपुर** । मानसरोवर पुलिस ने ट्रेनिंग के नाम पर ऑनलाइन ठगी करने वाली गैग का खुलासा करते हुए गैंग के खाताधारक सहित तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की प्रारम्भिक पूछताछ में सामने आया है आरोपित आरोपित सोशल मीडिया ऐप टेलीग्राम के माध्यम से ट्रेडिंग-टास्क के नाम पर ठगी करते है और अभी तक की पूछताछ में आठ लाख रुपये की धोखाधड़ी का खुलासा किया है। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर (दक्षिण) दिगंत आनन्द ने बताया कि मानसरोवर पुलिस ने शातिर ठग मेवाराम उर्फ वरूण निवासी कटुमर अलवर हाल मंगल विहार मानसरोवर (खाता धारक), सौरभ निवासी कुईखेडा थाना फाल्जिका (पंजाब) हाल सांगानेर और पारस जाट निवासी कुईखेडा हाल सांगानेर को गिरफ्तार किया है।

# अस्पतालों में मरीजों को हुई असुविधा की घटनाओं पर राज्य सरकार गंभीर

## मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्यों व अधीक्षकों को स्टैण्डर्ड प्रोटोकॉल की पालना कराने के दिए निर्देश

**जयपुर** । राज्य सरकार ने मेडिकल कॉलेजों से सम्बद्ध चिकित्सालयों में स्टैण्डर्ड प्रोटोकॉल का पालन नहीं होने के कारण विगत दिनों मरीजों को हुई असुविधा के प्रकरणों को गंभीरता से लेते हुए समस्त मेडिकल कॉलेजों के प्रधानाचार्यों एवं अस्पताल अधीक्षकों को चिकित्सा सुविधाओं के सुचारू संचालन के लिए दिशा-निर्देश दिए हैं। साथ ही, हिदायत दी है कि लापरवाही के कारण भविष्य में कोई घटना सामने आती है तो इसकी जिम्मेदारी संबंधित अधीक्षक की होगी तथा दोषी अधिकारी व कर्मचारी के विरूद्ध सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

चिकित्सा शिक्षा विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने बताया कि विगत दिनों एसएमएस अस्पताल में मरीज को गलत ग्रुप का ब्लड चढ़ाने, कांवटिया अस्पताल के परिसर में महिला का प्रसव होने जैसी दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं को राज्य सरकार ने गंभीरता से लिया है। भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं हो, इसके लिए सभी मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्यों एवं अधीक्षकों को चिकित्सा शिक्षा विभाग ने पत्र लिखकर दिशा-निर्देश दिए हैं।

- लापरवाही की घटनाओं की पुनरावृत्ति पर होगी सख्त कार्रवाई
- ड्यटी रोस्टर में पारदर्शिता का ध्यान रखते हुए इसकी मॉनिटरिंग अधीक्षक करेंगे

पत्र में कहा गया है कि चिकित्सालयों में ड्यूटी रोस्टर में पारदर्शिता का पूरा ध्यान रखा जाए। सभी चिकित्सक रोस्टर के अनुसार ऑन फ्लोर एवं ऑन कॉल ड्यूटी पर उपस्थित रहें। रेजीडेन्ट चिकित्सकों के कार्यों एवं दायित्वों के सुपरविजन के लिए इमरजेंसी, लेबर रूम, आई.सी.यू. जैसे संवेदनशील स्थानों पर फैकल्टी की ड्यूटी आवश्यक रूप से लगाई जाए। चिकित्सक ड्यूटी रोस्टर के अनुसार सेवाएं दें, इसकी मॉनिटरिंग अस्पताल अधीक्षक के स्तर से की जाएगी। रोस्टर की अवहेलना की स्थिति में प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक नियमानुसार कार्रवाई करेंगे।

### स्टोर निरीक्षण व उपकरणों का मेंटीनेंस नियमित करें

पत्र में अस्पतालों के स्टोर का नियमित भौतिक निरीक्षण करने, सभी उपकरणों एवं रिएजेन्ट्स की समुचित आपूर्ति के साथ ही उपकरणों एवं जांच मशीनों का नियमित मेंटीनेंस सुनिश्चित करने, ऑक्सीजन प्लांट की क्रियाशीलता की नियमित जांच करने एवं वार्ड, आईसीयू, इमरजेंसी आदि में ऑक्सीजन की सुचारू आपूर्ति के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही यह भी ध्यान रखना होगा कि अस्पताल में पानी एवं बिजली की समुचित आपूर्ति हो। जनरेटर एवं पॉवर बैकअप की व्यवस्था आवश्यक रूप से हो, ताकि बिजली कटौती की स्थिति में जांच-उपचार आदि आवश्यक सेवाएं प्रभावित नहीं हो। कूलर, एसी एवं पंखे क्रियाशील हों और उनका समुचित मेंटीनेंस हो।

### रेजीडेंट्स से रखना होगा परस्पर संवाद

दिशा-निर्देशों के अनुसार अस्पतालों में बेहतर व्यवस्थाओं और समन्वय की दृष्टि से प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक को कॉलेज में कार्यरत चिकित्सकों एवं जूनियर रेजीडेन्ट्स से परस्पर संवाद बनाए रखना होगा। व्यवस्थाओं में सुधार के लिए माह में एक बार अनिवार्य रूप से उनके साथ बैठक आयोजित की जाएगी।

सभी प्रधानाचार्य, अधीक्षक एवं विभागाध्यक्ष वार्ड, आईसीयू, इमरजेंसी, ट्रोमा सेंटर सहित अस्पताल के संवेदनशील स्थानों का रात्रि में औचक निरीक्षण कर उचित व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। कोई भी गंभीर प्रकरण होने पर तत्काल प्रभाव से राज्य सरकर के ध्यान में लाए जाने के निर्देश भी पत्र में दिए गए हैं। इन सभी निर्देशों की पालना रिपोर्ट हर माह की 10 तारीख तक अनिवार्य रूप से चिकित्सा शिक्षा विभाग को भेजनी होगी।

## बोहरा को जान से मारने की धमकी का ई-मेल मिला

**जयपुर** । जयपुर के निवर्तमान सांसद रामचरण बोहरा को जान से मारने की धमकी भरा ई-मेल मिला। उनके ऑफिशियल मेल आईडी पर ई-मेल करके धमकी दी गई है कि दिल्ली अभी बहुत दूर है। रास्ते में जहां मिलोगे तो वहीं जान से मार देंगे। इस संबंध में बोहरा के निजी सहायक अरुण शर्मा ने जवाहर सर्किल थाने में मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने मामला मामले की जांच कर रही है।

पुलिस ने बताया कि बगरू वालों का रास्ता चांदपोल बाजार निवासी अरुण शर्मा ने थाने में बुधवार को मामला दर्ज करवाया है कि वह निवर्तमान सांसद रामचरण बोहरा का निजी सहायक हैं और 2 अप्रैल को वह ऑफिस आकर अपना काम संभाल रखा था। साथ ही सांसद रामचरण बोहरा की ऑफिशियल ई-मेल आईडी पर सभी मेल चेक कर रहा था। इस दौरान अरविन्द कुशवाहा नाम की आईडी से एक मेल आई हुई थी। जिसमें अरविंद कुशवाहा की मेल में लिखा था कि हम आपको जान से मार देंगे। दिल्ली अभी बहुत दूर है। रास्ते में जहां मिलोगे, तुम्हें वहीं जान से मार देंगे। इस तरह के धमकी भरे मेल मिलने पर सांसद रामचरण बोहरा को जानकारी दी गई।

## सार-समाचार

### शराब ठेका हटवाने के लिए प्रदर्शन

**जयपुर** । निर्माण नगर क्षेत्र व आसपास की आवासीय कॉलोनियों में लोगों ने शराब ठेके का विरोध किया। यह ठेका आवासीय कॉलोनी में बना हुआ है, इसे लेकर स्थानीय लोगों में भारी रोष है। स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन के बाद जिला आबकारी अधिकारी को भी सूचना दी, लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई । विरोध प्रदर्शन में नटवर लाल शर्मा, सावंत सिंह राठौड़, बी.बी.शर्मा, अरुण गर्ग, कैलाश शर्मा, मोहित गुप्ता, हरिकिशन, विनोद शास्त्री, रामावतार सिंह, शंकर जांगिड़, सम्पत शर्मा, सुरेश जांगिड़ और गजानंद शर्मा समेत कई लोग मौजूद थे।

### 'गा मेरे मन गा-सीजन-2' का पोस्टर जारी

**जयपुर,** (का.सं.)। संगीत ग्रुप अरुणाज़ गीत गाता चल की ओर से 20 अप्रैल को प्रस्तुत किए जाने वाले गा मेरे मन गा-सीजन-2 कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन किया गया। राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ ए एस बालोदा और नवनियुक्त निदेशक सुनीता गुप्ता ने संयुक्त रूप से पोस्टर का विमोचन किया। गा मेरे मन गा-सीजन-2 जाने-माने उदघोषक अमीन सयानी को समर्पित किया गया है। कार्यक्रम में उनके द्वारा प्रस्तुत मशहूर रेडियो कार्यक्रम बिनाका गीतमाला में अपने दौर के सुपर हिट गीतों की महफ़िल सजाई जाएगी। श्रोता 1950 से 1980 के दशक के लगभग 30 मीठे-मधुर गीतों का लुत्फ़ उठा सकते हैं। यह कार्यक्रम 20 अप्रैल को शाम 5.30 राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा के मिनी सभागार में होगा। कार्यक्रम में प्रवेश निःशुल्क रहेगा।

### धमकी देकर बिल्डर से 50 लाख रु. मांगे

**जयपुर** । एक बिल्डर को किसी ने जान से मारने की धमकी देकर पचास लाख रुपए मांगने का मामला सामने आया है। मामले की जांच मानसरोवर थाना पुलिस कर रही है। पुलिस के अनुसारी शक्तिनगर त्रिवेणी नगर निवासी योगेश कुमार सैनी ने मामला दर्ज करवाया कि वह बिल्डर है। हाल ही में उसने यह काम शुरू किया है। गत 4 अप्रैल को किसी ने उसके वॉट्सअप कॉल किया और कहा कि अगर तू अपनी जान की सलामती चाहता है तो पचास लाख रुपए दे देना। इस पर पीड़ित ने पुलिस की शरण ली। थानाधिकारी राजेंद्र गोदारा ने बताया कि पीड़ित को इंटरनेट सर्वर का उपयोग कर वॉट्सअप कॉल किया गया है। मामले की छानबीन की जा रही है। पीड़ित ने कुछ दिनों पहले ही एक कंपनी बनाई है। पीड़ित एक बिल्डर है।

### हत्या का प्रयास करने वाले गिरफ्तार

**जयपुर** । हरमाड़ा थाना पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में काफी समय से फरार चल रहे दो आरोपियों को दौसा से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि हत्या के प्रयास के मामले में काफी समय से फरार चल रहे महावीर सिंह उर्फ लाल और सरदार सिंह उर्फ शेरू को गिरफ्तार किया है और दोनो ही आरोपित मंडावरी जिला दौसा के रहने वाले है।

## International Day for Monuments and Sites

The *International Day for Monuments and Sites* got started in 1982, when it was established by the International Council on Monuments and Sites (ICOMOS). Later, at the gathering of its 22nd General Conference, UNESCO (United Nations Educational, Scientific and Cultural Organization) approved the adoption of the *International Day for Monuments and Sites*, bringing more worldwide recognition to the day. Each year, ICOMOS selects a unique theme that encourages individuals and organizations to consider various aspects of this day that recognize the significance of monuments and sites.



#INSIGHT

# Tracing the journey of *Kasuri Methi*

*Kasuri methi's* journey from a 'humble plant' to a 'culinary star' is steeped in history and tradition. So, where does this piquant *masala* come from and how do you map its evolution?

*Laccha paratha. Kachori sabzi. Paneer Butter Masala. Butter Chicken*. All these dishes have one thing in common, outside of our shared love for them, the sun-baked green leaves adorning their *chand sa mukhda.*

*Kasuri methi* is a staple ingredient in several Indian cuisines. Its journey from a 'humble plant' to a 'culinary star' is steeped in history and tradition. So, where does this piquant *masala* come from, and how do you map its evolution?

Originating from its namesake *Kasur*, a city in present-day Pakistan, lying south of Lahore, celebrity chef Harpal Singh Sokhi explains that *kasuri methi* used to be dried during summer, traditionally, to preserve its flavour for year-round use. Iconic recipes like Butter Chicken and Paneer Butter Masala are incomplete without its distinctive, earthy flavour. Its leaves impart a unique bitterness and sweetness, elevating the complexity of these beloved dishes.

The unique soil and climate of *Kasur* were said to produce fenugreek leaves, with an exceptional aroma and flavour. After drying, these leaves were then crumbled and referred to as '*Kasuri methi*,' literally translating to 'fenugreek from Kasur.'

Following the partition of India in 1947, the Kasur region became part of Pakistan. However, this didn't diminish the popularity of *kasuri methi* in Indian food culture. According to chef and food historian Sadaf Hussain, *Kasuri methi* is cultivated in Rajasthan now, "due to its closeness to *Kasur* in terms of climate, and weather pattern."

Fenugreek cultivation is also thriving in other parts of Punjab, particularly Malerkotla and Rajasthan, ensuring a continued supply of this prized ingredient. For those of us, who have grown up in North India, '*Kasturi*' *methi*, as it is wrongly called by many, boasts much star power, being a part of regional cuisines like Punjabi, Rajasthani and even Kashmiri, according to Hussain. A *Kashmiri Wazwan* starter dish, *Methi Maaz* is made with tender cuts of meat that are simmered in a rich sauce of fenugreek leaves and a blend of *Kashmiri* spices, which also includes dried *Kasuri methi*.

For the unversed, *Kasuri methi's* flavour profile is much closer in taste to *yellow methi seeds* than *good-old green methi leaves*. The drying process concentrates the leaves' natural bitterness, creating a slightly pungent aroma. However, upon adding *Kasuri methi* to hot oil or curries, the bitterness mellows, giving way to a complex interplay of flavors, nutty, savory, with a hint of musk-like sweetness. "Toasting it on a *tawa* or rubbing it between one's hands is also common to bring out its aroma," said Hussain. *Kasuri methi* stands as a testament to the evolution of Indian cuisine. Its journey, from ancient cultivation to its modern-day use, reflects the ingenuity and love for flavour that have shaped 'Indian food' for centuries. So, the next time you savour the aroma of *Kasuri methi* wafting from your kitchen, remember the rich history behind this 'humble' yet 'flavourful' ingredient.

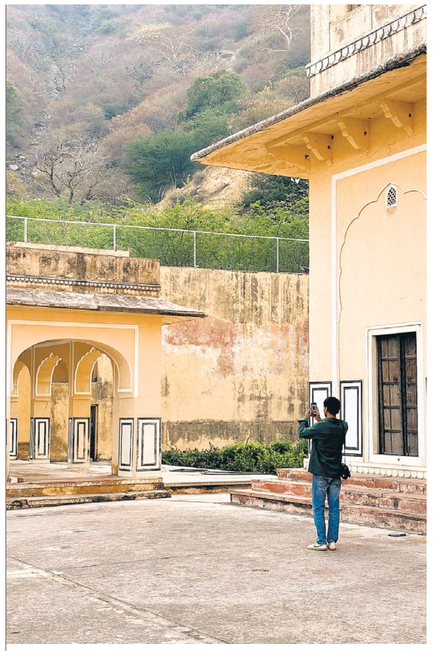







On *World Heritage Day*, we delve into the realm of digital preservation, spotlighting the remarkable efforts of Bharat Singh, who captures the essence of Pink City's heritage through his popular Instagram page, *Jaipur Houses*. With a camera in hand and a passion for the past, Singh's page serves as a digital archive, capturing the essence of Jaipur's architectural and design heritage for generations to come.

# Chronicles of Jaipur's Heritage

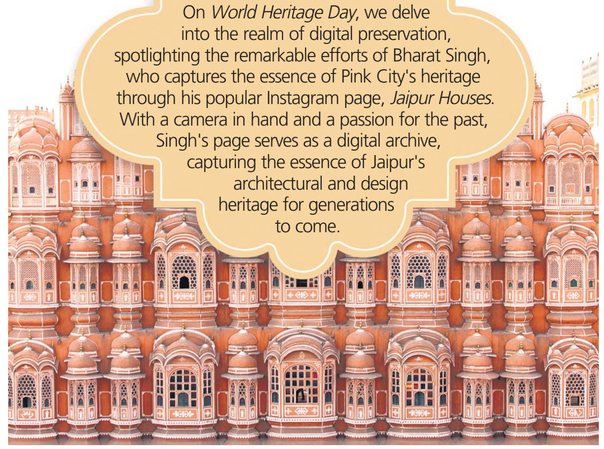

#WORLD HERITAGE DAY



Tusharika Singh
*Freelancer writer and city blogger*

Conserving heritage is always a topic of discussion on *World Heritage Day*. To commemorate the occasion, a plethora of events unfolds, ranging from exhibitions, showcasing the unique cultural and natural heritage of diverse regions, to cultural events spotlighting the traditions and customs of local communities, and guided tours, offering insights into the history and significance of heritage sites. However, the fervor, surrounding these discussions, often diminishes soon after the day concludes. To sustain this discourse and foster a connection between heritage and the youth, 'social media' emerges as a powerful tool.

Meet Bharat Singh, the man behind '*Jaipur Houses*,' a popular Instagram page, dedicated to appreciating the vanishing beauty of Jaipur's old houses and structures. Through captivating imagery and insightful narratives, Singh ignites a renewed appreciation for Jaipur's heritage among a diverse audience. The allure of 'Jaipur Houses' lies in its ability to transform passive scrolling into an immersive journey through time. Each post serves as a window into the past, inviting viewers to rediscover the stories embedded within the city's walls. More than just a collection of photographs, *Jaipur Houses* sparks dialogue and engagement. Followers share memories, anecdotes, and even personal connections to the featured landmarks, be it the houses, streets, the shops or even the motifs that one finds on the houses in the Pink City, breathing 'new life' into forgotten narratives.

> "The idea was not to start an Instagram page," Singh recalls, "but just to document our family house where three generations have lived, so that the memories can be kept alive." Thus, Jaipur Houses was born in 2022, initially envisioned as a 'private archive' for the future generations of the family.



## A Passion for Preservation

From an early age, Singh displayed a penchant for writing, coupled with a voracious appetite for reading. His fascination with Jaipur led him to devour every book available on the city, nurturing a deep understanding of its rich heritage. Singh's journey into documenting and preserving Jaipur's architectural heritage digitally began with a simple passion, capturing the essence of 'old things.' With a keen eye for detail and a fascination for the past, he found himself drawn to the weathered charm of ancient houses, each telling a story of bygone eras. Residing in an old house himself, Singh experienced firsthand 'the magic of living within walls steeped in history.' It was when his sister welcomed a newborn that the idea of creating an *archive* took root. Recognizing that future generations might not have the opportunity to experience their ancestral home, Singh embarked on a mission to preserve its memory for posterity.

"The idea was not to start an Instagram page," Singh recalls, "but just to document our family house where three generations have lived, so that the memories can be kept alive." Thus, Jaipur Houses was born in 2022, initially envisioned as a 'private archive' for the future generations of the family. However, what began as a personal project soon evolved into a public endeavour as the page garnered unexpected attention. Within a mere two years, Jaipur Houses has amassed a devoted following of over 30,000 odd people, drawn to its captivating portrayal of Jaipur's heritage.

In 2022, when the page took its fledgling steps, only two similar initiatives, Delhi Houses and Calcutta Houses, existed. Venturing into the streets with his phone camera, Singh encountered both curiosity and resistance and he had to explain his motives to skeptical onlookers. "Sometimes, people used to get angry and ask what I am doing. I used to get called out as being sneaky. Once, I even faced a rebuke from a guard at *Mahilya Chikistalaya* for photographing the premises, citing potential safety concerns," he recalls. Yet, as the page gained traction, attitudes shifted. Today, invitations to document old houses pour in, which is a testament to the growing recognition of *Jaipur Houses* as an apt repository of city's heritage. Enthusiasts across the city also actively contribute by sharing their own discoveries. "Whenever someone stumbles upon an old house, they click pictures and send me or they tag me on their posts," he adds.



(Pictures clicked by Bharat Singh)

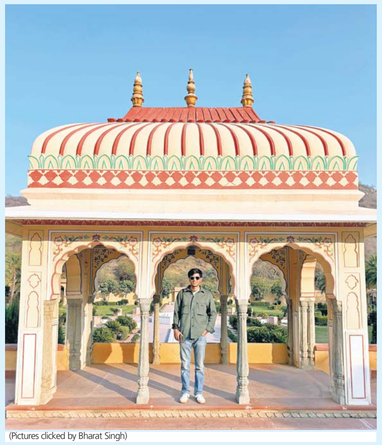



## Beyond Instagram Aesthetics

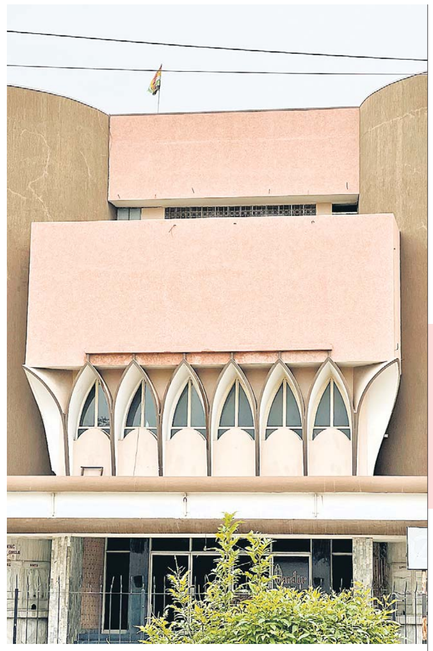

Driven by his innate eye for design, Singh initially intended to focus on documenting houses outside the walled city. Being a *UNESCO World Heritage site*, Singh assumed that significant efforts must have been made for the documentation of the buildings there. But he soon realized that there is a treasure trove of old buildings and structures inside the walled city that is being brought down at a huge speed. "A lot of old houses and buildings have already been broken down," he notes, underscoring the imperative to document them before they vanish into oblivion. He also manages another page titled '*Jodhpur Houses*,' stemming from his frequent visits to the city and his familial connections with cousins residing there. Even though, it is not as active as Jaipur Houses, he envisions collaborating with his cousins to curate content and maintain the page.

> "Sometimes, people used to get angry and ask what I am doing. Once, I even faced a rebuke from a guard at *Mahilya Chikistalaya* for photographing the premises, citing potential safety concerns," he recalls. Yet, as the page gained traction, attitudes shifted. Today, invitations to document old houses pour in.

Down the line, the ace instagrammer envisions creating a coffee table book, comprising multiple volumes, dedicated to showcasing the old houses, buildings, and other structures of the Pink City. "The journey of raising awareness has only just begun," remarks Singh, who emphasizes the current perception of the page as primarily a 'cool' platform for featuring heritage. However, his aspirations extend far beyond mere admiration. Singh hopes for a future where individuals or organizations that have the financial withstanding, invest in and restore these historic buildings, ensuring that *heritage preservation* transcends mere aesthetics and becomes a tangible reality.

rajeshsharma1049@gmail.com



#SPACE

# Astronomers unravel the mystery of the 'Dragon's Egg' nebula

Researchers, now, appear to have resolved this mystery while also explaining how the relatively few massive stars, that are magnetic, got that way. Blame it on stellar fratricide, they said. In this case, the bigger star apparently gobbled up a smaller sibling star, and the mixing of their stellar materials, during this hostile takeover, created a magnetic field.

Two large stars, residing inside a spectacular cloud of gas and dust, nicknamed the '*Dragon's Egg*' *nebula* have presented a puzzle to astronomers. One of them has a magnetic field, as does our sun. Its companion does not. And such massive stars are not usually associated with nebulae.

Researchers, now, appear to have resolved this mystery while also explaining how the relatively few massive stars, that are magnetic, got that way. Blame it on stellar fratricide, they said. In this case, the bigger star apparently gobbled up a smaller sibling star, and the mixing of their stellar materials, during this hostile takeover, created a magnetic field.

"This merger was likely very violent. When two stars merge, material can be thrown out, and this likely created the nebula that we see today," said Chile-based European Southern Observatory astronomer Abigail Frost.

Computer simulations previously had predicted that the blending of stellar materials, during such a merger, could create a magnetic field in the combined star, born in this process.

"Our study is the observational smoking gun confirming this scenario," said astronomer Hugues Sana of KU Leuven in Belgium, the study's senior author.

These two stars, gravitationally bound to each other in what is called a 'binary system,' are located in our *Milky Way galaxy*, about 3,700 light-years from Earth in the constellation *Norma*. A light-year is the distance light travels in a year, 5.9 trillion miles (9.5 trillion kms).

The researchers used nine years of observations by the Chile-based *Very Large Telescope*.

The magnetic star is about 30 times more massive than the sun. Its remaining companion is about 26.5 times more massive than the sun. They orbit at a distance from each other, varying from seven to 60 times the distance between Earth and the Sun.

The *Dragon's Egg* is so named because it is located relatively near a larger nebula complex called the *Fighting Dragons of Ara*. The stars inside the Dragon's Egg appear to have started out 4-6 million years ago as a triple system, three stars born at the same time and gravitationally bound.

"The *triple system's* two innermost members included a larger star, perhaps 25 to 30 times the mass of the sun, and a smaller one, maybe five to 10 times the sun's mass. The more massive one evolved more quickly than the other, with its outer layer engulfing the smaller star and triggering a merger that ejected into space the gas and dust that make up the nebula," the researchers said.

This occurred very recently in a cosmic time scale, about 7,500 years ago, based on the expansion velocity of the material in the nebula. It consists of mostly hydrogen and helium, but also an unusually large amount of nitrogen, thanks to the merger. Many sun-sized stars generate magnetic fields. "For low-mass stars like our sun, convective heating, like the movement of hot water in a radiator in your home, creates a movement of stellar material. This, in turn, creates a dynamo effect which induces a magnetic field," Frost said.

"However, for massive stars, greater than eight times the mass of our sun, different heating effects are in play, and so explaining the presence of magnetic fields for these types of stars is more tricky. This merger scenario ticks all the boxes," Frost added.

About 7% of massive stars are known to have a magnetic field. The second star in this binary system, uninvolved in the violent merger, does not. Stellar magnetic fields store immense amounts of energy. The sun's magnetic storms can interact with Earth's atmosphere and create our planet's thrilling auroras, but also can disrupt radio signals and navigation systems.

An image of the nebula released with the study is visually striking.

"The richness of the physics and chemistry at play gave rise to a beautiful structure," Sana said.

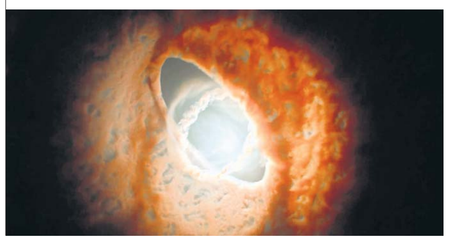







## THE WALL

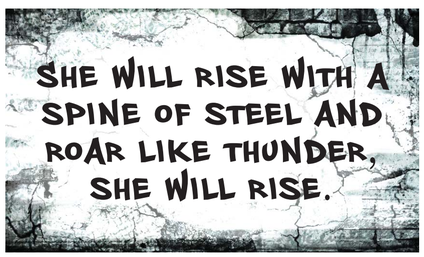




## BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

## ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

# अधिक रॉयल्टी वसूलने पर खनन व्यापारियों का प्रदर्शन, लोडिंग बंद

## रॉयल्टी नाका संचालकों और खनन व्यवसायियों के बीच दो दिन से तनातनी का माहौल

**माण्डलगढ़,** (निसं)। मांडलगढ़ के बिजौलियां में सेंडस्टोन रॉयल्टी संवेदक के संचालकों द्वारा सरकार की तयशुदा दर से अधिक रॉयल्टी राशि वसूलने के मामले में नाका संचालकों और खनन व्यवसाइयों के बीच टकराव की स्थिति बनी हुई हैं, इस मामले को लेकर खनिज विभाग के बड़े अफसरों तक शिकायत पहुँचने के बाद भी रॉयल्टी ठेकेदार पर कोई कार्रवाई नहीं की गई हैं, जिससे खनन व्यवसाइयों में आक्रोश बढ़ता जा रहा हैं, खनन व्यवसाइयों ने नारेबाजी कर प्रदर्शन किया और बुधवार से ही वाहनों में सेंडस्टोन लोडिंग अनिश्चितकालीनबन्द कर दिया हैं,

ऊपरमाल सेंडस्टोन एक्सपोर्ट एवं डवलपमेंट सोसायटी अध्यक्ष सुनील जैन ने बताया कि बिजौलियां में मेघराज सिंह संवेदक की फर्म सर्व श्री शिवा कॉर्पोरेशन इंडिया लिमिटेड को खनिज विभाग ने 12 अप्रैल 2024 से सेंडस्टोन पर रॉयल्टी वसूली का ठेका दिया हैं, गत 12 अप्रैल से संवेदक ने बिजौलियां में रॉयली वसूली का काम शुरू किया। जिसमें बिजौलियां के आधा दर्जन नाकों पर संचालकों द्वारा मनमानी कर निर्धारित से अधिक रॉयल्टी की राशि वसूली शुरू कर दी। इस मामले को लेकर ऊपरमाल सेंडस्टोन

बिजौलियां में ठेकेदार के संचालकों द्वारा सेंडस्टोन की अधिक रॉयल्टी वसूलने पर लोडिंग बन्द कर खान व्यवसायियों ने प्रदर्शन किया।

डेवलपमेंट सोसायटी के सदस्यों,खनन व्यवसायियों ने स्थानीय अधिकारियों से लेकर मुख्य शासन सचिव को संवेदक पर मनमानी का आरोप लगा कर शिकायत भेजी गई। लेकिन एक सप्ताह बाद भी कोई समाधान नहीं निकला हैं, वहीं बिजौलियां के केसरगंज नाके पर एक सेंडस्टोन से भरे ट्रक से वजन बढ़ा कर वसूली गई रॉयल्टी राशि के मामले को सेंडस्टोन एसोसिएशन के लोगों ने रँगे हाथ पकड़ कर खनिज विभाग के अधिकारियों को सुपुर्द किया।

इस मामले में खनिज विभाग ने संवेदक के खिलाफ नोटिस जारी करने की कार्रवाई की गई हैं, वहीं खनिज विभाग के शासन सचिव ने इस मामले की तथ्यात्मक रिपोर्ट भी तलब की हैं,खनिज विभाग के सूत्रों के मुताबिक ट्रकों में भरे सेंड स्टोन परिवहन में रॉयल्टी संचालकों द्वारा तय से अधिक रॉयल्टी वसूलने की रिपोर्ट बना कर उच्चाधिकारियों को भेज दी हैं। मंगलवार को खनिज विभाग कार्यालय में अधिक्षण खनिअभियन्ता सतर्कता, खनिअभियन्ता बिजौलियां, संवेदक के सदस्य और खनिज व्यवसायियों के बीच करीब 3 घण्टे तक उक्त समस्या समाधान पर काफी मंथन चला।लेकिन कोई ठोस समाधान नहीं निकलने से रॉयल्टी संचालकों की मनमानी लगातार जारी हैं। बैठक के थोड़ी देर बाद ही केसरगंज चौराहे के नाके पर

■ रॉयल्टी ठेकेदार के खिलाफ आक्रोशित खनन व्यापारियों ने नारेबाजी की

एक ट्रक में लड़े 36 टन सेंडस्टोन की 42 टन बता कर रॉयल्टी वसूल कर ली। इस मामले को लेकर खनन व्यवसायियों ने ठेकेदार के खिलाफ जम कर नारे बाजी कर प्रदर्शन किया।

दूसरी ओर संवेदक के प्रतिनिधि राजेश चौधरी का कहना है कि निर्धारित राशि से ही रॉयल्टी राशि ली जा रही हैं, ओवरलोड़ वाहनों के हिसाब से भी रॉयल्टी अधिक बनती हैं। उसको लेकर कुछ लोगों द्वारा हंगामा खड़ा किया जा रहा हैं। वहीं ऊपरमाल में दो हजार से अधिक सेंडस्टोन की खदाने ओर स्टॉक संचालित है।लेकिन अन्य खनन व्यवसायियों को कोई आपत्ति नहीं हैं। इस दौरान मोहनलाल धाकड़, सुरेश कुमार, सुनील कुमार जैन, दीपक मेड़तिया, रमेश चन्द्र धाकड़, नरोत्तन, सुनील कुमार धाकड़, शंकर लाल धाकड़ सहित कई खनन व्यवसायियों ने उच्चाधिकारियों को शिकायत कर निर्धारित रॉयल्टी राशि वसूलने की मांग की हैं।

# जन्म देते ही नवजात को लाडपुरा में नदी किनारे कचरे में फैंका

## पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर नवजात को बाल कल्याण समिति को सौंपा

लाडपुरा में मिली नवजात बच्ची का पुलिस ने अस्पताल में उपचार कर बाल कल्याण समिति को सौंपा।

**माण्डलगढ़,** (निसं)। नवरात्र में लोग देवी की पूजा में जुटे हुए हैं,कन्या पूजन किया जाता हैं, वहीं दूसरी ओर जन्म होने के कुछ देर बाद ही एक निष्ठुर माता-पिता के एक दुधमुंही बच्ची को कचरे के ढेर में फैंकते वक्त हाथ नहीं काँपे। मांडलगढ़ के लाडपुरा कस्बे में नदी किनारे रोती-बिलखती एक नवजात बच्ची को पुलिस ने बरामद किया। इस मामले को लेकर कस्बे में सनसनी फैल गई,यह माजरा देखने मौके पर लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई।

दरअसल लाडपुरा के पास नदी किनारे एक महिला वेस्ट पॉलीथिन एकत्रित करने गई थी,जहाँ झाड़ियों ओर कचरे में एक नवजात लावारिश हालत में रोती- बिलखती नजर आई,महिला ने ग्रामीणों ओर पुलिस को सूचना दी, मांडलगढ़ थाना प्रभारी शिवचरण टीम के साथ मौके पर पहुँचे, और नवजात को कब्जे में लेकर मांडलगढ़ के सरकारी अस्पताल में लेकर आए।जहाँ चिकित्सकों ने नवजात बालिका का जन्म थोड़ी देर पहले होना बताया, बालिका का स्वास्थ्य परीक्षण किया। जिसमें वह स्वस्थ एवं परिपूर्ण पाई गई। पुलिस ने नवजात बालिका को भीलवाड़ा में बाल कल्याण समिति को ले जा कर सौंप दिया हैं, जहाँ उसका चिकित्सकों की निगरानी में लालन -पालन किया जाएगा।

जहाँ बच्ची को फैंका गया, वहां आवारा कुत्ते मंडराते रहते हैं, लेकिन गनीमत रही कि एक महिला पॉलीथिन संग्रहण करती वहाँ पहुँच गई, जिससे नवजात बच्ची की जान बच गई। पुलिस ने अज्ञात महिला के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया हैं,प्रथम दृश्य मामला प्रेम प्रसंग में पैदाइश का लग रहा है, फिलहाल पुलिस कुमाता महिला की तलाश जुटी हैं।

# 'मोदी-भूपेंद्र की गारंटी अलवर को आगे ले जा सकती है'

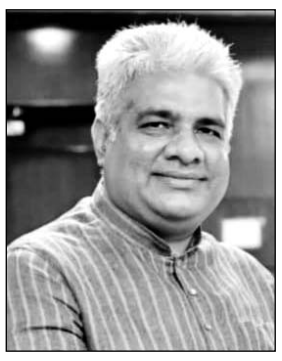

भूपेंद्र यादव।

ललित यादव।

फजल हुसैन।

**अलवर,** (निसं)। देश में होने जा रहे लोकसभा के प्रथम चरण के चुनाव का प्रचार थम चुका है। 19 अप्रैल को अलवर क्षेत्र के 20 लाख से ज्यादा मतदाता प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला ईवीएम मशीन का बटन दबाकर बंद कर देंगे। अलवर की जनता 5 साल के लिए फिर से अपना एक बार देश की सबसे बडी पंचायत में सांसद जिताकर सेवक चुनने के लिए जा रही है। 2024 के चुनाव में भाजपा से केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव मैदान में है तो कांग्रेस ने अलवर की मुंडावर विधानसभा से विधायक ललित यादव को टिकट देकर दांव चला है। बसपा से पूर्व मंत्री चौधरी चाहिए हुसैन के बेटे फजल हुसैन किस्मत आजमा रहे हैं।

जनता का मूड इस बार क्या है। क्या इस बार भी जनता मोदी पर भरोसा कर अलवर में हैट्रिक लगाएगी। वोटर 2024 के होने जा रहे चुनाव में मोदी की गारंटी को और मोदी की गारंटी पर अलवर से चुनाव लड रहे भूपेंद्र यादव को किस नजरिया से देख रही है। लोगों का मानना है मोदी, भूपेंद्र की गारंटी देश में अलवर को आगे लेकर जाएगी। दूसरी तरफ कांग्रेस प्रत्याशी मुंडावर विधायक ललित यादव स्थानीय के मुद्दे पर चुनाव लड रहे हैं। लोगों का मानना है कि राजस्थान में भाजपा की सरकार और केंद्र में मोदी आएंगे ऐसे

■ अलवर में दो यादव के बीच हो रहे चुनाव को कांग्रेस-भाजपा व अपने पराए से ऊपर उठकर विकास पर देखा जा रहा है

में कांग्रेस के ललित यादव अलवर के लिए क्या विकास कर पाएंगे यह एक बडा सवाल जनता के दिलों दिमाग में चल रहा है। लोगों के दिलों दिमाग में यह भी स्पष्ट है कि भूपेंद्र यादव जीतकर मंत्री बनेंगे। यह बात अलग है कि 2014 और 2019 के चुनाव में जनता ने केवल मोदी के नाम पर वोट किए और इस बार जनता मोदी के साथ भूपेंद्र को देखकर वोट कर रही है।

अब भूपेंद्र यादव 2019 के जीत के आंकडे को पार करते हैं या नहीं परंतु शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले लोगों के मूड को देखकर यह कहा जा सकता है कि भूपेंद्र यादव चुनाव जीत रहे हैं और अच्छे वोटों से जीत रहे है। यह बात अलग है कि 370 प्लस बूथ को जीतने में भाजपा को कहां तक सफलता मिलती है। अलवर में दो यादव के बीच हो रहे चुनाव को कांग्रेस भाजपा व अपने पराए से ऊपर उठकर विकास पर देखा जा रहा है। लोगों का कहना है कि चुनाव से पहले सब उम्मीदवार विकास के बडे बडे दावे करते हैं

राजस्थान में भाजपा की सरकार बन चुकी है जो 5 साल तक रहने वाली है। देश में मोदी की सरकार बनने जा रही है। ऐसे में अलवर का विकास कौन करा सकता है यह सबके सामने स्पष्ट है। गांव और शहर में रहने वाले लोग यह भी मानते हैं कि भूपेंद्र यादव जैसा कद्दावर नेता अलवर को फिर दोबारा से मिलने वाला नहीं है। अलवर में कांठोस को चुनाव की शुरुआत में ही कांग्रेस के कद्दावर एवं पूर्व सांसद करण सिंह यादव अलवर जिला प्रमुख बलबीर छिल्लर सहित बडी संख्या में कांग्रेस को छोड़कर जाने से भी झटका लगा है। जब कार्यकर्ता और नेता ही पार्टी छोड़कर चले जाए तो फिर मतदाता सोचने के लिए मजबूर हो जाता है कि वोट दे या ना दे। प्रियंका गांधी का दो दिन पहले अलवर में हुआ रोड शो फ्लॉप हो गया रही सही कसर रोड शो के दौरान मुस्लिम समुदाय के बड़े नेता व रामगढ़ से विधायक जुबेर खान के साथ बदसलूकी के बाद कांग्रेस नेताओं में ही टकराव की स्थिति बन गई। यह भी कांग्रेस के लिए बड़ा नुकसान का कारण साबित हो रहा है।

# वाहन चोरी का शातिर आरोपी पकड़ा

**जोधपुर,** (कासं)। शहर की महामंदिर पुलिस ने शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार कर चोरी की एक बाइक को जब्त किया है। आरोपी से पूछताछ में पता लगा कि उसने पिछले डेढ माह में दस वाहन चोरी किए है। आरोपी नशे का आदी है और शौक मौज की पूर्ति के लिए वाहन चुराता है। उसकी निशानदेही पर अन्य गाडिय़ों की बरामदगी के प्रयास किए जा रहे है।

थानाधिकारी शिवलाल मीणा ने बताया कि 15 अप्रेल को पृथ्वीपुरा रसाला रोड निवासी दिनेश बारासा ने रिपोर्ट दी कि उसके घर के सामने खड़ी उसकी बाइक 13 अप्रेल की रात को चोरी हो गई। 14 की सुबह उठने पर उसे पता लगा। तब उसने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई। आरोपी का पता

■ आरोपी ने मार्च-अप्रेल के मध्य में दस वाहनों को चुराया है

लगाने के लिए पुलिस की एक टीम हैडकांस्टेबल सतीशचंद, कांस्टेबल प्रकाश, गोपाल, रजनीश एवं सुरेश की गठित की गई। पुलिस की टीम ने आरोपी पृथ्वीपुरा रसाला रोड हरिजन बस्ती निवासी आशिष गुजराती गुजराती को गिरफ्तार किया है। आरोपी से चोरी की बाइक को जब्त किए जाने के साथ पूछताछ में पता लगा कि उसने मार्च -अप्रेल के मध्य में दस वाहनों को चुराया है।

## युवक की मौत

**बाप,** (निसं)। बाप उपखंड क्षेत्र के रावरा गांव निवासी एक युवक की नहर में गिरने से मौत हो गई। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को ग्रामीणो के सहयोग से बाहर निकलवा कर बाप स्थित सीएचसी की मोर्चरी में रखवाया है। राजूराम पुत्र रेंवतराम निवासी रावरा ने पुलिस को बताया कि उसका भाई कानाराम की दिमागी हालात ठीक नही है। मंगलवार को भी वह घर से निकल गया था। उसे बाप में तथा शाम करीब 7 बजे 42 आरडी भींवजी का गां नहर में पानी पीते देखा गया था। लेकिन रात को घर नहीं लौटा। रात भर तलाश करने के बाद भी वही नही मिला। बुधवार सुबह 42 आरडी के पास लगी जाली मे अटका हुआ उसका शव मिला। परिजनो ने पुलिस को दी रिपोर्ट मे बताया कि संभवत- नहर में पानी पीते समय पैर फिसलने से वह नहर में गिर गया। जिससे पानी में डूबने से उसकी मौत हो गई।

# अपहरण व मारपीट के तीन आरोपी पकड़े

**बालोतरा,** (निसं)। पुलिस अधीक्षक कुन्दन कंवरिया के नेतृत्व में पुलिस टीम ने एक शानदार कार्यवाही करते हुए अपहरण और मारपीट के आरोप में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार मुकेश नाई नामक व्यक्ति ने थाना बालोतरा में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 25 अप्रैल 2023 को रात 10-11 बजे जब वह अपनी मोटरसाइकिल से छतरीयों मोर्चा से सेकेन्ड फाटक जा रहा था, तब आरोपी पनालाल, हरिश, किशोर, भगाराम, कमलेश, करण, अजय और दो अन्य लोगों ने उसे रोककर मारपीट की। इसके बाद, उसे उठाकर पनालाल के घर ले जाया गया जहाँ उसके हाथ-पैर बांधकर उसके साथ फिर से मारपीट की गई। आरोपियों ने पुलिस को भी बुलाया और झूठे आरोप लगाकर मुकेश को पुलिस को सौंप दिया।

शिकायत की गंभीरता को देखते हुए, पुलिस अधीक्षक ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्रकुमार के सुपरविजन में एक टीम का गठन किया। वृत्ताधिकारी मनीषा गुर्जर के नेतृत्व में टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार किशोर कुमार (50) पुत्र घेवरचन्द जाति माली, उम्र निवासी बालोतरा,कमलेशकुमार (23) पुत्र किशोरकुमार जाति माली, निवासी बालोतरा, करण (24)पुत्र पुखराज जाति माली, निवासी बालोतरा कों गिरफ्तार किया।

## बाइकों की भिड़ंत, चाकू से हमला किया

**शाहपुरा,** (निसं)। कस्बे के बांडी मोहल्ला में दोपहर के लगभग दो बाइकों में आमने-सामने भिड़ंत हो गई गुस्साए। गुस्साए युवक द्वारा आपसी बोलचाल के बाद दीपेंद्र सिंह खंगारोत पर चाकू से हमला कर दिया।

हमले में चाकू का वार से हाथ में कट लग गया। गनीमत रही की चाकू की पेट में नहीं लगी। देखते ही देखते लोग एकत्रित हो गए तथा घायल को बिठाया फिर चिकित्सालय पहुंचाया गया। घायल दीपेंद्र सिंह का प्राथमिक उपचार के बाद पुलिस थाने में पहुंचे, इस दौरान राजपूत समाज के काफी संख्या में नौजवान थाने के बाद एकत्रित होकर कार्रवाई की मांग करने लगे।

मोहसिन देशवाली के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस द्वारा मामले में तुरन्त कार्रवाई करते हुए पुलिस उपाधीक्षक रमेश तिवाड़ी के निर्देशन में थानाधिकारी महावीर प्रसाद शर्मा द्वारा मोहसिन देशवाली व राजू धाकड़ को हिरासत में लिया।

# जंगल के बीच नाले को पार कर मतदान कराया

**उदयपुर,** (निसं)। भारतीय लोकतंत्र पूरे दुनिया के लिए अचरज का कारण बना हुआ है। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की निर्वाचन प्रक्रिया तो कई विश्वविद्यालयों के लिए अध्ययन का विषय बनी हुई है।

लोकतंत्र की मजबूती जहां एक तरफ मतदाताओं के उत्साह पर निर्भर है, वहीं दूसरी ओर मतदान प्रक्रिया में जुटे कार्मिकों के समर्पण में भी निहित है। इसकी बानगी होम वोटिंग के दौरान देखने को मिल रही है। मतदान दल हाथों में वोटिंग की सामग्री थामे पथरीली राहों पर कई किलोमीटर पैदल चल कर मतदाताओं के घर पहुंच कर वोटिंग करा रहे हैं। उदयपुर संसदीय क्षेत्र में अरावली की उपत्यकाओं के बीच स्थित गोगुन्दा विधानसभा क्षेत्र दुर्गम स्थल माना जाता है। यहां पहाड़ियों, जंगलों और नदी नालों के बीच जनजाति आबादी निवास करती है।

होम वोटिंग टीमें तमाम भौगोलिक विषमताओं के बावजूद कर्तव्य निर्वहन

गोगुन्दा क्षेत्र में मग्घा गांव जाने के लिए होम वोटिंग टीम ने नाला पार कर वरिष्ठ नागरिक नोजकी देवी से मतदान कराया।

में पीछे नहीं हट रहे। बुधवार को गोगुन्दा विधानसभा क्षेत्र में मतदान दल क्रमांक 1 के पीठासीन अधिकारी और टीम जंगल में नाले को पैदल पार कर मग्घा गांव में वरिष्ठ नागरिक नोजकी देवी के घर पहुंचे और उनसे मतदान कराया। इससे पूर्व भी गोगुन्दा और झाडोल क्षेत्र में दुर्गम स्थलों पर मतदान टीमों के पहुंच कर मतदान कराने के उदाहरण सामने आ चुके हैं।

## 170 किलो मिल्क केक व 93 किलो मलाई बर्फी जब्त

**बून्दी,** (निसं)। बुधवार को एफएसटी टीम द्वारा की गई कार्रवाई में 172 किलो मिल्क केक व 95 किलो मलाई बर्फी को सेम्पल लेकर सीज किया गया।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी संजय सिंह ने बताया कि बुधवार को एफएसटी टीमबून्दीटीम द्वारा ईको गाडी वाहन संख्याआरजे 25न्। 3860 कोडिटेनकर कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बून्दी पर लाया गया। मौके पर वेन में लगभग 2-2 किलोठााम के मिल्क केक 86 बॉक्स गत्ता पैक तथा 5-5 किलोठााम के 19 बॉक्स मलाई बर्फ़ (दूध व शक्कर से निर्मित स्वीट्स) गत्ता पैक में रखे हुए थे। मौके पर सैंपल लेकर एमएफटीएल आईएस टेस्ट करवाया गया, जिसमें स्टैच पॉजिटिव पाया गया। जिला मुख्य चिकित्सा व स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ओ पी सामर के निर्देशानुसार मिलावट का शक होने पर एफएसएसए 2006 के तहत मिल्क केक व मलाई बर्फी के 2 नमूना जांच के लिए लेने की सूचना मौके पर खाद्य कारोबारकर्ताकों दी गई।

# चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी ने फांसी लगाई

**रावतभाटा,** (निसं)। रावतभाटा तहसील कार्यालय में कार्यरत चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी धनराज मेहरा के पुत्र ने बुधवार को अपने ही घर मे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

मृतक विष्णु मेहरा उम्र 23 वर्षीय पुत्र धनराज मेहरा निवासी इन्द्रा कॉलोनी रावतभाटा ने अज्ञात कारणों के चलते आत्महत्या कर ली। मृतक के पिता धनराज मेहरा बुधवार को प्रात: ही लोकसभा चुनाव के लिए चित्तौड़गढ़ चुनाव ड्यूटी पर निकले थे। मृतक के चाचा राजेन्द्र ने बताया कि उसके भतीजे ने घर पर पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली। घटना के समय विष्णु घर पर अकेला था। मृतक का भाई आकाश को जानकारी मिलते ही वह घर पहुंचा और पड़ोसियों को बुलवाकर उसे उपजिला अस्पताल रावतभाटा लेकर पहुंचा। जहां जांच के बाद ड्यूटी डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। रावतभाटा थानाधिकारी रायसल सिंह शेखावत ने जानकारी देते हुए बताया की रावतभाटा पुलिस ने उपजिला अस्पताल रावतभाटा पहुंचकर घटना की जानकारी ली। तथा शव को कब्जे में लिया। रावतभाटा पुलिस द्वारा शव मॉर्च्यूरी में रखवा दिया गया है। तथा शव का पोस्टमार्टम गुरूवार को किया जायेगा।

जानकारी के अनुसार एक सप्ताह पहले 11 तारीख को मृतक के नाना भैंसरोडगढ़ निवासी शंभूलाल मेहर का देहांत हो गया था। मृतक की माता सीमा भी घटना के समय भैंसरोडगढ़ में ही थी। मृतक के चार भाई है। विष्णु तीसरे नंबर का था। वह रावतभाटा स्थित एक बेकरी की दुकान पर काम करता था। पड़ोसियों ने बताया की मृतक विष्णु मेहरा शांत प्रवृति का अच्छा युवक था।

# कांग्रेस पार्टी में ईमानदारी से काम करने वालों को कठघरे में खड़ा किया जा रहा है : राजेन्द्र सिंह

**कोटपूतली,** (निसं)। लोकसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान की तारिख नजदीक आते-आते क्षेत्र का राजनैतिक माहौल लगातार गर्माता जा रहा है। गत दिनो आयोजित कांग्रेस की जनसभा में राजेन्द्र सिंह यादव को लेकर प्रदेश कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा की बोखलाहट देखने की मिली। रंधावा पूर्व मंत्री राजेन्द्र सिंह यादव के कांगेस छोड़ भाजपा में शामिल होने के बाद पूर्ण रूप से व्यथित नजर आए।

जयपुर ग्रामीण से कांग्रेस प्रत्याशी अनिल चौपड़ा के समर्थन में ग्राम मोलाहेड़ा में आयोजित जनसभा में प्रदेश कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने एआईसीसी महासचिव व पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट व राज्यसभा सांसद दीपेन्द्र सिंह हुड्डा की मौजूदगी में कहा था कि मैने राजेन्द्र सिंह यादव से पूछा था कि आप भाजपा में जा रहे हो तो उन्होंने मना किया था। रंधावा ने कहा कि यादव ने मुझसे व राजनैतिक रूप से जन्म देने वाली कांग्रेस पार्टी से विश्वासघात किया है। यादव कांग्रेस को खत्म करके गये है। उन्होंने पार्टी को धोखा दिया है, हम तो सह लेगें लेकिन उन्होंने भाजपा में जाकर राजनैतिक रूप से आत्महत्या कर ली है।

वहीं रंधावा के बयान पर प्रेस वार्ता में पलटवार करते हुये पूर्व मंत्री यादव ने कहा कि प्रदेश प्रभारी का बयान बहुत ही खेदजनक व दुर्भाग्यपूर्ण है, इससे क्षेत्रवासियों एवं यादव समाज में भारी आक्रोश व्याप्त

■ राजेन्द्र सिंह यादव ने कहा कांग्रेस में तानाशाही की स्थिति बनी

है। कांग्रेस पार्टी में ईमानदारी से काम करने वालों को कठघरे में खड़ा किया जा रहा है जबकि राजनैतिक षड्यंत्र के बावजूद भी मेरे समर्थन में कोई बयान नहीं दिया गया। केन्द्रीय एजेंसी ईडी व आईटी की सर्च के बावजूद भी मैने पार्टी के आदेश पर ईमानदारी से चुनाव लड़ा। लेकिन चुनाव के बाद बदले हुये हालातों में यह समझ में आया कि कांग्रेस में तानाशाही की स्थिति बन चुकी है। मैने इसलिए राजनैतिक रास्ता बदला है। पीठ में छुरा घोपने के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुये यादव ने कहा कि यह मेरे एवं मेरे समाज की फितरत में नहीं है। अगर मारना ही होता तो छाती पर लात मारते और सरकार गिरा देते। कांग्रेस पार्टी में जिलाध्यक्ष रहते हुये जयपुर ग्रामीण से 7 विधायक जितवाये। ज्यादातर नगर पालिकाओं व पंचायत समितियों में कांग्रेस को जीत दिलवाई। जितने दिन पार्टी में रहे ईमानदारी से कार्य किया। यादव ने कहा कि जिस तरह से बयान दिये जा रहे है कांग्रेस पार्टी की और दुर्दशा होने वाली है। कांग्रेस की सोच खिसियानी बिल्ली, खम्भा नोंचे वाली हो चुकी है। रंधावा साहब को मेरी चिंता नहीं करनी चाहिये, मैं लगातार भाजपा के लिये कार्य कर रहा हूँ। यहाँ का अनुशासन अच्छा लगा, वर्तमान में जो देश की स्थिति है, उसको लेकर भाजपा सही दिशा में कार्य कर रही है।

उन्होने कहा कि राम मंदिर पर कांग्रेस का स्टैंड क्या था दुनिया जानती है। कांग्रेस पार्टी दो धड़ों में बंटी हुई है। विषम परिस्थितियों में लगातार 05 वर्षो तक कार्य करना पड़ा। जिस तरह से चिढ़ कर बयान दिये जा रहे है यह प्रजातंत्र के हित में भी नहीं है। निश्चित रूप से भाजपा प्रचण्ड बहुमत से लोकसभा चुनाव में विजयी होगी। अगर रंधावा को कोई तकलीफ थी तो जिस दिन मैने कांग्रेस छोड़ी उसी दिन उन्हें प्रतिक्रिया देनी चाहिये थी।

रंधावा को कांग्रेस की फिक्र थी तो सभी को साथ लेकर बात करनी चाहिये थी। वे स्वयं एक व्यक्ति की कठपूतली बने हुये है। उनके राजस्थान सम्भालने के बाद प्रदेश में कांग्रेस की स्थिति बदतर हो गई। रंधावा एक व्यक्ति के लिये कांग्रेस को डुबोने में लगे हुये है। रंधावा स्वयं पंजाब में कांग्रेस की राजनीति से कुंठित है वो पंजाब में कांग्रेस को सुलटाकर आये है एवं राजस्थान में कांग्रेस को निपटाने में लगे हुये है। मैं भाजपा में किसी लालच या पद के लिये नहीं आया हूँ। मुझे मेरे क्षेत्र व लोगों की भलाई एवं विकास के लिये कार्य करना है। भजन लाल सरकार ने ईआरसीपी का जो मुद्दा सुलझाया है वह ऐतिहासिक कदम है। आने वाले दिनों में कोटपूतली को रेल लाईन से जोड़ना एवं जिले का सर्वांगीण विकास कराना मेरी प्राथमिकता है।

## संक्षिप्त

### मतदान के लिए किया जागरूक

**मालपुरा,** (निसं)। निर्वाचन विभाग द्वारा चलाये जा रहे मतदान जागरूकता सप्ताह के अन्तर्गत स्वीप टीम ने घुमन्तु जाति की बस्तीयों में केम्प लगा मतदान के प्रति जागरूक किया। स्वीप नोडल प्रभारी सतपाल कुमावत के नेतृत्व में सतरंगी सप्ताह के अन्तर्गत बुधवार को घुमन्तु जाति के लोगो के बीच पहुच टीम ने लोक नृत्य तथा जगदीश गुर्जर, बाबूलाल यादव, राजेन्द्र वर्मा, अमित पारीक ने मतदान से जुडे लोक गीतों की प्रस्तुतियों के माध्यम से महिला पुरूषो को वोट का महत्व व मतदान मेरा अधिकार के बारे में जागरूकता संदेश देते हुए नवीन राष्ट्र निर्माण के लिए लोकतंत्र के पर्व में 26 अप्रेल को जागरूक रहकर मतदान करने के लिए प्रेरित किया।

### राव राजेन्द्र के समर्थन में जनसंपर्क

**कोटपूतली,** (निसं)। चुनाव प्रचार के अन्तिम दिन जयपुर ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी राव राजेन्द्र सिंह के समर्थन में भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक डॉ. अशोक यादव ने बुधवार को विभिन्न गाँवों में जनसम्पर्क कर भाजपा के पक्ष में मतदान की अपील की। इस दौरान उन्होंने ग्राम देवता, छारदडा, चुरी, फतेहपुरा, कांसली, मोहनपुरा, जोधपुरा, कंवरपुरा आदि में भाजपा को प्रचण्ड बहुमत से जिताने की अपील की।

### 150 नेत्र रोगियों की जांच

**सांभरझील,** (निसं)। यहां अग्रसेन महाराजा की धर्मशाला में बुधवार को शंकरा आई हॉस्पिटल की तरफ से गोयल परिवार की ओर से भारती देवी की स्मृति में निशुल्क मोतियाबिंद जांच एवं लैंस प्रत्यारोपण शिविर लगाया गया। आयोजक रामावतार गोयल ने बताया कि निशुल्क शिविर में सांभर सहित आसपास के गांवों के 150 लोगों ने अपनी आंखों की जांच करवाई। शंकरा आई हॉस्पिटल के नेत्र विशेषज्ञ सहित स्टाफ ने अपनी सेवाएं दी। जांच में मोतियाबिंद के ऑपरेशन योग्य पाए गए 50 जनों का लैंस प्रत्यारोपण के लिए चयन किया गया तथा इतने ही लोगों को निशुल्क चश्मे का वितरण किया गया। जरूरतमंद को नेत्र रोग की निशुल्क ड्रॉप भी दी गई। शंकर हाई हॉस्पिटल में ऑपरेशन के लिए चयनित सभी को जयपुर बस द्वारा ले जाया गया। इससे पहले शिविर में उच्च रक्तचाप व शुगर की जांच की गई। शिविर के दौरान पवन मोदी, कमल गोयल, रामदयाल गोयल, प्रदीप गांधी, नारायण दास सबनानी, सलोनी पाराशर, रामरतन अग्रवाल, कन्हैयालाल सोढी, टीकम, प्रियंका पाराशर, नरेश आहूजा सहित अनेक की मौजूदगी रही।

### श्रद्धालुओं को बांटा शीतल पेय

**मनोहरपुर,** (निसं)। डॉ.भीमराव अम्बेडकर जयंती समारोह आयोजन समिति की औऱ से बुधवार को जोगियो का बास में रामनवमी पर आयोजित शोभायात्रा में श्रद्धालुओं को ठंडा पानी, शरबत एवं शीतल पेय पिलाया और रामनवमी की शुभकामनाएं दी। वितरण करने में समिति के सॉवर मल बिंवाल, सामाजिक कार्यकर्ता डॉ.पूरणमल बुनकर,कालूराम बुनकर, विनोद कुमार बिंवाल, ईश्वर वर्मा, पिंकेश वर्मा, मूलचंद बुनकर, मोहित कुमार, रामेश्वर आदि थे।


### तीये की बैठक



अत्यंत दुःख के साथ सूचित करते है कि हमारी पूजनीय माताजी **श्रीमती सुमित्रा कल्याण** (धर्मपत्नी स्व.श्री भानीरामजी कल्याण) का स्वर्गवास दिनांक 15.04.2024 को हो गया है। जिनकी तीये की बैठक गुरुवार 18.04.2024 को गोयल मैरिज गार्डन, मुरलीपुरा थाने के पास, मुरलीपुरा स्कीम पर शाम 5 से 6 बजे तक होगी।

**शोकाकुलः** ओंकारमल (जेठ), अनिल कल्याण- सपना (पुत्र- पुत्रवधू), सुनील कल्याण- अदिति (पुत्र- पुत्रवधू), अनिता- संजीव वर्मा (X.En- सिंचाई विभाग) (पुत्री- दामाद), सुनीता- राजेश गोठवाल (प्रबंधक-NSC) (पुत्री-दामाद) एवं शोकाकुल समस्त कल्याण परिवार।

**नम्बर मिलाइए 9587884433**



सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।


# पावटा में रामनवमी पर गूंजा रामलला का जयकारा



**श्रीराम जन्मोत्सव पर लवाजमे के साथ भव्य शोभायात्रा व भगवा रैली निकाली गई। इस अवसर पर युवाओं, समेत बच्चों और महिलाओं में भी गजब का जोश दिखा।**

- शोभायात्रा व भगवा रैली में उमड़े श्रद्धालु
- सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस का जाप्ता रहा मौजूद

**पावटा,** (निसं)। पावटा, प्रागपुरा सहित क्षेत्रों में बुधवार को रामनवमी पर्व धूमधाम से मनाया गया। रामनवमी पर हिंदू जागरण समिति व हिंदू उत्सव समिति पावटा प्रागपुरा द्वारा ग्रामीणों के सहयोग से श्रीराम जन्मोत्सव पर पूरे लवाजमे के साथ भव्य शोभायात्रा व भगवा रैली निकाली गई। इस अवसर पर युवाओं, समेत बच्चों और महिलाओं में भी गजब का जोश दिखा।

रामनवमी भव्य शोभायात्रा में तरह तरह की झाकियों के साथ बच्चे, महिलाएं, बुजुर्ग, युवा कार्यक्रम के साक्षी बने। हिंदू उत्सव समिति पावटा के नेतृत्व में पावटा स्थित मोदी मंदिर से गोपाल भैया महंत मोहनदास महाराज द्वारा व प्रागपुरा मे गूजेडा धाम मंदिर से महंत भगवत दास महाराज द्वारा भगवान राम की विधिवत पूजा अर्चना के साथ शोभायात्रा का शुभारभ किया गया। भगवान राम के जन्मोत्सव पर भव्य शोभायात्रा व भगवा रैली मे आस्था का जनसैलाब उमडा। मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम के प्रति अगाध विश्वास है। यही वजह है कि रामनवमी के दिन पूरा शहर राममय हुआ। हवा में लहराते भगवा ध्वज पर पुष्प वर्षा कर श्रीराम नाम के उद्घोष से पूरा क्षेत्र गुंजायमान हो गया। वही भगवान श्रीराम की शोभायात्रा व भगवा रैली में पावटा व प्रागपुरा मे आकर्षक झाकिया, पुष्प वर्षा, शौर्य प्रदर्शन, महाआरती व प्रागपुरा में शोभायात्रा के दौरान प्रसिद्ध अघोरी शिव तांडव नृत्य, प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा हनुमान जी की 10 फीट ऊँची जीवित झांकी, शौर्य प्रदर्शन, अखाडा जयपुर, राजशाही राम दरबार की महाझांकिया, पुष्प वर्षा व महाआरती विशेष आकर्षण रहे। वही इस दौरान बस्तीनाथ महाराज ने कहा कि भगवान श्रीराम जन-जन और कण कण में व्याप्त है। उनका जन्मोत्सव जनमानस का लोकोत्सव हैं।

वही सर्व समाज द्वारा जगह जगह शोभायात्रा का स्वागत कर रामभक्तो के लिए जलपान की व्यवस्था की गई। वही इस दौरान शोभा यात्रा व भगवा रैली में सुरक्षा दृष्टि को लेकर पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा के दिशा निर्देशन में वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर डीएसपी रोहित सांखला, थाना प्रभारी राजेश मीणा सहित पुलिसकर्मी, महिला पुलिस का जाप्ता नगर की सडकों पर रहे। वही इस दौरान शोभा यात्रा व भगवा रैली में हिंदू उत्सव समिति पावटा व हिंदू उत्सव समिति प्रागपुरा के आयोजकों सहित जनप्रतिनिधि व हजारों की संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

## सार-समाचार

### मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण



**निवाई,** (निसं)। संभागीय आयुक्त व महानिरीक्षक पुलिस रेंज अजमेर ने निवाई विधान सभा क्षेत्र के कई मतदान केन्द्रों का दौरा कर निरीक्षण किया तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिए। संभागीय आयुक्त महेश चंद्र शर्मा व पुलिस महानिरीक्षक अजमेर रेंज लता मनोज कुमार ने अतिसंवेदन व संवेदनशील मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने मतदान केन्द्रों पर भौतिक सुविधाओं में छाया, पानी, टेंट, बिजली, रैम्प, विश्राम कमरा व चार दिवारी सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने अतिसंवेदनशील व संवेदनशील मतदान केन्द्रों पर अतिरिक्त पुलिस जाप्ता लगाने,चुनाव दिवस से पूर्व पुलिस गश्त बढाने पर जोर दिया। क्षेत्र के संदिग्ध व सामाजिक तत्वों पर भी नजर रखने के निर्देश दिए। दिव्यांगों के लिए ट्राई साईकिल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। संभागीय आयुक्त व महानिरीक्षक ने मतदान केन्द्र पहाडी, मूण्डिया व गुंसी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उनके साथ तहसीलदार नरेशकुमार गुर्जर व निर्वाचन शाखा प्रभारी अमित जोशी मौजूद थे।

### मतदाता हस्ताक्षर अभियान का आगाज

**कोटपूतली,** (निसं)। स्वीप कार्यक्रम गतिविधियों के अंतर्गत सतरंगी सप्ताह के तहत बुधवार को लाल कलर थीम की रंगोली बनाई गई। लालच पर होती चोट सोच समझकर करेंगे वोट स्लोगन को लेकर पंचायत समिति में वोट वृक्ष एवं दीपदान का आयोजन किया गया। साथ ही मतदाता हस्ताक्षर अभियान का आगाज किया गया। शपथ ली गई, वोटर को बूथ पर सुविधा की जानकारी दी गई। मतदाता मार्गदर्शिका, सी विजील एप, सक्षम एप, वोटर हेल्पलाईन की जानकारी दी गई। नारा लेखन एवं मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई। ग्राम पंचायत स्तर पर ग्रामीणों को डोर टू डोर एवं चौपाल पर जाकर समझाया गया। शत्-प्रतिशत मतदान करने पर जोर दिया गया एवं वोट के महत्व को समझाया गया। इस दौरान बीडीओ राजकुमार बायला, नगर परिषद आयुक्त धर्मपाल जाट, रूपेंद्र कुमार आर्य, स्वीप प्रभारी शेरसिंह कटारिया, आत्माराम, सुभाष रावत, सुभाष पारीक, जयसिंह यादव, जीतू आर्य, दौलत सिंह, प्रताप सैनी, लीलाराम, सतीश गुर्जर, गंगाराम, संजय छावडी, प्रमोद सोनी सहित स्टॉफ उपस्थित रहा।

### भगवान श्रीराम की भव्य शोभायात्रा

**निवाई,** (निसं)। श्री सनातन धर्म सत्संग के तत्वावधान में बुधवार को रामनवमी के पावन पर्व पर गाजे बाजे के साथ श्रीराम की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। समाजसेवी दिनेश ईटावा एवं राहुल अग्रवाल ने बताया कि बडा बाजार स्थित चारभुजा मंदिर से विधिवत पूजा अर्चना करके शोभायात्रा निकाली गई। देवानंद नेभाणी ने बताया कि रामनवमी महोत्सव को लेकर शोभायात्रा में शहर सहित गामीण क्षेत्र से श्रद्धालुओं की भीड उमड पडी। इस दौरान शोभायात्रा में भगवान श्रीराम की मनोरम झांकी, श्रीराम सुन्दर काण्ड मण्डल द्वारा संगीतमय सुंदरकांड पाठ, विश्वनाथ मण्डल एवं महिलाओं द्वारा भजन कीर्तन, सनातन धर्म सत्संग मण्डल द्वारा रामधुनि की गई।

## रामनवमी पर निकाली भगवान श्रीराम की शोभायात्रा

**श्रीमाधोपुर,** (निसं)। शहर में रामनवमी के पावन पर्व पर रघुनाथ मंदिर परिसर से भगवान श्रीराम की भव्य शोभायात्रा निकली। इसमें झांकियां प्रमुख आकर्षण का केन्द्र रहीं। गाजे बाजे एवं बग्गी के साथ निकली भगवान श्रीराम की विशाल शोभायात्रा में बडी संख्या में कस्बेवासी शामिल हुए। शोभायात्रा में युवा जहां बडी बडी ध्वजाएं हाथों में लेकर लहरा रहे थे वहीं श्रीराम के जयकारे भी लगा रहे थे जिससे पूरा माहौल राममय हो गया।

शोभायात्रा की तैयारी कई दिनों से की जा रही थी जिसके बाद बुधवार रामनवमी पर्व पर धूमधाम से श्रीराम की शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें एक से बढकर एक झांकियां भी सजाई गई। झांकियों में भगवान श्रीराम, हनुमान, वनवासी राम, लक्ष्मण, सीता सहित अश्वों पर भी झांकियां बनाई गईं जो आकर्षण का केंद्र रहीं। शोभायात्रा में अधिकांश लोग भगवा कुर्ता पहनकर भगवा दुपट्टा डाले नजर आए साथ ही सभी के माथे पर तिलक लगा हुआ था। इस दौरान छोटे छोटे बच्चों में भी रामनवमी को लेकर गजब का उत्साह नजर आया। शोभायात्रा शहर के प्रमुख मार्गों गोपीनाथ मंदिर, खंडेला बाजार, चौपड़ बाजार, सुराणी बाजार, खटोडा बाजार, अस्पताल चौराहे होते हुए मंदिर परिसर पहुंची। शोभायात्रा में कस्बे वासियों ने जगह-जगह पुष्प वर्षा की वहीं जलपान की भी व्यवस्था की गई जहां भगवान की महाआरती के साथ शोभायात्रा का समापन किया गया। इस दौरान थानाधिकारी जयसिंह बसेरा के नेतृत्व में महिला कांस्टेबल, पुलिस जाप्ता. सिटी फिटर इंचार्ज लक्ष्मीकांत कुमावत के नेतृत्व में बिजली विभाग के कर्मचारी बरेली के साथ ही थे। इस दौरान पालिकाध्यक्ष हरिनारायण महंत, सत्यनारायण खांडल, रवि प्रजापत, मुकेश शर्मा, दिपेंद्र योगी, अजय मिश्रा, नन्दकिशोर नांगलका, कन्हैयालाल चौरसिया, सतनारायण सेन, बुद्धि प्रकाश जोशी, अजय मिश्रा, दिलीप सिंह शेखावत, राजू सेन, सरदार रतन सिंह, एडवोकेट अमित ठठेरा, आशुतोष कुमावत, भारत पेंटर कालूराम सैनी, दीना खाकीवाला, जीतू महंत, सत्यनारायण शर्मा, नवीन ठठेरा, गणेश सैनी, घनश्याम डोरवाल, ए वन इंटरनेशनल स्कूल के अनिल मारवाल, मंजू थापर के पदाधिकारी, भक्तजन सहित हिंदू संगठनों से जुडे लोग कार्यकर्ता व महिलाएं मौजूद रही।

## फुलेरा में रेल परिसर के क्वार्टरों में चोरों ने की चोरी की वारदात



**फुलेरा में चोरी की घटनाओं से कर्मचारियों में पुलिस के प्रति आक्रोश व्याप्त है।**

**फुलेरा,** (निसं)। फुलेरा के रेलवे परिसर में चोरों के हौसले बुलन्द नजर आ रहे है। जहां गत दिनों रामलीला ग्राउण्ड स्थित रेलवे शिव मन्दिर से चोरों द्वारा ताले को कुन्दे सहित उखाड़कर चांदी का मुकुट व छत्तर चोरी कर ले जाने के मामले का पुलिस अभी तक कोई सुराग नहीं ढूंढ सकी ना ही कोई खुलासा हुआ। इसी तरह चोरों ने वहीं मन्दिर के पास स्थित दो क्वार्टरों में मंगलवार की रात्रि में कुंदे सहित ताले को निकालकर लाखों रुपये के माल पर हाथ साफ कर किया।

जानकारी देते हुए रेलवे शिव मन्दिर के पुजारी पण्डित मुरारी लाल सिंवाल ने बताया कि रेलवे क्वार्टर में रहने वाले रेल कर्मचारी रामदुलारे यादव अपने पुत्र की शादी का कार्यक्रम आयोजित करने के लिए कानपुर उत्तरप्रदेश गए हुए थे। इसके चलते पडोसियों की सूचना पर यादव ने अपने परिचितों को फोन कर कर चोरी की घटना का खुलासा करते हुए बताया कि चोर क्वार्टर में लगी हुई एक बडी एलईडी, दो लैपटॉप, सोने का नारियल, गुल्लक में रखे हुए रुपये, चांदी के सिक्के, फ्रीज में रखा हुआ करीब 15 किलो देशी घी व किराणा का पूरा सामान चुरा ले गए। इसी तरह वहीं पडोस में रह रहे एक ट्रेन गार्ड के यहां भी चोरों ने क्वार्टर में रखा हुआ पूरा किराणा का समान चुराकर ले गये। साथ ही क्वार्टर के दरवाजों के ताले तोड गए। दोनों चोरियों का एक ही पैटर्न नजर आ रहा है। सूचना पर थानाधिकारी बाबूलाल मीणा ने मौके पर पहुंचकर घटना स्थल का जायजा लिया और असमाजिक तत्वों के बारे में पूछताछ की। साथ ही थानाधिकारी मीणा ने बताया कि चोरों की तलाश जारी है। जबकि कर्मचारियों में उक्त चोरी की घटनाओं को लेकर प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है।

## लोधा समाज के 51 जोड़े बंधे हमसफर

**चाकसू,** (निसं)। श्री कृष्णा गुरु दुर्वाषा ऋषि सेवा समिति जयसिंहपुर चाकसू के तत्वाधान में रामनवमी पर लोधा समाज के 51 जोडों का सामूहिक विवाह सम्मेलन संपन्न हुआ। कुर्सियों पर विराजमान दूल्हे और दुल्हन, संगीत से माहौल को पुलकित करतीं बैंड बाजों की धुनें और फूल बरसाते लोग। सामूहिक विवाह समारोह में दूल्हों की बारात देखकर हर चेहरा खुशी से खिल रहा था। अखिल भारतीय लोधा समाज समिति अध्यक्ष कल्याण सिंह लोधा की अध्यक्षता में सम्मेलन समापन का समापन हुआ। उन्होंने अपने उद्बोधन में समाज के लोगों से कहा कि बेटी और बेटा एक समान हैं, समाज में दोनों की भागीदारी बराबर है। बेटियों की शिक्षा पर ध्यान देना होगा इस मौके पर कोटा से प्रबोधानंद राष्ट्रीय संरक्षक, मुरली राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय लोधा महासभा।जयपुर से बृजपाल महासचिव, सोभाग, देवेंद्र लोधा, लोधी विकास समिति जयपुर विधायक रामावतार बैरवा व निवाई विधायक राम सहाय बजरंग दास महराज सरपंच संघ अध्यक्ष कानाराम बागडा सरपंच रामजी लाल यादव एवं अन्य पार्षद गण क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि जितेंद्र सिंह व सरपंच प्रतिनिधि किशन लाल लोधा पार्षद भवानी सिंह पूर्व मन्दिर अधक्ष बजरंग समेत समाज के हजारों लोग मौजूद रहे।


**आम सूचना** सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि एक प्लाट नम्बर ए-107, पीताम्बरा योजना, आगरा रोड़, जयपुर, राजस्थान में स्थित है, उक्त प्लाट को श्रीमती केशन्ती मीना धर्मपत्नि श्री रमेश चन्द मीणा ने श्री रमेश चन्द्र अग्रवाल एवं श्री राजबिहारी अग्रवाल पुत्रान् स्वर्गीय श्री गोरधन लाल अग्रवाल से खरीद करने का इकरार किया है तथा उक्त प्लाट की खरीद हेतु श्रीमती केशन्ती मीना ने एचडीएफसी बैंक लिमिटेड से ऋण हेतु आवेदन भी किया है, यदि उक्त प्लाट के विक्रय/हस्तांतरण इत्यादि के सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति/व्यक्तियों, संस्था, कम्पनी इत्यादि को किसी भी प्रकार की आपत्ति, आक्षेप इत्यादि हो तो प्रकाशन तिथि से 7 दिन (सात दिन) की अवधि में मुझे सूचित करें, अन्यथा बाद मियाद आपत्ति अमान्य मानी जावेगी तथा उक्त प्लाट के विक्रय पत्र का विधिवत् पंजीयन श्रीमती केशन्ती मीना के हित में करा दिया जायेगा।
दिनांक-15/4/24 Shashank Tikkiwal, Advocate
स्थान-जयपुर मो.नं.9166400777

### खोया पाया

संजय बाजार व्यापार मंडल समिति जयपुर के प्रमाण पत्र एवं विधान व नियमावली के मूल दस्तावेज सांगानेरी गेट के आस-पास कहीं खो गए है। मिलने पर सूचित करें। विष्णुदत्त शर्मा (महासचिव)- 9414222527

मेरे प्लाट नम्बर 73 ए गोविंद नगर, आगरा लिंक रोड शांति नगर गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड जयपुर का पट्टा आगरा रोड़ जयपुर पर कही गिर गया है। मिलने पर सूचित करें- रामावतार शर्मा, खतेहपुरा चावन्डिया, जयपुर, 9829284348


# चैत्र नवरात्र का समापन, कन्याओं का पूजन किया



**श्री दुर्गा माता मन्दिर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी।**

**कोटपूतली,** (निसं)। श्रीराम नवमी के पर्व पर बुधवार को चैत्र नवरात्र का समापन हुआ। इस मौके पर घर-घर में कन्या पूजन कर नवरात्रे उठाये गये। अल सुबह से ही कस्बे में जगह-जगह कन्या जिमन के साथ-साथ घट विसर्जन का कार्य देखने को मिला।

वहीं बुधवार शाम को कस्बे में विभिन्न जगहों पर स्थित माँ दुर्गा के मन्दिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड देखने को मिली। पूतली रोड स्थित श्री दुर्गा माता मन्दिर में पुजारी योगेश शर्मा ने मन्दिर में घट एवं ज्वार विसर्जन का कार्य सम्पन्न करवाया। इस दौरान बडी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड उमडी। जहां श्रद्धालुओं ने पंगत प्रसादी भी ग्रहण की। गंगा कॉलोनी स्थित शिव-हनुमान दुर्गा मंदिर में जड़ी-बूटियों से चण्डी यज्ञ का आयोजन किया गया। मंदिर के महंत पं. नरेन्द्र शर्मा ने विशेष पूजा-अर्चना की।

राम भवन स्थित दुर्गा माता मन्दिर में पं. पुरूषोत्तम तिवारी द्वारा हवन पूजन करवाया गया। ओमप्रकाश बंसल द्वारा हलवा, पूरी व सब्जी का भोग लगाकर प्रसाद वितरित किया गया। मुख्य चौराहे स्थित श्री जीण माता मन्दिर में घट एवं ज्वार विसर्जन का कार्य सम्पन्न करवाया गया।

## सर्टिफिकेट एवं अवार्ड वितरण कार्यक्रम आयोजित

**फुलेरा,** (निसं)। कस्बे की नरैना रोड स्थित गार्डन में फ्लाई हाई एडवांस्ड इंस्टीट्यूट का सर्टिफिकेट एवं अवार्ड वितरण समारोह आयोजित हुआ। इस दौरान कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप ऑल इण्डिया ड्राईविंग स्कूल फैडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गिरीश शर्मा रहे।

विशिष्ट अतिथि के रूप में राजस्थान सरकार असिस्टेंट-डायरेक्टर पी आर प्रमोद वैद्याब, कोटीवेशनल स्पोकर प्रोफेसर ए. के. सिंह , संजय बैनाडा फाउण्डर ऑफ तक इंफ्रा स्ट्रक्चर रहे। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता व्यापार महासंघ फुलेरा अध्यक्ष मनोज आहूजा द्वारा की गयी। कार्यक्रम के दौरान आगन्तुक अतिथियों को माला पहनाकर स्वागत अभिनन्दन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नितिन शर्मा ने बताया कि फ्लाई हाई एडवांस्डइंस्टीट्यूट क्षेत्र के होनहार युवाओं को आगे बढ़ने के लिए हर क्षेत्र में मुकाम हासिल करने का माध्यम है। जिसमे होनहार युवा अपना भविष्य मंचो पर एक दूसरे से संबाद कर, अंठोजी भाषा का अध्ययन कर, नृत्य एवं संगीत के माध्यम से अपना भविष्य सुनिश्चिर कर रहे है। जो कि हर व्यक्ति अपने जीवन में करना चाहता है। इसके चलते शर्मा ने क्षेत्र के युवाओं को इस इंस्टीट्यूट के जरिये उस मुकाम एकपहुँचाया है। गौरतलब है कि नितिन शर्मा ने कडी मेहनत के दम पर महामहिम राज्यपाल के द्वारा भी अवार्ड और गोल्ड मेडल से सम्मानित होकर क्षेत्र की अलग पहचान बनाई है। जिससे क्षेत्र के युवा बहुत प्रभावित हुए हैं। इसी क्रम में नेशनल एडमिशन्स सिल्वर-आके पूनिवर्सिरी अहमदाबाद के मैनेजर सुमित राणा ने बच्चों को पुरस्कृत करते हुए उनका मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम में फ्लाई हाई इन्टीरियर्स के संस्थापक संजय शर्मा, एम कृष्णा अठावाल, अजय अठावाल नन्दराम, सुन्दरदास सदारंगानी, भंवर गुर्जर, विनोद वर्मा सहित अन्य कई लोग उपस्थित रहे।


**मणिभवनम होम फाइनेंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड**

**वित्तीय संपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण और सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13(2) के तहत नोटिस**

वित्तीय संपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के प्रावधान के तहत, नीचे हस्ताक्षरकर्ता प्राधिकृत अधिकारी है, मणिभवनम होम फाइनेंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का पंजीकृत कार्यालय दूसरी मंजिल, एन-2, साउथ एक्सटेंशन पार्ट-1, नई दिल्ली-110049 पर है। (इसके बाद "एमबीएचएफ" के रूप में संदर्भित), जिसे केंद्रीय सरकार द्वारा दिनांक 25.08.2021 की एक अधिसूचना के माध्यम से, प्रतिभूतिकरण के प्रयोजनों के लिए एक वित्तीय संस्थान के रूप में माना जाने के लिए अधिकृत किया गया है। और वित्तीय संपत्तियों का पुनर्निर्माण और सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002, आपको निम्नलिखित नोटिस जारी करता है:-

**उधारकर्ता/ बंधककर्ता/ गारंटर का नाम और पता:** 1. कृष्णा कुमावत पुत्र श्रीचंद कुमावत पता: पी-56ए, लक्ष्मी नगर 6, अकेरपुरा, रोड नंबर 17, वीकेआई एरिया, जयपुर, राजस्थान इसके अलावा प्लॉट नंबर 16-ए, गणेश विहार कॉलोनी, बिंदायका वार्ड नंबर 16, जयपुर, राजस्थान 2. काजल कुमावत पुत्र कृष्णा कुमावत पता: पी-56ए, लक्ष्मी नगर 6, अकरपुरा, रोड नंबर 17 वीकेआई एरिया, जयपुर, राजस्थान इसके अलावा प्लॉट नंबर 16-ए, गणेश विहार कॉलोनी, बिंदायका वार्ड नंबर 16, जयपुर, राजस्थान 3. [illegible] पता: 273 ग्रीन नगर, आपणो गांव रोड नंबर 14, वीकेआई एरिया, जयपुर, राजस्थान

**ऋण खाता संख्या:- HL00000001180**
**प्राप्त ऋण राशि : रु. 5,40,000/- (पांच लाख चालीस हजार रुपये मात्र)**
**दिनांक 13(2) नोटिस : 21.03.2024** **एनपीए दिनांक : 10.03.2024**

मांग तिथि और राशि धारा:13 (2) सरफेसी अधिनियम के अनुसार सूचना: दिनांक 18.03.2024 को रु.4,10,056.02/- (मात्र चार लाख दस हजार छप्पन रुपये)

**बंधक सूचना: संपत्ति सं. 1: प्लॉट नंबर 134, स्कीम बालनाथ नगर 8, सिरसयावास, वीकेआई एरिया, जिला जयपुर, राजस्थान।**

इसके अलावा, कारणों के साथ, हमारा मानना है कि आप मांग नोटिस की सेवा से बच रहे हैं, इसलिए मांग नोटिस का प्रकाशन किया जा रहा है। आपसे इस मांग नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 60 दिनों की अवधि के भीतर मणिभवनम होम फाइनेंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को अतिरिक्त ब्याज, लागत, आकस्मिक व्यय, शुल्क आदि के साथ उपरोक्त राशि का भुगतान करने के लिए कहा जाता है, ऐसा न करने पर मणिभवनम होम फाइनेंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को भुगतान करना होगा। लिमिटेड धारा के सभी या किसी भी प्रावधान के तहत आवश्यक कार्रवाई करेगा। उक्त अधिनियम की धारा 13(4) सभी या किसी एक या अधिक सुरक्षित संपत्तियों के विरुद्ध है, जिसमें उधारकर्ताओं की इस सुरक्षित संपत्ति पर कब्जा करना भी शामिल है। इसके अलावा आपको उक्त अधिनियम की धारा 13(13) के तहत बिक्री/ पट्टे के माध्यम से या किसी अन्य तरीके से उपरोक्त सुरक्षित संपत्तियों को स्थानांतरित करने से प्रतिबंधित किया जाता है। कृपया ध्यान दें कि आगे कोई डिमांड नोटिस जारी नहीं किया जाएगा।
स्थान: राजस्थान प्राधिकृत अधिकारी,
दिनांक: 12.04.2024 मणिभवनम होम फाइनेंस इंडिया प्रा. लिमिटेड


# माली समाज के विवाह सम्मेलन में 51 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे



**माली सैनी समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन में 51 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे।**

- जोड़ों को भामाशाहों के सहयोग से घर गृहस्थी का सामान भेंट किया

**चाकसू,** (निसं)। टोंक रोड स्थित रामपुरा गांव में रामनवमी को महात्मा ज्योतिबा फुले सैनी समाज विकास समिति रामपुरा की ओर से महात्मा ज्योतिबा फुले बालिका छात्रावास में दूसरे सामूहिक विवाह सम्मेलन में 51 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे।

सभी जोड़ों को भामाशाहों के सहयोग से घर ग्रहस्थी का संपूर्ण सामान फर्नीचर इत्यादि भेंट किया गया। संस्थान के संरक्षक राजू सैनी बडोदिया ने बताया कि समिति की ओर से आयोजित दूसरा सामूहिक विवाह सम्मेलन संपन्न हुआ जिसमें 51 जोडे परिणय सूत्र में बंधे। इस सामूहिक विवाह सम्मेलन के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक रामावतार बैरवा, निवाई विधायक रामसहाय वर्मा, एसीपी के के अवस्थी, नगर पालिका चेयरमैन कमलेश बैरवा, दौसा सैनी समाज अध्यक्ष गिर्राज सैनी, सांगानेर अध्यक्ष हनुमान सैनी, निवाई और टोंक अध्यक्ष समेत सर्व समाज के कई गणमान्य नागरिकों ने उपस्थित रहकर नव विवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया।

विवाहित सम्मेलनों के कार्यक्रमों का शुभारंभ सुबह बालाजी मंदिर रामपुरा में दूल्हों का अगुणी नेग के साथ हुआ। तत्पश्चात दूल्हों को खुली गाडी में बैठाकर गाजे-बाजे के साथ रामपुरा बालाजी मंदिर से सम्मेलन स्थल तक निकासी निकाली गई। इसके बाद सभी जोडों का सामूहिक तोरण, वरमाला के बाद पाणिग्रहण संस्कार सहित विदाई की रस्में सम्पन्न हुई। पाणिग्रहण संस्कार पंडाल में प्रधान कुंड सहित 52 कुंड बनाकर सभी वर-वधुओं का तीन दर्जन से अधिक पंडितों द्वारा मंत्रोच्चार के साथ पाणिग्रहण संस्कार सम्पन्न कराया गया। कार्यक्रम के समापन पर समिति की ओर से मुख्य अतिथियों भामाशाहों एवं सहयोग कर्ताओं का आभार व्यक्त किया गया। इस दौरान समाज के भामाशाहों ने कन्यादान में नकद राशि सहित उपहार प्रदान कर सभी नवविवाहित वर-वधुओं को आशीर्वाद प्रदान किया। इस मौके पर चाकसू, निवाई, कोटखावदा, टोंक, फागी, सांगानेर, दौसा, सवाईमाधोपुर, जयपुर मालपुरा,दूदू आमेर ,बस्सी आस-पास के क्षेत्र से हजारों की संख्या में सैनी समाज के लोग ने उपस्थित रहकर वर वधु को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

## कुश्ती प्रतियोगिता में विजेता खिलाड़ियों का सम्मान

**श्रीमाधोपुर,** (निसं)। एनएच.52 पर स्थित ग्राम पंचायत बावडी श्री बावडी के बालाजी श्री औंकारनाथ महाराज द्वारा स्थापित धाम पर दो दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम समपन हुआ।

श्री बावडी बालाजी सेवा समिति अध्यक्ष गणपतराम बाजिया व सचिव भागीरथ मल सबल ने बताया कि बुधवार को पंचायत मुख्यालय से गांव से होती हुई बालाजी धाम तक जीवित झांकियां निकाली गई। मेले में बावडी, सौंथलिया, लाखनी, मलिकपुर, ठीकरिया, रींगस, नारनौल, जयपुर सहित दूर दराज व आसपास के गांवों व ढाणियों से सैकडों भक्तों ने बालाजी महराज धाम पर शीश नवाकर मनते मांगी। महिलाओं व पुरूषों, बच्चों ने जमकर खरीददारी की। कुश्ति प्रतियोगिता में नारनौल, श्रीमाधोपुर सहित अन्य क्षेत्रों से खिलड़ी पहुंचे। कुश्ती प्रतियोगिता एक सौ से ईक्यावन सौ रूपये तक हुई। विजेता खिलाडिय़ों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर सरपंच विमला देवी, बीरबल बाजिया, कैलाश बाजिया, फूलचंद हरितवाल, नाथूराम बाजिया, पंचायत समिति सदस्य सावित्री देवी, राजेन्द्र बाजिया, मूरलीधर पावण्डा, जारोवर सिंह पावण्डा, सुखाराम पावण्डा, जगदीश भावरिया, गोपाल सिंह बाजिया, सरदार सिंह हरितवाल, गेंदालाल अठावाल, भवानी सिंह, मूलचंद सौनी सहित अनेक कार्यकर्ता व ग्रामीण उपस्थित थे।

## कांग्रेस प्रत्याशी का निकला रोड शो

**फुलेरा,** (निसं)। आगामी 19 अप्रेल को सम्पन्न होने वाले लोकसभा चुनाव के प्रथम चरण प्रचार के अन्तिम दिन बुधवार को कांग्रेस प्रत्याशी ने समर्थकों के साथ कस्बे के मुख्य प्रमुख बाजारों से रोड शो निकाल बहुमत एवं भारी समर्थन का आग्रह किया। रोड शो के दौरान कांग्रेस प्रत्याशी अनिल चोपडा व फुलेरा के विधायक विद्याधर सिंह चौधरी ने कांग्रेस के पक्ष में मतदान करने की अपील की। इससे पूर्व कस्बे के ज्योतिबा फूले सर्किल पर कांग्रेस कार्यकर्ता एकत्र होकर कांग्रेस प्रत्याशी अनिल चोपडा व विधायक विद्याधर सिंह चौधरी का भव्य स्वागत किया।


प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)

**कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर**

**राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस**

**समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को**

मुकदमा नम्बर 140/2024

**(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)**

चूंकि श्री रामचन्द्र मील पुत्र श्री उमा राम मील निवासी वार्ड नं.17, बोड विहार कॉलोनी कचोलिया मार्ग, चौमू, जिला जयपुर 303802 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत विनायक ग्रुप ऑफ इंस्टीट्युन्स प्रयास पता स्काई सिटी, ग्राम पठानो का बास, ग्राम.पं. अमरसर, तह. शाहपुरा जयपुर 303601 ने राजस्थान के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 12.04.2024 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइंदा तारीख पेशी 18.06.24

मोहर अदालत

आकाश रंजन (आर.ए.एस.)
सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग जयपुर

# देश में रामराज्य के मूल्य, आदर्श और प्रतिमान गढ़े जाएं : स्वामी रामदेव

## रामायण-महाभारत के गुणों को एकत्र करने पर जो समुच्चय बनता है, वह शिवाजी महाराज हैं : स्वामी गोविन्द देव

- पतंजलि में ऋषियों के वंशधर, ऋषि परम्परा के भविष्य तैयार किए जा रहे हैं : आचार्य बालकृष्ण
- रामनवमी पर्व तथा पूज्य स्वामी रामदेव महाराज के 30वें संन्यास दिवस के अवसर पर 'छत्रपति शिवाजी महाराज कथा' का समापन

'छत्रपति शिवाजी महाराज कथा' का समापन पर पूज्य स्वामी रामदेव महाराज व श्रद्धेय आचार्य बालकृष्ण महाराज ने सभी देशवासियों को रामनवमी की शुभकामनाएँ दीं।

**हरिद्वार,** (निसं)। शक्ति, मर्यादा व साधना का महापर्व चैत्र नवरात्रि व रामनवमी के उपलक्ष्य में वेदधर्म व ऋषिधर्म के संवाहक परमपूज्य योगऋषि स्वामी रामदेव महाराज के 30वें संन्यास दिवस के पावन अवसर पर परम पूज्य स्वामी गोविन्ददेव गिरि महाराज के श्रीमुख से हिन्दवी स्वराज के प्रणेता छत्रपति शिवाजी महाराज की यशोगाथा 'छत्रपति शिवाजी महाराज कथा' का समापन पतंजलि विश्वविद्यालय के सभागार में हुआ। पूज्य स्वामी रामदेव महाराज व श्रद्धेय आचार्य बालकृष्ण महाराज ने सभी देशवासियों को रामनवमी की शुभकामनाएँ दीं और व्यासपीठ को प्रणाम करते हुए पूज्य गोविन्ददेव गिरि महाराज से कथा प्रारंभ करने का अनुरोध किया।

''छत्रपति शिवाजी महाराज कथा'' के समापन अवसर पर पूज्य स्वामी गोविन्द देव गिरि जी महाराज ने कहा कि रामायण और महाभारत के सभी गुणों को एकत्र करने पर जो समुच्चय बनता है, वह शिवाजी महाराज हैं। एक हजार वर्ष की गुलामी के पश्चात छत्रपति शिवाजी महाराज पहले व्यक्ति थे जिन्होंने भारत के स्वाभिमान को जगाया, अखिल भारत का विचार किया। उनका दृष्टिकोण था कि हमारे सभी तीर्थ मुक्त होने चाहिए और हिन्दुत्व का स्वाभिमान हम सबके भीतर जगना चाहिए। उनके द्वारा स्थापित हिन्दवी साम्राज्य के 350 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं और मेरी वर्षों की इच्छा थी कि रामायण, भागवत आदि कथाओं की भाँति छत्रपति शिवाजी महाराज की भी कथा होनी चाहिए ताकि लोगों को सदाचार, पुरुषार्थ और राष्ट्रीय भावना का निरंतर संदेश मिलता रहे। उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज की कथा के आयोजन के लिए स्वामी रामदेव जी व पतंजलि परिवार का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि हिन्दु साम्राज्य वर्ष को 350 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं जिसका वर्ष भर उत्सव चलेगा, इसका आरम्भ छत्रपति के अंश बने स्वामी रामदेव जी के द्वारा पतंजलि योगपीठ से होने पर हमें गर्व है। कार्यक्रम में स्वामी रामदेव जी महाराज ने कहा कि इस कथा का उद्देश्य शिवाजी महाराज ने जो शौर्य, पराक्रम तथा प्रचण्ड पुरुषार्थ किया वही प्रचण्ड पुरुषार्थ देश के लोगों में गौ-माता, भारत माता की रक्षा व अखण्ड भारत के निर्माण के लिए जगे। ऐसे महापुरुष के शौर्य से सनातनधर्मी जगें और इस देश को शिक्षा, चिकित्सा, आर्थिक व वैचारिक सांस्कृतिक गुलामी से आजादी दिलाएँ। 1835 में मैकाले जो पाप करके गया, उस शिक्षा की गुलामी के साथ-साथ रोगों-भोगों, आर्थिक व विलासिता की गुलामी से भी मुक्ति मिले। बहुमत के आधार पर देखा जाए तो हमारा संकल्प है कि पूरे विश्व में लगभग 500 करोड़ से अधिक सनातनधर्म को मानने वाले लोग तैयार हों, क्योंकि सनातन धर्म एक जीवन पद्धित है। इस रामनवमी पर हमारा संकल्प है कि इस राष्ट्र में रामराज्य आए और पूरे विश्व में रामराज्य के मूल्य, आदर्श और प्रतिमान गढ़े जाएं। उन्होंने कहा कि रामराज्य हमारे आचरण की श्रेष्ठता से ही आएगा। राम हमारे आचरण की पवित्रता, अवतारी सत्ता और उपास्य देव हैं, हम राम-कृष्ण व ऋषि-ऋषिकाओं की संतान हैं। राम एक आदर्श पिता, पुत्र, शासक और तपस्वी हैं। हमारे मन के भीतर राम और सीता का विठाह है। हम राम-सीता, लक्ष्मी-नारायण, भगवती, उमा-महेश्वर के साक्षात विग्रह, मूर्त्त रूप व उनके उत्तराधिकारी बनकर उन सबके सपनों को साकार करने वाले बनें।

100 प्रतिशत मतदान के संकल्प को दोहराते हुए उन्होंने कहा कि हमारा जीवन हमारे सांस्कृतिक सनातन संविधान से चलता है लेकिन राष्ट्र देश के संविधान से चलता है और संविधान ने हमें वोट करने का अधिकार दिया है। राष्ट्रिहत में 100 प्रतिशत मतदान करें और सनातन धर्म की जड़ों से जुड़े लोगों की सरकार बननी चाहिए, उनको वोट करें। ऐसी सरकार चुनें जो विरासत, विकास, संस्कृति व समृद्धि को महत्व दे। एक तरफ हमारे कल्चर को लेकर चले और दूसरी तरफ इस देश को विश्व की सबसे बड़ी आर्थिक व सामरिक महाशक्ति बनाने में समर्थ हो, ऐसी सरकार चुनेंगे तो सभी भारतीयों के सपने पूर्ण होंगे। इस अवसर पर आचार्य बालकृष्ण महाराज ने कहा कि आज रामनवमी का पावन पर्व है, भगवान् श्री राम आपके जीवन में प्रसन्नता, उल्लास, निरोगता और जीवन की सम्पूर्ण खुशियां प्रदान करें। उन्होंने कहा कि आज पतंजलि योगपीठ के अभिभावक, संकल्प, शिल्पी श्रद्धेय स्वामी जी का 30वाँ संन्यास दिवस है। एक तरह से मैं कहूं तो हम सबके बापू आज तीस वर्ष के हो गये हैं। उन्होंने कहा कि पतंजलि में हमारे ऋषियों के वंशधर, ऋषि परम्परा के भविष्य तैयार किए जा रहे हैं। उस ऋषि परम्परा को आगे बढ़ाना है, जीवित और जागृत रखना है। आज हमारे सैकड़ों तपस्वी, ब्रह्मचारी, तपस्वी साधु, तपस्वी संन्यासिनी बहनें उस मिशन, उस जन अभियान को अपना अभियान बनाकर स्वयं को तपाने के लिए, खपाने के लिए अपने आप को आहूत करने के लिए निकल पड़े हैं। अग्नि में तप कर कषाय वस्त्रों में अपने आप को देदीप्यमान करते हुए जब मैं इन साधु व संन्यासिनियों को देखता हूँ तो श्रद्धा का भाव स्वत: ही जागृत हो जाता है। कथा के पश्चात शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक किया गया। पतंजलि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा शिवाजी महाराज के चरित्र पर आधारित नाट्यय प्रस्तुति का प्रदर्शन किया गया जिसमें छत्रपति के नेतृत्व में मराठा मावलों के शौर्य, वीरता व पराक्रम ने युवाओं के मन में राष्ट्रवाद की भावना का संचार किया। श्री राम जी की आरती के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

इस अवसर पर भारतीय शिक्षा बोर्ड के कार्यकारी अध्यक्ष श्री एन.पी. सिंह, पतंजलि विश्वविद्यालय के प्रति-कुलपति प्रो. महावीर अग्रवाल, मानविकी संकायाध्यक्षा साध्वी आचार्या देवप्रिया, आचार्यकुलम् की उपाध्यक्षा डॉ. ऋतम्भरा, पतंजलि योगपीठ की क्रय समिति अध्यक्षा बहन अंशुल, संप्रेषण विभाग की विभागाध्यक्षा बहन पारूल, भारत स्वाभिमान के मुख्य केन्द्रीय प्रभारी भाई राकेश 'भारत' व स्वामी परमार्थदेव, मुख्य महाप्रबंधक (ट्रस्ट) ब्रिगेडियर टी.सी. मल्होत्रा, आचार्यकुलम् की प्रधानाचार्या आराधना कौल, पतंजलि विश्वविद्यालय के आई.क्यू.ए.सी. सैल के अध्यक्ष प्रो. के.एन.एस. यादव, कुलानुशासक स्वामी आर्षदेव सहित सभी शिक्षण संस्थान यथा- पतंजलि गुरुकुलम्, आचार्यकुलम्, पतंजलि विश्वविद्यालय एवं पतंजलि आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्यगण व विद्यार्थीगण, पतंजलि संन्यासाश्रम के संन्यासी भाई व साध्वी बहनें तथा पतंजलि योगपीठ से सम्बद्ध समस्त इकाइयों के इकाई प्रमुख, अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

भाजपा महिला मोर्चा टोंक जिला संयोजक अंजली गुप्ता के नेतृत्व में महिला कार्यकर्ता घर-घर पहुंचकर भाजपा प्रत्याशी जौनापुरिया के लिए वोट अपील कर रही है। महिला मोर्चा की टीम ने अंजली गुप्ता के नेतृत्व में बंबोर रोड पर भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में जनसंपर्क किया। जनसंपर्क के दौरान उपस्थित महिलाओं ने गीत गाकर भाजपा को समर्थन देने की बात रखी। जिला संयोजक अंजली गुप्ता ने बताया कि टोंक जिले की लगभग प्रत्येक पंचायत में भाजपा के पक्ष में माहौल है, टोंक-सवाई माधोपुर सीट पर भाजपा की विजय निश्चित है। जनसंपर्क कार्यक्रम में गुप्ता के साथ जिला मंत्री अनीता गुर्जर, संतोष जी, सुशीला जी, राधा, रामप्यारी, लक्ष्मी सहित कई महिला कार्यकर्ता उपस्थित रही।

## घर घर लहराई जैन ध्वजाएं

**निवाई,** (निसं)। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान मे आयोजित होने वाले तीन दिवसीय महावीर जयंती जन्म कल्याणक महोत्सव को लेकर निवाई शहर में घर घर जैन ध्वजाएं स्थापित की जा रही है। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौला एवं राकेश संघी ने बताया कि 19, 20 और 21 अप्रैल को भगवान महावीर जयंती महोत्सव मनाए जाने को लेकर मांगलिक क्रियाएं की शुरुआत की जिसमें बुधवार को युवा वर्ग ने घर घर जाकर पचरंगी ध्वजाओं को स्थापित किया। सुनील भाणजा ने बताया कि भगवान महावीर जयंती जन्म कल्याणक महोत्सव पर घर घर जैन ध्वज पताकाएं लहराई जाएंगी। जौला ने बताया कि 19 अप्रैल को भगवान पार्श्वनाथ एवं भगवान महावीर स्वामी की शोभायात्रा निकाली जाएगी।

## बिंदौरी व बारात घोड़ी पर निकाले जाने पर विरोध गहराया

**टोंक,** (निसं)। मेहन्दवास थाना क्षेत्र में 17 अप्रेल को अनुसूचित वर्ग के परिवार ने थाने पहुंचकर परिवाद दर्ज कराया कि उसके पुत्र रणजीत बैरवा पुत्र रामस्वरूप बैरवा निवासी बिलामाता का विवाह सोना बैरवा पुत्री प्रहलाद बैरवा निवासी हाडी खुर्द तहसील पीपलू के साथ गुरूवार को सम्पन होने जा रहा है तथा परिवादी को गांव के ही अन्य समुदाय के (श्रवण) के लोगों ने घोडी पर बैठकर बिंदौरी व बारात निकाले जाने को लेकर आपति जताई तथा धमकाया कि इसके परिणाम अच्छे नहीं होगें।

उक्त सूचना की जानकारी प्राप्त करते हुए थानाधिकारी एवं जांच अधिकारी परिवादी से मिले तथा ग्रामवासियों से भी इस सम्बन्ध में जानकारी ली गई तथा ग्राम पंचायत लाम्बाकंला सरपंच हेमराज भी वहां उपस्थित रहे।

दोनो पक्षो से समझाईश की जिस पर विपक्षी ने भी कहा कि हमे कोई एतराज नही है, एतिहातन पुलिस ने 6 व्यक्तियों को धारा 107, 116(3) के अन्तर्गत पाबन्द किया गया तथा कानून व शान्ति व्यवस्था की दृष्टि से अति. पुलिस अधीक्षक एससी.एसटी सेल, तहसीलदार टोंक 1-15 के जाप्ते के साथ कडी कानून व्यवस्था बनाते हुए गांव में बिदौरी भी निकाली गई, इस दौरान क्षैत्र में पूर्ण शान्ति रही।

## मतदाताओं को किया जागरूक

**टोंक,** (निसं)। लोकसभा चुनाव-2024 के तहत मतदान दिवस 26 अप्रैल को जिले में अधिकाधिक मतदान हो इसके लिए मतदाताओं को जागरूक करने के लिए भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार बुधवार की शाम को सात दिवसीय सतरंगी सप्ताह का शुभारंभ बैंगनी रंग की थीम के साथ हुआ। जिला मुख्यालय के नेहरू पार्क में स्थानीय लोक कलाकारों ने लोक नृत्य एवं लोक अभिव्यक्ति के माध्यम से हम नाचेंगे-गाएंगे, वोट डालकर आएंगे स्लोगन को साकार करते हुए मतदान के प्रति लोगों को प्रेरित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ उपखंड अधिकारी टोंक राहुल सैनी ने माँ शारदे की तस्वीर पर दीप प्रज्ज्वलित कर किया। अजीम प्रेमजी फाउंडेशन ने मतदाता जागरूकता के नुक्कड नाटक के माध्यम से सभी लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा। इस दौरान विकास अधिकारी सविता राठौड, सीडीपीओ संगीता दीपक, डेडिकेडेट एआरओ निर्भय शर्मा, सीबीईओ सीताराम गुप्ता, सीओ गिरिराज गर्ग, एनसीसी के बाकिर हुसैन, अरविंद शर्मा समेत अन्य अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित रहे।

## सीएलजी व शांति समिति की बैठक संपन्न

**निवाई,** (निसं)। श्रीरामनवमी व महावीर जयंती पर्व को लेकर थाना परिसर में सीएलजी व शांति समिति की बैठक उपखंड अधिकारी सुरेश कुमार हरसोलिया की अध्यक्षता में आयोजित हुई। थाना अधिकारी हरिराम वर्मा ने बताया कि शांति व्यवस्था को लेकर उपखंड अधिकारी ने सभी सदस्यों से शहर की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। बैठक में मनोज पाटनी, पार्षद महावीर जैन पराणा, नितिन कुमार जैन, राजू, दिनेश आदि मौजूद थे।

## जीप अनियंत्रित होकर पलटी, एक की मौत, चार घायल

**बौंली-बामनवास,** (निसं)। क्षेत्र के मलारना डूंगर थाना अंतर्गत कोटा - लालसोट मेगा हाईवे पर देर रात्रि को एक कमांडर जीप बजरी से भरी तेज गति सी आ रही अनियंत्रित ट्रैक्टर ट्राली को बचाने के फेर में पलट गई जिसमें सवार पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए जिसमे से एक गंभीर घायल प्रसादी लाल मीणा उम्र 45 वर्ष निवासी शेषा की सवाई माधोपुर जिला चिकित्सालय में उपचार के दौरान मौत हो गई एवं एक गंभीर घायल हनुमान मीणा को सवाई माधोपुर जिला चिकित्सालय से जयपुर के लिए रैफर किया गया है। मलारना डूंगर थाना प्रभारी रामनाथ सिंह ने बताया कि मंगलवार रात्रि को कोटा-लालसोट मेगा हाईवे पर एक कमांडर जीप अनियंत्रित होकर पलट गई सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची एवं पांचो घायलों भाडोती चिकित्सालय प्राथमिक उपचार के बाद सवाई माधोपुर जिला चिकित्सालय ले जाया गया जहां उपचार के दौरान प्रसादी लाल मीणा उम्र 45 वर्ष निवासी शेषा की मौत हो गई एवं एक गंभीर घायल हनुमान मीणा को सवाई माधोपुर से जयपुर के लिए रैफर किया गया है सडक दुर्घटना में पुखराज, लालजी, बृजलाल, प्रसादी लाल व हनुमान मीणा 5 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे जिनमें से एक की मौत हो गई एक को गंभीर रूप से घायल अवस्था में जयपुर रैफर किया गया है शेष तीनों का सवाई माधोपुर चिकित्सालय में उपचार चल रहा है सभी लोग मलारना डूंगर थाना क्षेत्र के शेषा गांव निवासी थे।

## जांगिड़ ब्राह्मण समाज का पंचम विवाह सम्मेलन संपन्न

जांगिड समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन में विद्वान पंडितों द्वारा पाणिग्रहण संस्कार का कार्यक्रम संपन्न करवाया गया।

**निवाई,** (निसं)। अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा तहसील सभा व विकास समिति के तत्वावधान में श्री विश्वकर्मा मंदिर रेलवे स्टेशन रोड पर पंचम आदर्श सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन हुआ। जिसमें 38 जोडे हमसफर बने। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिलाध्यक्ष बद्रीलाल जांगिड बिडोली, विधि प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष व पीपलू तहसील अध्यक्ष एडवोकेट हनुमानप्रसाद जांगिड रानोली, युवा प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष कमलेश कुमार जांगिड बरवास, कार्यकारी जिला अध्यक्ष महेश जांगिड भरनी, सम्मेलन समिति अध्यक्ष महेंद्र सीलक दामोदरपुरा बासडा व निवाई तहसील अध्यक्ष नारायण भुरटिया ने दीप प्रज्वलन करके शुभारंभ किया। जिलाध्यक्ष बद्रीलाल ने कहा कि समाज शिक्षित होगा तो हर क्षेत्र में आगे बढने से कोई नहीं रोक सकता। युवाओं को शर्म छोडकर बिना झिझक आगे आना होगा तभी समाज का विकास होगा। जिला मिडिया प्रभारी कृष्णकुमार जांगिड पीपलू व सम्मेलन प्रवक्ता राजेश करीरिया ने बताया कि कार्यक्रम में समाज बंधुओं सहित जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। सम्मेलन मे भामाशाहों की ओर से वर वधु के लिए उपहार व कन्यादान दिया गया। कार्यक्रम में बैंड बाजे के साथ दूल्हों की निकासी सफारी गाडी से श्री विश्वकर्मा मंदिर से रवाना होकर मुख्य बाजार होते हुए सम्मेलन स्थल पर पहुंची। सम्मेलन स्थल पर पहुंचकर दूल्हों ने तोरण की रस्म अदा कर वर वधुओं ने एक दूसरे को वर माला पहनाई। उसके बाद विद्वान पंडितों द्वारा पाणिग्रहण संस्कार का कार्यक्रम संपन्न करवाया गया। पाणिग्रहण संस्कार के बाद आशीर्वाद समारोह का आयोजन हुआ। मंच संचालन सियाराम जांगिड डिग्गी ने किया। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष हरिशंकर जांगिड, सवाईमाधोपुर पूर्व जिलाध्यक्ष राजेंद्र भाडोती, तहसील सभा अध्यक्ष राधेश्याम जांगिड पालडी, हनुमान प्रसाद रानोली, डिग्गी महामण्डल अध्यक्ष सीताराम जांगिड लावा, कोषाध्यक्ष प्रेमचंद बावडी, कोटखावदा तहसील अध्यक्ष सत्यनारायण, सांगानेर तहसील अध्यक्ष चौथमल, जगदीश जयपुर, तहसील अध्यक्ष रामप्रसाद थडोली, बरवाडा तहसील अध्यक्ष रतन टापुर, सम्मेलन समिति अध्यक्ष शंकर लाल झालुण्डिया, उनियारा तहसील अध्यक्ष नारायण बालीथल, नगरफोर्ट अध्यक्ष हनुमान जांगिड, चाकसू तहसील अध्यक्ष द्वारका प्रसाद जांगिड, रामपुरा तहसील अध्यक्ष ताराचंद ढुढीया, राजेश नोहटा, महेन्द्रए कोषाध्यक्ष घनश्याम बासडा, किशन टापुर, महामंत्री राजू झिलाई, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राधेश्याम हरभगतपुरा बांसवाडा, दिनेश कुंडा वाले, शंकरलाल, हनुमान, सूर्या, महामंत्री रामविलास चैनपुरा, मनीष बहकवा, सुरेश सिरोही, मुकेश किंवाडा, सत्यनारायण बिडोली, विकास समिति अध्यक्ष रामेश्वर प्रसाद जांगिड जेतपुरा, मंदिर अध्यक्ष सुरेश खारीकुई, युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष मनोज भांवता, शिवदयाल खण्डवा, महामंत्री केदार नारायण पीपलू, राधेश्याम, भंवरलाल, मखनलाल, रामप्रसाद मालपुरा, युवा प्रकोष्ठ तहसील अध्यक्ष सत्यनारायण जांगिड, अवधेश, गौरीशंकर लावा सहित जयपुर, अजमेर, सवाईमाधोपुर, लालसोट, करौली, केकडी, दूदू व दौसा सहित अन्य स्थानों के समाज के लोग मौजूद थे।

## सार-समाचार

### पर्यावरण को बचाने का दिया संदेश

**पावटा,** (निसं)। पेड पौधे हमें आक्सीजन प्रदान करते हैं साथ ही पर्यावरण को साफ सुथरा व संतुलित बनाए रखने में इनका विशेष योगदान रहता है। इसी संदेश को लेकर फुटबॉल के कोच हर्षवर्धन शर्मा व यशवर्धन शर्मा दोनो जुडवां भाईयों ने अपना जन्मदिन पौधारोपण कर मनाया। फुटबॉल कोच हर्षवर्धन शर्मा व यशवर्धन शर्मा ने बताया कि पर्यावरण को बचाने के लिए पौधरोपण बहुत जरूरी है, सभी को अपने जन्मदिन पर पौधे लगाने की पहल करनी चाहिए और वृक्ष बनने तक उसकी देखभाल भी करनी चाहिए। इस दौरान यूथ हॉस्टल पटियाला मैनेजर राजेश शर्मा ने भी कहा कि पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने के लिए पौधा रोपण करना जरूरी है। हम सभी को पौधारोपण और पर्यावरण संरक्षण को अपनी आदत बनाना चाहिए ताकि हम आने वाली पीढियों को एक अच्छा स्वच्छ वातावरण दे सकें। इस दौरान एथलेटिक्स कोच उदयसिंह मीना झारखंड से जितेन्द्र, परमजीत सिंह , तरनदीप, सोनू सिंह आदि लोग मौजूद रहे तथा उपस्थित लोगो ने हर्षवर्धन व यशवर्धन को जन्मदिन की शुभकामनाए दी।

### एक दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

**निवाई,** (निसं)। ईवीएम को सील व टेक करने से पूर्व कार्मिकों को एक दिवसीय प्रशिक्षण स्वामी विवेकानन्द राजकीय मॉडल स्कूल में सहायक रिटर्निंग ऑफिसर सुरेशकुमार हरसोलिया के निर्देशन में सम्पन्न हुआ। दक्ष प्रशिक्षक सीताराम शर्मा ने कार्मिकों को प्रशिक्षण देते कहा कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन में वीवीपैट, बीयू व सीयू तीन पार्ट होते हैं। इनको सीलिंग व टेक से पहले कई प्रक्रियाओं से गुजरना पडता है। उन्होंने कहा कि ने ईवीएम वीवीपैट को सील करते समय नई बैट्री लगाना, पेपर रोल लगाकर एड्रेस टेक को सील करना, बीयू को में बटनो की नास्किंग करना, प्रत्याशियों के मतपत्र लगाकर थम विल सेट करना है। उन्होंने बताया कि सीयू में प्रत्याशी सेट करना आदि के बारे में बताया गया। प्रशिक्षण में निर्वाचन शाखा के अमित जोशी सहित दक्ष प्रशिक्षक सहित कई कार्मिक मौजूद थे।

### वोट डालने के लिए प्रोत्साहित किया

**निवाई,** (निसं)। लोकसभा चुनाव को लेकर नगरपालिका द्वारा 60 प्रतिशत से कम मतदान वाले मतदान केन्द्रों पर नुक्कड नाटक के माध्यम से लोगों को वोट डालने के लिए प्रोत्साहित किया गया। अधिशासी अधिकारी मनोहरलाल जाट ने कहा कि लोकतंत्र में मतदान करने का सभी को अधिकार है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में शत प्रतिशत मतदान करके लोकतंत्र के महापर्व में भागेदारी निभाएं। इस दौरान लोगों को उनके मताधिकार का उपयोग कर वोट डालने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान बस स्टैंड, वनस्थली मोड, अहिंसा सर्किल, अंबेडकर सर्किल व कीर मोहल्ला में नुक्कड नाटक द्वारा लोगों को वोट डालने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर राजस्व अधिकारी नवरतन शर्मा, राजस्व निरीक्षक मनीष गौर, सहायक अभियंता चंद्रप्रकाश मीना, कनिष्ठ अभियंता राज राणावत व पप्पूलाल मीना आदि कर्मचारी मौजूद थे।

### कन्यादान के लिए 25 लाख की राशि

**निवाई,** (निसं)। श्रीराम महाराज ने परोपकार व मानव कल्याण को अपने जीवन का लक्ष्य बनाकर नशा मुक्ति अभियान चलाकर अब तक 4 लाख लोगों को नशे की लत से छुडाकर उनका जीवन परिवर्तन कर दिया है। इसी के साथ श्रीराम महाराज ने एक और कन्यादान मिशन के अंतर्गत पूरे वर्ष में 500 बालिकाओं की शादी करवाने की अनुठी पहल का निर्णय लिया है।। इसके लिए श्रीराम महाराज ने नवरात्रि की अष्टमी पर फिर 11 बच्चियों के लिए करीब 25 लाख रुपए का सहयोग किया है। उन्होंने बताया कि मिशन के तहत अब तक 101 बेटियों शादी करवा दी गई है।

# 'भये प्रगट कृपाला, दीन दयाला' के जयकारों के साथ मनाया रामजन्मोत्सव

- मंदिरों व देवालयों में सामूहिक सुंदरकांड का पठन

बारादरी बालाजी मंदिर में श्रीराम जन्मोत्सव पर झांकी सजाई।

**मालपुरा,** (निसं)। चैत्र नवरात्रा के अंतिम व नवमी तिथि राम नवमीं पर बारादरी बालाजी मंदिर में श्रद्धालुओं ने भय प्रगट कृपाला दीन दयाला के जयकारों के साथ मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव मनाया।

मंदिर में विराजीत रामदरबार की प्रतिमाओं का पंचामृत का स्नान करवा पिताम्बरी वस्त्र धारण करवाये गये। फुलबंगला झांकी सजाई गई। दोपहर में महिला मण्डल द्वारा रामनाम संर्कितन का आयोजन किया गया। जन्मोत्सव पर भगवान को ऋतु फलों व पिंजरी का भोग लगा श्रद्धालुओं में प्रसाद का वितरण किया गया। इस अवसर पर स्थानिय गायक गीता विजय, राखी विजय, कृष्णा विजय, राजेश , सहित अन्य कलाकारों ने एक से बढकर एक भजनों की प्रस्तुतियां दे भक्तों को झुमने पर विवश कर दिया। सत्यनारायण , जगदीश, श्यामसुंदर विजयवर्गीय डुंगरी वालों के परिवारजनों की ओर से रामजन्मोत्सव का सोभाग्य प्राप्त किया। राम जन्म पर 51 दीपकों से रामदरबार की आरती उतारी गई। बालाजी महाराज व शिव परिवार की मनमोहक झाकी सजा भव्य आतिशबाजी की गई।

**कोटपूतली।** क्षेत्र में बुधवार को श्री रामनवमी का पर्व बडे ही धुमधाम व हर्षोल्लास से मनाया गया। कस्बा स्थित श्रीराम भवन परिसर में श्रीराम सभा समिति की ओर से भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर भगवान श्रीराम का आलौकिक श्रृंगार कर मन्दिर को विशेष रूप से सजाया गया। भगवान श्रीराम दरबार की मनमोहक झांकी सजाई गई। श्रद्धालुओं द्वारा भये प्रगट कृपाला का वाचन करने के साथ ही श्रीराम जन्म के वृतान्त सहित राम धुनि के माध्यम से भगवान श्रीराम का गुणगान किया गया।

**बौंली-बामनवास।** रामनवमी पर अनेकों मंदिरों व देवालयों में धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर खेड़ापति बड़े बालाजी प्रांगण में नगर के महिला, पुरुषों ने सामूहिक सुंदरकांड का पठन किया। मुख्य कार्यक्रम श्री राम मंदिर पर ब्रह्म समाज सेवा समिति बौंली द्वारा आयोजित किया गया जिसमें नगर पालिका अध्यक्ष कमलेश देवी जोशी, ब्रह्म समाज के अध्यक्ष राजकुमार शर्मा, वरिष्ठ समाजसेवी नाथूलाल जोशी, शंभू दयाल जोशी, ओम प्रकाश शर्मा, संगीतज्ञ दिनेश पुरी, शिवचरण बुंदेला एवं अरविंद शर्मा सहित अनेको महिला, पुरुषों ने संगीतमय सुंदरकांड का पठन किया गया

**टोंक।** जिला मुख्यालय पर रामनवमीं के अवसर पर श्रीराम जन्मोत्सव समिति टोंक द्वारा मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव पर भव्य श्रीराम वाहन शोभायात्रा निकाली गई, समिति के संयोजक विजय चौधरी ने बताया कि शोभायात्रा जय श्री राम, वन्देमातरम के जयगोष के साथ गांधी खेल मैदान डिपो से मोटरसाईकिल से प्रारम्भ होकर शहर के मुख्य बाजार से होते हुए रामलीला मैदान गीता मंदिर पहुँची, जहाँ पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला प्रचारक मोहन कुमार, टभ्च् जिला संगठन मंत्री पवन कुमार ने भगवान श्रीराम महाआरती कर यात्रा का समापन किया। शोभायात्रा का जगह जगह पुष्प वर्षा कर शहर के नागरिकों ने स्वागत किया। शोभायात्रा में भाजपा जिलाध्यक्ष अजित सिंह मेहता, मंडल अध्यक्ष शैलेन्द्र जैन, शिक्षाविद महेन्द्र चौधरी, गुड्डू चावला, राधेश्याम चावला, विनायक जैन, चन्द्रवीर सिंह चौहान, राजेन्द्र पराना, नरेश बसंल, वेणी प्रसाद जैन, प्रभु बडोलिया, अजय सैनी सांखला, कार्तिक बम्ब, रोहित, हेमंत पंवार, राजेंद्र सैनी टैंकर इत्याआदि रामभक्त उपस्थित रहे।

**गोविंदगढ/अलवर।** कस्बे के सीताराम मंदिर से रामनवमी की झांकियो को भारतीय जनता पार्टी के युवा नेता रामगढ विधानसभा के प्रत्याशी रहे पहले श्री राम भगवान का आशीर्वाद प्राप्त किया उसके बाद जय आहूजा ने झंडी दिखाकर रामनवमी की शोभायात्रा को आरंभ किया इस मौके पर मंडल अध्यक्ष रवि शर्मा सनातनी मोहित बटवाडा कुलदीप शर्मा गोविंद गौतम मीडिया प्रभारी लाखन सोलंकी रविकांत शर्मा पूर्व सरपंच नीरज गर्ग गोपाल सोलंकी कैलाश शर्मा सचिन शर्मा रमेश मीणा विक्रम सिंह सैकडों कार्यकर्ता कस्बे के बडे छोटे बुजुर्ग महिला शोभायात्रा में शामिल थे।

फॉर्म में चल रहे सुनील नारायण को इस साल के टी-20 विश्व कप के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास से वापसी करने के लिए मनाने की कोशिशें की जा रही हैं।

-रोवमैन पावेल

वेस्टइंडीज के कप्तान, सुनील नारायण के बारे में बोलते हुए।

# खेल जगत

**आज का खिलाड़ी**

**महेन्द्र सिंह धोनी**

**दिग्गज** विकेटकीपर बल्लेबाज एमएस धोनी के आईपीएल रिटायरमेंट की लंबे समय से अटकलें लग रही हैं। पिछली बार की तरह आईपीएल 2024 के दौरान भी इसकी चर्चा जारी है। दरअसल, धोनी ने आईपीएल 2023 के बाद कहा था कि वह फैंस के लिए एक सीजन और खेलेंगे। ऐसे में कहा जा रहा है कि 42 वर्षीय धोनी का बतौर प्लेयर यह आखिरी सीजन हो सकता है। हालांकि, धोनी के करीबी दोस्त और पूर्व धाकड़ बल्लेबाज सुरेश रैना की राय अलग है। उन्होंने एक शब्द बोलकर काफी कुछ क्लियर कर दिया है।

**क्या आप जानते हैं ?...** क्रिकेट इतिहास के 1877 में सबसे पहले टेस्ट में खेलने वाले एडवर्ड ग्रेगरी, उनके पुत्र सिड ग्रेगरी और उनके भतीजे जैक ग्रेगरी ने अपने टेस्ट जीवन की शुरुआत शून्य (0) से की।

# दिल्ली ने गुजरात को 6 विकेट से हराया

## 8.5 ओवर में चेज किए 90 रन, लीग में आईपीएल का यह सबसे छोटा स्कोर

अहमदाबाद, 17 अप्रेल। दिल्ली कैपिटल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग 2024 के 32वें मुकाबले में गुजरात टाइटंस को 6 विकेट से हरा दिया। टीम ने 90 रन का टारगेट 8.5 ओवर में 4 विकेट खोकर चेज कर लिया। ओपनर जैक फ्रेजर-मैगर्क ने 10 बॉल पर 20, शाई होप ने 10 बॉल पर 19 और कप्तान ऋषभ पंत ने नाबाद 16 रन बनाए। संदीप को दो विकेट मिले।

अहमदाबाद में दिल्ली ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। गुजरात टाइटंस 17.3 ओवर में 89 रन पर ऑलआउट हो गई। टाइटंस ने लीग में अपना सबसे छोटा स्कोर बनाया। इससे पहले पिछले साल टीम दिल्ली के ही खिलाफ 125 रन बनाकर सिमट गई थी।

मुकेश कुमार ने 3 विकेट लिए, ईशांत शर्मा और ट्रिस्टन स्टब्स को 2-2 विकेट मिले। अक्षर पटेल और खलील अहमद को 1-1 विकेट मिला, वहीं एक बैटर रनआउट भी हुआ। गुजरात से राशिद खान ने 31 रन बनाए, बाकी कोई बैटर 15 रन का आंकड़ा भी पार नहीं कर सका। साई सुदर्शन ने 12 और राहुल तेवतिया ने 10 रन बनाए।

इस जीत के बाद दिल्ली की टीम पॉइंट्स टेबल में नौवें से छठे नंबर पर आ गई है। ऋषभ पंत की टीम को तीन स्थान का फायदा हुआ है। दिल्ली के पास कुल 7 में से 3 मैच जीतकर 6 अंक हासिल किए हैं। टीम को 4 मैचों में हार झेलनी पड़ी है। दूसरी ओर, गुजरात टेबल के 7वें नंबर पर आ गई है। गुजरात ने भी 7 में से 3 मैच जीते हैं, जबकि चार मैच में हार का सामना करना पड़ा है।

दिल्ली ने 90 रन का टारगेट 8.5 ओवर में चेज कर लिया है। नूर अहमद के ओवर की 5वीं बॉल पर सुमित कुमार ने चौका जमाते हुए टीम को जीत दिलाई। वे 9 रन पर नाबाद रहे, जबकि कप्तान ऋषभ पंत नॉटआउट 16 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

जवाबी पारी में दिल्ली ने मिलीजुली शुरुआत की। टीम ने पावरप्ले के 6 ओवर में 67 रन बनाने में 4 विकेट गंवा दिए। पृथ्वी शॉ 7, जैक फ्रेजर-मैगर्क 20, अभिषेक पोरेल 15 और शाई होप 19 रन बनाकर आउट हुए। 5वें ओवर की आखिरी बॉल पर दिल्ली ने तीसरा विकेट गंवाया। संदीप वॉरियर ने ओवर की आखिरी बॉल पर अभिषेक पोरेल को बोल्ड कर दिया।

## अब से हर अभ्यास सत्र अहम : ओलंपिक के 100 दिनों की उलटी गिनती पर हमनप्रीत ने कहा

नई दिल्ली, 17 अप्रेल। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने बुधवार को कहा कि पेरिस ओलंपिक के लिए 100 दिन बचे हैं और ऐसे में हर दिन, हर अभ्यास और प्रशिक्षण सत्र का इस्तेमाल इसकी तैयारियों को बेहतर करने के लिए किया जायेगा। तोक्यो ओलंपिक का कांस्य पदक विजेता भारत मौजूदा विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर है। यह कान की मशीन कम सुनाई देने वालों के लिए वरदान साबित हो रही है।

हरमनप्रीत ने कहा कि वे पेरिस में अपने तोक्यो परिणाम में सुधार करना चाहते हैं। इस स्टार ड्रैग-फ्लिकर की टिप्पणी ऑस्ट्रेलिया के हालिया दौरे में भारत के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद आई, जहां मेजबान टीम ने उन्हें 0-5 से हराया था। हरमनप्रीत ने हॉकी इंडिया की एक विज्ञिप्त में कहा, "हम अभी ऑस्ट्रेलिया के मुश्किल दौरे से लौटे हैं। एक छोटे से ब्रेक के बाद हम फिर से मैदान में उतरेंगे। पेरिस ओलंपिक में केवल 100 दिन बचे हैं और टीम में उत्साह बढ़ रहा है।"

## पॉवेल ने नरेन से रिटायरमेंट वापस लेने की रिक्वेस्ट की

नई दिल्ली, 17 अप्रेल। इंडियन प्रीमियर लीग में मंगलवार को कोलकाता नाइटराइडर्स के ओपनर सुनील नरेन ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच में 56 गेंदों पर 109 रन बनाए। मैच के बाद राजस्थान रॉयल्स से खेल रहे वेस्टइंडीज के कप्तान रोमैन पॉवेल ने कहा कि हम सुनील नरेन से रिटायरमेंट वापस लेने का अनुरोध कर रहे हैं। हमें उम्मीद है कि टी-20 वर्ल्ड कप के लिए टीम चुने जाने से पहले उनका मन बदल जाएगा। टी-20 वर्ल्ड कप 1 जून से वेस्टइंडीज और अमेरिका में हो रहा है। सुनील नरेन ने पिछले साल इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। वहीं 1 मई तक वर्ल्ड कप के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल को वर्ल्ड कप संभावितों की सूची भेजनी है। पॉवेल ने ब्रॉडकास्टर्स के साथ बातचीत में कहा, पिछले 12 महीनों से मैं सुनील से वेस्टइंडीज टी-20 टीम में वापसी का अनुरोध कर रहा हूं। उन्होंने सभी से दूरी बना रखी है। मैंने उनके सबसे अच्छे दोस्तों किरोन पोलार्ड, ड्वेन ब्रावो, निकोलस पूरन से कहा है कि वह नरेन को रिटायरमेंट वापस लेने के लिए मनाएं। मुझे उम्मीद है कि टी-20 वर्ल्ड कप से पहले उन्हें राजी कर लेंगे। पॉवेल ने कहा, राजस्थान रॉयल्स टीम को लेकर कि खिलाड़ी अच्छी स्थिति में हैं और यह लंबे समय तक जारी रहेगा। मैं वेस्टइंडीज के लिए नंबर 4 या 5 पर बल्लेबाजी करता हूं और अगर आपको लगता है कि वेस्टइंडीज एक अच्छी टी-20 टीम है तो आप मुझे ऊपर भेज सकते हैं। मैं टीम मैनेजमेंट भी इस पर बात करता रहूंगा। ऑलराउंडर सुनील नरेन में बल्ले और बैट दोनों से कमाल कर रहे हैं। गौतम गंभीर के के क्रिकेट डायरेक्टर बनाए जाने के बाद से सुनील नरेन इस सीजन में ओपनिंग कर रहे हैं। वह कोलकाता के टॉप स्कोरर हैं। उन्होंने 6 मैचों में 187.75 की स्ट्राइक रेट से 276 रन बनाए हैं। इसमें एक हाफ सेंचुरी और एक सेंचुरी शामिल है। वहीं 6 मैचों में 6.88 की इकोनॉमी रेट से गेंदबाजी करते हुए उन्होंने 7 विकेट भी लिए हैं।

## लखनऊ सुपर जायंट्स ने दिया मयंक यादव की वापसी को लेकर अपडेट

नई दिल्ली, 17 अप्रेल। जल्द ही आईपीएल में मयंक यादव वापसी कर सकते हैं। लखनऊ सुपर जायंट्स का ये तेज गेंदबाज चोट के चलते दो मैच नहीं खेल पाया और दोनों मैचों में लखनऊ सुपर जायंट्स को हार का सामना करना पड़ा। मयंक यादव ने अभी तक लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए इस सीजन में कुल तीन मैच खेले हैं। जिसमें से दो बार तो वह मैन ऑफ द मैच भी रहे।मयंक द्वारा खेले गए तीनों मैचों में लखनऊ सुपर जायंट्स ने जीत दर्ज की, जबकि जिन तीन मैचों में वह नही खेले, उन सभी में लखनऊ सुपर जायंट्स इस सीजन में हारा है। मयंक यादव की इंजरी पर बड़ा अपडेट दिया है। उनका ये नया वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया गया है। इस वीडियो में मयंक नेट्स पर गेंदबाजी करते हुए दिख रहे हैं, साथ ही इसके कैप्शन में लिखा, फिर से उड़ चला।

## सौ दिन बाद पेरिस ओलंपिक में भारत करेगा न्यूजीलैंड खिलाफ अभियान की शुरुआत

नई दिल्ली, 17 अप्रेल। सौ दिन बाद पेरिस ओलंपिक में भारतीय पुरुष हॉकी टीम स्वर्ण पदक की उम्मीद के साथ 27 जुलाई को न्यूजीलैंड खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। इस बार पेरिस ओलंपिक हॉकी के पूल ए में जर्मनी, ग्रेट ब्रिटेन, स्पेन, दक्षिण अफ्रीका और मेजबान फ्रांस है। वही पूल बी में भारत को मौजूदा ओलंपिक चैंपियन बेल्जियम, ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, न्यूजीलैंड, और आयरलैंड की चुनौती का सामना करना है।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम अपने अभियान की शुरुआत 27 जुलाई को न्यूजीलैंड के खिलाफ करेगी। उसके बाद 29 जुलाई को अर्जेंटीना और फिर 30 जुलाई आयरलैंड और एक अगस्त बेल्जियम से भिड़ेगी। भारतीय टीम अपना आखिरी ग्रुप स्टेज गेम दो अगस्त को शक्तिशाली आस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलेंगी। ओलंपिक की उलटी गिनती के साथ ही भारतीय टीम के मुख्य क्रेग फुल्टन, हम अभी ऑस्ट्रेलिया के गहन दौरे से लौटे हैं, एक छोटे से ब्रेक के बाद हम फिर से मैदान में उतरेंगे। स्वर्ण पदक जीतने के हमारे साझा लक्ष्य से प्रेरित होकर हमारी टीम की एकजुटता के साथ बढ़ रही है।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत ने कहा कि हर दिन मायने रखता है, हर अभ्यास, हर अभ्यास - यह सब ओलंपिक मंच पर उस पल की ओर बढ़ रहा है। कुल मिलाकर, हम भूखे हैं, हम केंद्रित हैं और हम चमकने के लिए तैयार हैं। उप-कप्तान हार्दिक सिंह ने भी कहा, ऑस्ट्रेलिया परीक्षण ने उन क्षेत्रों पर प्रकाश डाला है जिनमें हमें सुधार करने की आवश्यकता है और शिविर में लौटने पर हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि हम पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए समय रहते किसी भी शेष मुद्दे को सुलझा लें। हम यह सुनिश्चित करने के लिए शेष 100 दिनों में से प्रत्येक में अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे कि ओलंपिक में स्वर्ण पदक के लिए हमारी खोज सफल हो।

## केकेआर को लगा दोहरा झटका, कप्तान श्रेयस अय्यर पर लगा 12 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली, 17 अप्रेल। कोलकाता नाइट राइडर्स को दोहरा झटका लगा है। पहले तो केकेआर टीम को मंगलवार को रॉयल्स के खिलाफ हार झेलनी पड़ी। इसके बाद मैच में धीमी ओवर गति बनाए रखने के कारण कप्तान श्रेयस अय्यर पर ने 12 लाख रुपये का जुर्माना ठोका है।

## जोस बटलर ने किया बड़ा खुलासा

नई दिल्ली, 17 अप्रेल। मंगलवार को जोस बटलर ने सुनील नरेन की शतकीय पारी पर पानी फेरते हुए राजस्थान रॉयल्स को रिकॉर्ड जीत दिलाई। केकेआर के खिलाफ राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल इतिहास के संयुक्त रूप से सबसे बड़े लक्ष्य का पीछा किया। 224 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान रॉयल्स की टीम एक समय 6 विकेट खोकर 121 का स्कोर बनाकर संघर्ष कर रही थी। हालांकि, बटलर ने हिम्मत दिखाते हुए अंत तक बल्लेबाजी की और केकेआर के ऐतिहासिक ईडन गार्डन्स पर अपनी टीम को यादगार जीत दिलाई। राजस्थान रॉयल्स ने अपने ही चार साल पुराने रिकॉर्ड की बराबरी की है। 2020 में किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ शारजाह में राजस्थान रॉयल्स ने 224 रन के लक्ष्य का सफलतापूर्वक हासिल किया था। बटलर ने मौजूदा सीजन में अपना दूसरा शतक जड़ा है। इस दौरान बटलर क्रैम्प्स के कारण मैदान पर संघर्ष कर रहे थे। हालांकि, वह क्रीज पर डटे रहे और आईपीएल में सबसे ज्यादा शतक जमाने के मामले में क्रिस गेल को पीछे छोड़कर दूसरे स्थआन पर पहुंचे। बटलर ने उनकी शानदार पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया। बटलर ने अवॉर्ड लेने के बाद कहा कि, खुद पर विश्वास रखना जरूरी था और यही इस मैच की प्रमुख बात रही।

## बिहारी बाबू मुकेश ने उतारी ऋद्धिमान साहा की गर्मी

अहमदाबाद, 17 अप्रेल। गुजरात टाइटंस के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग 2024 के 32वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स की शुरुआत जोरदार हुई। मैच में दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत ने टॉस जीतने के बाद पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। कप्तान पंत के इस फैसले को ईशांत शर्मा और मुकेश कुमार ने बिल्कुल सही साबित करते हुए टीम को शुरुआती सफलता दिलाने में सफल रहे। खास तौर से मुकेश कुमार ने जिस तरह से वापसी करते हुए ऋद्धिमान साहा को आउट किया वह कमाल का था। दरअसल पारी का चौथा ओवर करने आए मुकेश अपनी लय में नहीं दिख रहे थे। विकेट लेने से पहले उन्होंने नो बॉल भी डाला था, जिससे मुकेश दवाब में दिख रहे थे।

## पैरा तीरंदाज शीतल ने खेलो इंडिया राष्ट्रीय मीट में सक्षम खिलाड़ियों के बीच रजत पदक जीता

नई दिल्ली, 17 अप्रेल। एशियाई पैरा खेलों की गोल्ड विजेता शीतल देवी ने खेलो इंडिया एनटीपीसी राष्ट्रीय रैंकिंग तीरंदाजी प्रतियोगिता में सक्षम खिलाड़ियों के बीच रजत पदक जीता।

वह हरियाणा की एकता रानी के बाद दूसरे स्थान पर रहीं जो जूनियर विश्व चैंपियन हैं। डीडीए यमुना खेल परिसर में आयोजित प्रतियोगिता में 17 वर्षीय शीतल ने सक्षम जूनियर तीरंदाजों के साथ प्रतिस्पर्धा की और व्यक्तिगत कंपाउंड स्पर्धा के फाइनल में एकता से 138-140 से हार गईं। इस साल की शुरुआत में हांगझोउ एशियाई पैरा खेलों में दो स्वर्ण और एक रजत पदक जीतने के लिए अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित शीतल का जन्म फोकोमेलिया नामक एक दुर्लभ बीमारी के साथ हुआ था। वह पहली और एकमात्र अंतरराष्ट्रीय पैरा तीरंदाज हैं जिनकी बांह नहीं है। शीतल का मानना है कि खेलो इंडिया प्रतियोगिता में उनके प्रदर्शन से उन्हें आगे की चुनौतियों के लिए तैयार होने में मदद मिलेगी। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) की प्रेस विज्ञिप्त में शीतल के हवाले से कहा गया, "इस नतीजे से मुझे अंतरराष्ट्रीय मंचों और ओलंपिक में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी।"

### शियाई कैनो स्प्रिंट ओलंपिक क्वालीफायर

## ओलंपिक कोटा के लिए भारतीय कयाकर्स और कैनोयर्स करेंगे पैडलिंग

टोक्यो, 17 अप्रेल। भारतीय नौकाएँ (कयाकर्स) और नौका चालक(कैनोयर्स) छह अलग-अलग स्पर्धाओं में ओलंपिक कोटा सुरक्षित करने जापान के सी फॉरेस्ट वॉटरवे पर होने वाली एशियाई कैनो स्प्रिंट ओलंपिक क्वालीफायर में गुरुवार को स्पर्धा करेंगे। इस स्पर्धा में भारत 13 एथलीटों को मैदान में उतारेगा। हालाँकि, उनमें से 10 ओलंपिक कोटा के लिए दावेदार होंगे क्योंकि शेष तीन गैर-ओलंपिक श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा करेंगे और उन्हें केवल पदक मिलेगा। एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता अर्जुन सिंह/सुनील सिंह सलाम टोक्यो में पदक और पेरिस 2024 कोटा के लिए भारत दल की अगुवाई करेंगे। वरिंदर सिंह (पुरुष के1 1000 मीटर), रिम्सन मैरेम्बम/हर्षवर्धन सिंह शक्तावत (पुरुष के2 500 मीटर), ज्ञानेश्वर सिंह फिलम (पुरुष सी1 1000 मीटर), पार्वती गीता/सोनिया देवी फिरेम्बम (महिला के2 500 मीटर) और नेहा देवी लीचोनबाम/कावेरी (महिला सी2 500 मीटर) भारतीय दल के अन्य कोटा प्रतियोगी हैं।

## ट्वंटी-20 आईपीएल 2024 में रोहित-विराट कर सकते हैं ओपनिंग

नई दिल्ली, 17 अप्रेल। टी20 आईपीएल के दो सबसे सफल खिलाड़ी विराट कोहली और रोहित शर्मा का आगामी टी20 वर्ल्ड कप 2024 आखिरी हो सकता है। भले ही रोहित शर्मा सलामी बल्लेबाज हैं, फिर भी इस बात पर काफी चर्चा हुई है कि विराट कोहली को कहां बल्लेबाजी करनी चाहिए। आईपीएल 2024 में शानदार प्रदर्शन के बाद इसमें कोई शक नहीं कि कोहली ने नंबर 3 पर अपनी जगह पक्की कर ली है। लेकिन टी20 वर्ल्ड कप 2024 में भारतीय टीम को संयोजन की समस्या का सामना करना पड़ रहा है, जिसके बाद सवाल उठ रहा है कि, क्या विराट कोहली को फिर से रोहित शर्मा के साथ ओपनिंग करनी चाहिए? दैनिक जागरण के अनुसार आगामी टी20 वर्ल्ड कप 2024 में रोहित शर्मा के साथ विराट कोहली ओपनिंग कर सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक कुछ समय पहले विराट ने टीम प्रबंधन से उनके टी20 वर्ल्ड कप में खेलने पर स्पष्टता मांगी थी। जानकारी के अनुसार टीम प्रबंधन ने उन्हें इस पर स्पष्टता दे भी दी है। यशस्वी जायसवाल और रुतुराज गायकवाड़ को भी टी20 में मौके मिले हैं, जहां उन्होंने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की है। अगर हम बड़े इवेंट में नए खिलाड़ियों को मौके नहीं देंगे तो फिर वो तैयार कैसे होंगे। लेकिन अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज में रोहित और कोहली का चयन करके चयनकर्ताओं ने साफ कर दिया कि वे किसी तरह का जोखिम नहीं लेना चाहते हैं।

# अंपायर से हुई गलती या ऋषभ पंत ने की चीटिंग

## शाहरुख खान के स्टंपिंग पर अब तो बवाल होगा

अहमदाबाद, 17 अप्रेल। गुजरात टाइटंस के खिलाफ मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाजों ने कोहराम मचा दिया। गेंदबाजों के साथ टीम के कप्तान और विकेटकीपर ऋषभ पंत ने भी कमाल का खेल दिखाया। उन्होंने मैच में गुजरात के दो खिलाड़ियों को स्टंप किया। हालांकि, इसके साथ ही एक विवाद भी उठ खड़ा हुआ। दरअसल ट्रिस्टन स्टब्स की गेंद पर शाहरुख खान ने स्वीप शॉट लगाने का प्रयास किया था, लेकिन वह पूरी तरह से मिस हट कर गए। ऋषभ पंत विकेट के पीछे पूरी तरह से मुस्तैद थे, गेंद जैसे ही शाहरुख खान से छूटी पंत ने पलक झपकते ही विकेट की बत्ती को चला दिया, लेकिन वीडियो रिप्ले में ऐसा लग रहा था, पंत स्टंपिंग के दौरान गेंद को सही से कलेक्ट नहीं कर पाए थे और वह उनसे छिटक गई थी। मामला काफी पेचीदा हो गया था। ऐसे में थर्ड अंपायर को अलग-अलग एंगल से गेंद को देखकर शाहरुख खान को आउट करार दे दिया। ऐसे में सवाल यह यह उठता है कि क्या ऋषभ पंत ने स्टंपिंग के दौरान चीटिंग की थी, हालांकि वीडियो रिप्ले से यह पता चला कि जब तक गेंद उनके हाथ से छिटकी थी जब तक उन्होंने विकेट को ग्लव्स से लगा दिया था। ऐसे में कुछ माइक्रो सेकेंड के अंतराल में ऋषभ स्टंपिंग करने में सफल हो गए। ऐसे में यह नहीं कहा जा सकता है कि ऋषभ पंत ने किसी तरह से चीटिंग की या फिर अंपायर के कोई भूल हुई।

## टी-20 विश्वकप के लिए भारतीय टीम में नये चेहरों की संभावना नहीं

नई दिल्ली, 17 अप्रेल। अमेरिका में होने वाले आगामी टी20 विश्व कप के लिए इस महीने के अंत तक जब भारतीय टीम को अंतिम रूप दिया जायेगा तो इसमें आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करने वाले किसी नये खिलाड़ी को चुने जाने की संभावना नहीं है लेकिन कुछ परखे हुए क्रिकेटरों को निराशा का सामना करना पड़ सकता है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने अस्थायी 15 सदस्यीय टीम घोषित करने के लिए एक मई की तारीख तय की है जिससे अजीत अगरकर और उनके साथियों को टीम के प्रत्येक सदस्य के फिट होने की स्थिति में कुछ स्पष्ट विकल्प चुनने होंगे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड के एक सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर पीटीआई से कहा, "इसके लिए कोई प्रयोग या फिर मैदान के प्रदर्शन से चयन नहीं होगा। भारत के लिए जो खिलाड़ी खेलते हैं और जिन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय तथा आईपीएल में निरंतर अच्छा प्रदर्शन किया है।

# आईपीएल में खेलने से कुछ भी सीखने को नहीं मिलने वाला है

## बांग्लादेश क्रिकेट बोड़ के जलाल का आजीबोगरीब बयान

नई दिल्ली, 17 अप्रेल। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के क्रिकेट संचालन अध्यक्ष जलाल यूनुस ने मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल से वापस बुलाने के निर्णय को सही ठहराया है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने आईपीएल और चेन्नई सुपर किंग्स को सूचना दी है कि वह रहमान को अपने देश के लिए खेलने के लिए अनुमति दे। 2 मई से बांग्लादेश की टीम जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज खेलने वाली है।

ये निर्णय चेन्नई सुपर किंग्स की टीम के लिए काफी धक्का देने वाली है। क्योंकि वह टीम के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने पांच मैच में 10 विकेट लिए हैं। यूनुस ने कहा है कि आईपीएल के पास बांग्लादेश के तेज गेंदबाज को देने के लिए और कुछ नहीं है।

मुस्तफिजुर रहमान को 1 मई तक बांग्लादेश लौटना था लेकिन चेन्नई सुपर किंग्स ने बोर्ड से उन्हें एक और मैच खेलने के लिए मना लिया है। जिसका मतलब है कि रहमान अब 2 मई को स्वदेश लौटेंगे और उससे पहले वह पंजाब किंग्स के खिलाफ होने वाले मुकाबले में खेलते हुए नजर आएंगे। यूनुस ने बताया कि बीसीबी ने अनुभवी तेज गेंदबाज को इस बुलाया है कि क्योंकि बोर्ड को उनकी फिटनेस की चिंता है। वह टी20 विश्व कप में बांग्लादेश की टीम के एक अहम सदस्य होंगे। जलाल यूनुस ने बांग्लादेश के दैनिक द डेली स्टार के हवाले से कहा, "आईपीएल में खेलने से मुस्तफिजुर को कुछ भी सीखने को नहीं मिलने वाला है। मुस्तफिजुर की सीखने की प्रक्रिया खत्म हो गई है। बल्कि आईपीएल में कई खिलाड़ी उनसे सीख सकते हैं। बांग्लादेश को इससे कोई फायदा नहीं होगा।"

# 'खैरथल का विकास गुड़गांव की तर्ज पर होगा, यह मोदी, भूपेन्द्र और भजनलाल की गारंटी है'

## मुख्यमंत्री भजनलाल ने खैरथल में अलवर के भाजपा प्रत्याशी, केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव के समर्थन में आयोजित सभा में कहा

किशनगढ़ बास/खैरथल, 17 अप्रेल (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अलवर से भाजपा प्रत्याशी और भारत सरकार में मंत्री भूपेंद्र यादव के समर्थन में खैरथल में पुरानी अनाज मंडी परिसर में सभा को संबोधित किया।

इससे पहले प्रत्याशी भूपेंद्र यादव ने टपूकड़ा, से खैरथल तक 50 किलोमीटर लम्बा रोड शो किया। टपूकड़ा और तिजारा में महंत बालक नाथ योगी और किशनगढ़ बास में पूर्व विधायक रामहेत यादव भूपेन्द्र यादव के साथ रोड शो में नज़र आए।

50 किलोमीटर के लम्बे रोड शो में कई वाहनों व कई लोगों ने शिरकत की और मोदी व भाजपा के पक्ष में भारी नारेबाजी हुई।

किशनगढ़ बास में रोड शो के दौरान भूपेंद्र यादव संत कंवर राम सिंधी हरि मंदिर पर रुके वहां उन्होंने रथ से उतरकर मत्था टेका व संत कंवर राम का आशीर्वाद लिया। इस दौरान व्यापार महासंघ अध्यक्ष परमानंद लखयाणी व सिंधी समाज के लोगों ने उन्हें राम मंदिर के रूप में स्मृति चिन्ह प्रदान किया। रोड शो के दौरान जगह जगह आतिशबाजी भी की गई।

खैरथल में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पुरानी अनाज मंडी परिसर में सभा को संबोधित करते हुए कहा कि अलवर खैरथल के लोग सौभाग्यशाली हैं जिन्हें भूपेंद्र यादव मिले हैं। राजस्थान की सरकार तो विकास करेगी लेकिन विकास में भूपेंद्र यादव की बहुत बड़ी भागीदारी रहेगी। खैरथल जिले के लोगों को चिंता करने की जरूरत नहीं है, खैरथल का गुड़गांव की तर्ज पर विकास होगा। यह मोदी भूपेंद्र और भजनलाल की गारंटी है। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस के घोषणा पत्र को लेकर कहा कांग्रेस के लोग घोषणा पत्र को चुनाव के बाद भूल जाते हैं। मोदी ने 2014 और 2019 के संकल्प पत्र में जो कहा उसे पूरा किया और राजस्थान की सरकार ने 3 महीने में संकल्प पत्र के 45 वायदे पूरे किए हैं।

भजनलाल ने कहा, पंचायत से पार्लियामेंट तक कांग्रेस साफ हो चुकी है। कांग्रेस की स्थिति ऐसी बनी है, कि हार से बचने के लिए हर किसी से समझौता करने में लगी है। मुख्यमंत्री ने राम मंदिर का भी जिक्र किया व कहा, हम जब कहते थे की मंदिर वहीं बनाएंगे तो कांगेस के लोग कहते थे कि तारीख नहीं बताएंगे। हमने रामलला को भव्य मंदिर में विराजमान किया और तारीख बताते हुए निमंत्रण भी दिया।

इस मौके पर प्रत्याशी भूपेंद्र यादव ने चुनाव प्रचार के दौरान गांवों व शहरों में मिले जनता के प्यार और आशीर्वाद के प्रति आभार जताया और कहा कांग्रेस वालों ने अलवर में बहुत झूठ बोला है।

सभा को उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व सांसद जगदंबिका पाल, हरियाणा के राव नरवीर सिंह, अलवर प्रभारी व जल संसाधन मंत्री सुरेश रावत, पूर्व विधायक रामहेत यादव सहित कई नेताओं ने संबोधित किया। इस दौरान भाजपा नेता जिला प्रमुख बलबीर छिल्लर, जिला चुनाव संयोजक संजय नरूका, जिला अध्यक्ष अशोक गुप्ता, उम्मेद भाया आदि उपस्थित रहे।

- **भूपेन्द्र यादव ने प्रचार के अंतिम दिन टपूकड़ा से खैरथल तक 50 किलोमीटर लम्बा रोड शो किया। उसके बाद खैरथल में जनसभा की।**
- **मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि, कांग्रेस चुनाव के बाद घोषणा पत्र भूल जाती है, जबकि हमने जनता से किए वायदे पूरे किए हैं।**

*मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश में मतदान के पहले चरण के चुनाव प्रचार के आखिरी दिन भूपेन्द्र यादव के समर्थन में टपूकड़ा से खैरथल तक 50 किलोमीटर लम्बा रोड शो किया। इस मौके पर महंत बालक नाथ और विधायक रामहेत यादव भी मौजूद थे। रोड शो के दौरान जगह-जगह आतिशबाजी और पुष्प वर्षा की गई।*

## पहले चरण के चुनाव का प्रचार बंद

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 अप्रैल। लोकसभा की 543 सीटों में से 102 सीटों पर प्रचार बुधवार को बंद हो गया, इन सीटों पर लोकसभा चुनावों के प्रथम चरण में 19 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे। प्रथम चरण के तहत मतदान वाले प्रमुख राज्य आसाम, बिहार, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, तमिलनाडू व उत्तराखंड हैं।

ऐसे प्रदेश जिनमें प्रथम चरण में ही लोकसभा चुनाव समाप्त हो जाएंगे, वे हैं- तमिलनाडू (39 सीटें), उत्तराखंड (5), अरूणाचल प्रदेश (2), मणिपुर (2), मेघालय (2), मिज़ोरम (1), नागालैण्ड (1 सीट), और सिक्किम (1सीट)। प्रथम चरण में लक्षद्वीप, पुडूचेरी एवं अंडमान व निकोबार द्वीप समूह में भी मतदान पूर्ण हो जाएगा।

- **आम चुनाव के पहले चरण में 19 अप्रैल को 102 सीटों पर मतदान होगा।**

उत्तर प्रदेश, जिसकी लोकसभा में 80 सीटें हैं इस मामले में सबसे बड़ा राज्य है। प्रथम चरण में मतदान वाले इसके निर्वाचन क्षेत्र सहारनपुर, कैराना, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, नगीना, मुरादाबाद, रामपुर व पीलीभीत हैं।

बंगाल में लोकसभा की 42 सीटें हैं इनमें से प्रथम चरण में मतदान वाले निर्वाचन क्षेत्र-कूचबिहार, अलीपुरद्वार व जलपाईगुड़ी हैं।

महाराष्ट्र में लोकसभा की 48 सीटों में से 5 सीटों पर प्रथम चरण में 19 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे। ये सीटें हैं- रामटेक, नागपुर, भंडारा-गोंदिया, गढ़चिरौली-चिमुर एवं चन्द्रपुर।

तमिलनाडू की सभी 39 सीटों व उत्तराखंड की सभी 5 सीटों पर प्रथम चरण में वोट डाले जाएंगे। लोकसभा चुनावों की सभी सीटों की वोटों की गिनती 4 जून को की जाएगी।

## नियम विरूद्ध अंग प्रत्यारोपण और फर्ज़ी एन.ओ.सी. के मामले में एफ.आई.आर.

### मानव अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण प्राधिकारी डॉ. रश्मि गुप्ता ने जवाहर सर्किल थाने में एफ.आई.आर. दर्ज करवाई

जयपुर, 17 अप्रेल। मानव अंगों के नियम विरूद्ध प्रत्यारोपण, इसके लिए फर्जी एन.ओ.सी. जारी किए जाने तथा अंग प्रत्यारोपण में अंतरराष्ट्रीय रैकेट सक्रिय होने की जानकारी सामने आने पर मानव अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण के समुचित प्राधिकारी की ओर से जवाहर सर्किल थाने में एफ.आई.आर. दर्ज करवाई गई है।

उल्लेखनीय है कि, मानव अंग प्रत्यारोपण के लिए रिश्वत लेकर फर्जी एन.ओ.सी. जारी करने की सूचना मिलने पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने स्वप्रेरित संज्ञान लिया था। उन्होंने एक उच्च स्तरीय बैठक लेकर इस प्रकरण में त्वरित जांच एवं कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। विभाग की इस पहल के बाद भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने प्रकरण में शामिल, एस.एम.एस. एवं ई.एच.सी.सी. और फोर्टिस अस्पताल के कार्मिकों को गिरफ्तार किया था।

समुचित प्राधिकारी डॉ. रश्मि गुप्ता ने बताया कि, चिकित्सा शिक्षा विभाग की इस पहल के बाद समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरों से सामने आया कि जयपुर के फोर्टिस अस्पताल में लोगों को लाया जाता था और उनकी किडनी निकालकर उन्हें गुरूग्राम भेज दिया जाता। इस मामले में अंतर्राष्ट्रीय स्तर का रैकेट सक्रिय बताया गया। मालवीय नगर सहायक पुलिस आयुक्त आदित्य पूनिया ने इस संबंध में गुरूग्राम जाकर जांच की।

जांच में पाया गया कि, बांग्लादेश के कुछ निवासियों ने जयपुर के फोर्टिस अस्पताल में किडनी ट्रांसप्लांट करवाया। जांच के अनुसार, किडनी डोनर एवं किडनी रिसीवर आपस में रिश्तेदार या ब्लड रिलेशन में नहीं थे, न ही एक दूसरे को जानते थे, उनके बयानों के अनुसार, फोर्टिस अस्पताल प्रशासन, ऑथराइज़ेशन कमेटी या किसी अन्य चिकित्सक द्वारा उन्हें किसी तरह की एन.ओ.सी. पेश करने के लिए भी नहीं कहा गया, न ही किडनी डोनर एवं रिसीवर के बीच ब्लड रिलेशन प्रमाणित करने के कागजात मांगे गए। उनसे कुछ खाली कागजों पर हस्ताक्षर करवाए गए तथा फर्जी एन.ओ.सी. बनाने के लिए पैसे भी लिए गए। जांच के अनुसार, इस प्रकरण में शामिल दलाल मुर्तजा अंसारी, फोर्टिस अस्पताल प्रशासन तथा डॉक्टरों ने मिलकर किडनी रिसीवर एवं किडनी डोनर के साथ धोखाधड़ी कर पैसे हड़पे हैं।

चिकित्सा शिक्षा विभाग के स्वप्रेरित संज्ञान के बाद समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरों एवं पुलिस जांच में सामने आए तथ्यों के दृष्टिगत मामले में प्रभावी जांच के लिए बुधवार को समुचित प्राधिकारी ने जवाहर सर्किल थाने में एफ.आई.आर. दर्ज करवाई है।

गौरतलब है कि, इससे पहले फर्जी मेडिकल जांचों एवं दस्तावेजों के आधार पर सिलिकोसिस नीति के तहत नियम विरूद्ध लाभ लेने के मामले में भी चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने स्वप्रेरित संज्ञान लेकर प्रकरण को उजागर किया था तथा दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई की थी।

- **जांच में सामने आया कि, बांग्लादेश के कुछ निवासियों द्वारा जयपुर के फोर्टिस अस्पताल में किडनी ट्रांसप्लांट करवाया गया और किडनी डोनर व रिसीवर आपस में रिश्तेदार या ब्लड रिलेशन में भी नहीं थे।**
- **फोर्टिस अस्पताल प्रशासन, ऑथराइजेशन कमेटी या किसी अन्य चिकित्सक द्वारा उन्हें किसी तरह की एन.ओ.सी. पेश करने के लिए भी नहीं कहा गया था।**

## भाजपा के ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

मतदान से कुछ ही समय पूर्व भाजपा को परेशान कर रहा है। समृद्ध एवं ज़मीनों पर काबिज यह समुदाय भाजपा के सिद्धान्तों को मानने वाला और उसका निष्ठावान वोटर माना जाता रहा है। राजपूतों ने गत 7 अप्रेल को सहारनपुर में एक क्षत्रिय स्वाभिमान महाकुंभ का आयोजन कर अपनी शक्ति का भारी प्रदर्शन किया था। उसके बाद इस समुदाय की कई छोटी सभाएं और पंचायतें हुईं, जिनमें संकल्प लिया गया कि राजपूत उस प्रत्याशी को वोट देंगे, जो भाजपा को हराने में समर्थ होगा। विपक्ष के नेताओं ने शुरुआत में तो यही समझा कि राजपूतों का विरोध प्रदर्शन भाजपा ने ही ऐसे समुदायों का स्वयं के प्रति ध्रुवीकरण करवाने के लिए कराया, जिनका संख्याबल राजपूतों से अधिक है, तथापि, वास्तविक स्थिति के हिसाब से राजपूतों में राजनीतिक प्रतिनिधित्व को लेकर असंतोष बढ़ता जा रहा है, क्योंकि भाजपा जाट व गुर्जर जैसे अन्य समृद्ध भू-स्वामी समुदायों पर ज्यादा फोकस कर रही है। ये समुदाय उत्तर प्रदेश में अन्य पिछड़ा वर्ग में आते हैं।

## दो बार लगातार ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

हैं। वैभव पिछली बार लोकसभा चुनाव में जोधपुर से गजेन्द्र सिंह शेखावत से हार गए थे। इस बार गहलोत ने बेटे को जिताने में पूरी ताकत लगा दी है। उनके पास अन्य सीटों के लिए जरा भी वक्त नहीं है। वैभव "नॉन पॉलिटिकल" माने जाते हैं और उनकी स्थिति अच्छी नहीं है। सिर्फ गहलोत ने अपने प्रयासों से वैभव के प्रचार अभियान को जिंदा रखा हुआ है। कांग्रेस के लिए इस बार जीतना बहुत जरूरी है, वे राजस्थान लोकसभा चुनावों में हार की हैट्रिक नहीं बनाना चाहते हैं। राजस्थान भाजपा में आतंरिक असंतोष भी एक कारण है जो कांग्रेस को फायदा दे सकता है।

## गुलाम नबी आज़ाद ने लोकसभा चुनाव नहीं लड़ने का ऐलान किया

श्रीनगर, 17 अप्रेल। दिग्गज राजनेता गुलाम नबी आजाद ने इस बार लोकसभा चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया है। उनकी पार्टी डीपीएपी (डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी) ने अनंतनाग-राजौरी सीट से उन्हें उम्मीदवार बनाया था। मगर अब उन्होंने अपना नाम वापस ले लिया है। गुलाम नबी आजाद ने बुधवार को अनंतनाग में एक बैठक में यह घोषणा की। 2 अप्रैल को पूर्व केंद्रीय मंत्री आजाद को अनंतनाग-राजौरी सीट से चुनाव लड़ने के लिए नामांकित किया गया था।

इससे पहले आजाद की पार्टी के प्रवक्ता सलमान निजामी ने उनके चुनाव लड़ने को लेकर एक्स पर पोस्ट किया था। इस पोस्ट में निजामी ने लिखा, "डीपीएपी के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद साहब अनंतनाग-राजौरी लोकसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे।

## 19 अप्रैल ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

में से 8 लोकसभा सीटों पर 19 अप्रैल को मतदाता अपना वोट डालेंगे। ये सीटें अधिकतर पश्चिमी उत्तर प्रदेश की हैं इनके नाम सहारनपुर, कैराना, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, नगीना, मुरादाबाद, रामपुर, एवं पीलीभीत हैं।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908